RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

डाक पंजीयन संख्या

एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन

पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 284

पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, गुरुवार, 08 फरवरी, 2024

द अचीवर टाइम्स

एक नज़र

भड़काऊ भाषण देने के आरोपी मुफ्ती अजहरी को मिली जमानत, गुजरात पुलिस ने मुंबई से किया था गिरफ्तार

जूनागढ़। विवादित भाषण का वीडियो सामने आने के बाद मुफ्ती सलमान अजहरी के खिलाफ गुजरात में केस दर्ज किया गया था। इसके बाद गुजरात एटीएस ने मुफ्ती अजहरी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया था।

गुजरात के जूनागढ़ जिले की एक अदालत ने बुधवार को इस्लामिक उपदेशक मुफ्ती सलमान अजहरी और दो अन्य को जमानत दे दी। मुफ्ती सलमान अजहरी पर भड़काऊ भाषण देने का आरोप है। विवादित भाषण का वीडियो सामने आने के बाद उनके खिलाफ गुजरात में केस दर्ज किया गया था। इसके बाद गुजरात एटीएस ने मुफ्ती अजहरी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया था। अजहरी ने 31 जनवरी को जूनागढ़ में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में भीषण दिया था। बाद में सोशल मीडिया पर उनका वीडियो साझा कर दावा किया गया था कि मौलाना अजहरी ने कथित तौर पर भड़काऊ भाषण दिया है। इस मामले में अजहरी और दो स्थानीय लोगों को आरोपी बनाया गया है। गुजरात पुलिस ने बुधवार शाम चार बजे तीन आरोपियों की एक दिन की रिमांड समाप्त होने के बाद उन्हें अदालत में पेश किया। बचाव पक्ष ने भी जमानत याचिका दायर की थी। अजहरी के वकील शकील शेख ने बताया कि दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने उन्हें 15,000 रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी। मौलाना अजहरी को गुजरात पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने रविवार को मुंबई से गिरफ्तार किया था। कथित तौर पर भड़काऊ भाषण का वीडियो सामने आने के बाद मौलाना अजहरी और धार्मिक कार्यक्रम के दो आयोजकों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के संबंध में ट्रांजिट रिमांड पर गुजरात लाया गया था। मंगलवार को जूनागढ़ की अदालत ने तीनों आरोपियों को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

उत्तराखंड ने रचा इतिहास

पास हुआ देश का पहला यूसीसी बिल, यूसीसी रामयुग की बड़ी पहल

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड ने आज इतिहास रच दिया। आजादी के बाद देश का पहला समान नागरिक संहिता विधेयक उत्तराखंड 2024 विधानसभा में पास हो गया। दो दिन लंबी चर्चा, बहस और तर्कों के बाद बुधवार की शाम सदन में विधेयक ध्वनिमत से पास हुआ। विपक्ष ने चर्चा के दौरान बिल प्रवर समिति को भेजने की सिफारिश की थी। उसका यह प्रस्ताव भी ध्वनिमत से खारिज हो गया। इसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस बिल से समाज का भेदभाव, कुरीतियां खत्म होंगी। कहा, इस कानून में संशोधन की भी गुंजाइश होगी। पास होने के बाद अब बिल राज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा जाएगा, जहां से मुहर लगने के बाद यह कानून राज्य में लागू हो जाएगा। सभी विधिक प्रक्रिया और औपचारिकताएं पूरी

करने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बनेगा। विधेयक में सभी धर्म-समुदायों में विवाह, तलाक, गुजारा भत्ता और विरासत के लिए एक कानून का प्रावधान है। महिला-पुरुषों को समान अधिकारों की सिफारिश की गई है। अनुसूचित जनजातियों को इस कानून की परिधि से बाहर रखा गया है। विधेयक पर चर्चा के दौरान नेता सदन मुख्यमंत्री धामी ने कहा, देश के पहले गांव माणा में संवाद से ड्राफ्ट समिति ने इसकी शुरुआत की थी। उन्होंने अब अन्य राज्यों को भी इस दिशा में प्रयास करने का आह्वान करते हुए कहा, जिस प्रकार गंगा सबके लिए सुखदायी है, वैसे ही यूसीसी भी मातृशक्ति व पूरे समाज के लिए सुखद होगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा, विधानसभा चुनाव के दौरान 12 फरवरी 2022 को उन्होंने जनता के सामने दोबारा सत्ता में आने पर समान नागरिक संहिता कानून लाने का संकल्प लिया था। आज करीब दो साल बाद सात फरवरी को यह संकल्प सिद्ध हो गया है। जनता ने जिस मकसद से उन्हें चुना, वह समानता का अधिकार सबको मिलने जा रहा है। कहा, इसे वोट बैंक की राजनीति से जोड़कर न देखें। यूसीसी रामयुग की बड़ी पहल

मुख्यमंत्री ने सदन में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस रामयुग की शुरुआत हुई है, यूसीसी उसमें एक बड़ी पहल साबित होगा। यह देश के लिए मील का पत्थर बनेगा। कहा, प्रधानमंत्री राष्ट्रऋषि नरेंद्र मोदी विकसित भारत का सपना देख रहे हैं। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है। उनके नेतृत्व में यह देश तीन तलाक और अनुच्छेद-370 जैसी ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने के पथ पर है। समान नागरिक संहिता का विधेयक प्रधानमंत्री के देश को विकसित, संगठित, समरस और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए किए जा रहे यज्ञ में उत्तराखंड की ओर से अर्पित की गई एक आहुति मात्र है। इस विधेयक में जाति, धर्म, क्षेत्र व लिंग के आधार पर भेद करने वाले व्यक्तिगत नागरिक मामलों से संबंधित सभी कानूनों में एकरूपता लाने का प्रयास किया गया है।

सदन में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के नेतृत्व में विपक्ष ने इस बिल को जल्दबाजी में उठाया गया कदम करार दिया था। विपक्ष में इसमें कई खामियां गिनाते हुए सदन में इसे प्रवर समिति को भेजने की मांग की थी। हालांकि, विपक्ष की ये मांग खारिज हो गई।

शादी का पंजीकरण कराना अनिवार्य

❖ विधेयक में 26 मार्च वर्ष 2010 के बाद से हर दंपती के लिए तलाक व शादी का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ❖ ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम, महानगर पालिका स्तर पर पंजीकरण का प्रावधान। ❖ पंजीकरण न कराने पर अधिकतम 25 हजार रुपये का अर्थदंड का प्रावधान। ❖ पंजीकरण नहीं कराने वाले सरकारी सुविधाओं के लाभ से भी वंचित रहेंगे। ❖ विवाह के लिए लड़के की न्यूनतम आयु 21 और लड़की की 18 वर्ष तय की गई है। ❖ महिलाएं भी पुरुषों के समान कारणों और अधिकारों को तलाक का आधार बना सकती हैं। ❖ हलाला और इद्दत जैसी प्रथाओं को समाप्त किया गया है। महिला का दोबारा विवाह करने की किसी भी तरह की शर्तों पर रोक होगी। ❖ कोई बिना सहमति के धर्म परिवर्तन करता है तो दूसरे व्यक्ति को उस व्यक्ति से तलाक लेने व गुजारा भत्ता लेने का अधिकार होगा। ❖ एक पति और पत्नी के जीवित होने पर दूसरा विवाह करना पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। ❖ पति-पत्नी के तलाक या घरेलू झगड़े के समय पांच वर्ष तक के बच्चे की कस्टडी उसकी माता के पास रहेगी। ❖संपति में बराबरी का अधिकार- संपति में बेटा और बेटी को बराबर अधिकार होंगे। ❖ जायज और नाजायज बच्चों में कोई भेद नहीं होगा। ❖ नाजायज बच्चों को भी उस दंपती की जैविक संतान माना जाएगा। ❖ गोद लिए, सरोगेसी के द्वारा असिस्टेड री प्रोडेक्टिव टेक्नोलॉजी से जन्मे बच्चे जैविक संतान होंगे। ❖ किसी महिला के गर्भ में पल रहे बच्चे के संपति में अधिकार संरक्षित रहेंगे। ❖ कोई व्यक्ति किसी भी व्यक्ति को वसीयत से अपनी संपति दे सकता है। ❖लिव इन रिलेशनशिप का पंजीकरण कराना अनिवार्य। ❖ लिव इन में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए वेब पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य होगा। ❖ युगल पंजीकरण रसीद से ही किराया पर घर, हॉस्टल या पीजी ले सकेंगे। ❖ लिव इन में पैदा होने वाले बच्चों को जायज संतान माना जाएगा और जैविक संतान के सभी अधिकार मिलेंगे। ❖ लिव इन में रहने वालों के लिए संबंध विच्छेद का भी पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। ❖ अनिवार्य पंजीकरण न कराने पर छह माह के कारावास या 25 हजार जुर्माना या दोनों का प्रावधान होंगे। गोद लेने का कोई कानून नहीं- समान नागरिक संहिता में गोद लेने के लिए कोई कानून नहीं बनाया गया है।

पेटीएम मुद्दे से निपटने का काम रिजर्व बैंक का: सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली। पेटीएम प्रकरण से फिलहाल सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। मुद्दे से निपटना भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का काम है। केंद्रीय वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने बुधवार को ये बातें कही। उन्होंने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) एक छोटी वित्तीय इकाई है और इसमें कोई प्रणालीगत स्थिरता संबंधी चिंता नहीं है। गैर-अनुपालन पर चिंताओं के बीच देश के केंद्रीय बैंक आरबीआई ने पीपीबीएल के खिलाफ कई कदम उठाए हैं। उसे 29 फरवरी के बाद जमा, प्रीपेड उपकरणों और ई-वॉलेट से संबंधित कोई भी सेवा प्रदान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उसे नए ग्राहकों को जोड़ने से भी रोक दिया गया है। जोशी ने एक साक्षात्कार में कहा, ''यह नियामक की ओर से की गई कार्रवाई है। वे बैंकों को विनियमित करते हैं। जहां तक पेटीएम के खिलाफ कार्रवाई की बात है तो सरकार के पास अब तक करने के लिए कुछ नहीं है। हमारा मानना है कि आरबीआई ने उपभोक्ता और अर्थव्यवस्था के समग्र हित में कार्रवाई की होगी।'' पेटीएम के खिलाफ कार्रवाई की बात है तो सरकार के पास अब तक करने के

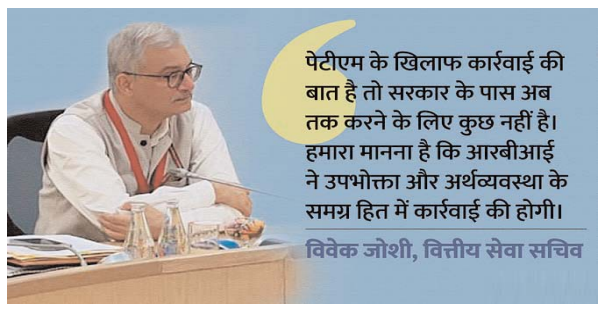

लिए कुछ नहीं है। हमारा मानना है कि आरबीआई ने उपभोक्ता और अर्थव्यवस्था के समग्र हित में कार्रवाई की होगी।'' पेटीएम की पेमेंट एग्रीगेटर सहयोगी कंपनी में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के संबंध में उन्होंने कहा कि चीन से निवेश के लिए अनुमति मांगी गई है। उन्होंने कहा, ''आवेदन की समीक्षा चल रही है क्योंकि यह एक अंतर-मंत्रालयी प्रक्रिया है। यह विचाराधीन है।'' पीपीबीएल के खिलाफ आरबीआई की ओर से की गई कार्रवाई के कारण कोई वित्तीय स्थिरता संबंधी चिंताएं होने के सवाल पर जोशी ने कहा कि यह एक बहुत छोटा बैंक है। इससे प्रणालीगत स्थिरता संबंधी कोई चिंताएं नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''जिन ग्राहकों का भुगतान बैंक में खाता है, उन्हें अपना खाता स्थानांतरित करना होगा... जहां तक मैं समझता हूं, यह बैंक नहीं है जो खातों को स्थानांतरित करेगा। यह ग्राहकों को करना होगा।'' आरबीआई की कार्रवाई की पृष्ठभूमि में मंगलवार को पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी। सूत्रों ने कहा कि उन्हें यह स्पष्ट कर दिया गया था कि इस संबंध में पेटीएम को आरबीआई के साथ ही सुलझाना होगा। आरोप है कि पीपीबीएल के पास लाखों गैर-केवाईसी (नो योर कस्टमर) अनुपालन वाले खाते थे। कई मामलों में खाते खोलने के लिए एकल पैन (परमानेट अकाउंट नंबर) का इस्तेमाल किया गया था। सूत्रों के अनुसार ऐसे भी उदाहरण हैं जहां लेनदेन का कुल मूल्य करोड़ों रुपये का था, जो न्यूनतम केवाईसी प्री-पेड उपकरणों में नियामकीय सीमा से कहीं अधिक था जिससे धन शोधन की चिंताएं बढ़ गई।

रालोद की भाजपा से नजदीकियां

हमारे किसान भोले, लेकिन मूर्ख नहीं: जयंत चौधरी

एजेंसी

बागपत। इंडिया गठबंधन को एक और बड़ा झटका लगना तय है। रालोद के एनडीए में जाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। दिल्ली में जयंत चौधरी ने भाजपा नेताओं से मुलाकात की है। मुजफ्फरनगर और हाथरस सीट को लेकर सपा और रालोद के बीच दूरियां बन गई। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के मुखिया चौधरी जयंत सिंह न सिर्फ भाजपा के संपर्क में हैं, बल्कि तीन सीटों पर सहमति होने का भी दावा किया जा रहा है। चर्चाओं ने जोर पकड़ा तो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी बहुत सुलझे हुए इंसान हैं। वो बहुत पढ़े लिखे हैं। वे राजनीति को समझते हैं। मुझे उम्मीद है कि किसानों की लड़ाई के लिए जो संघर्ष चल रहा है, वे उसे कमजोर नहीं होने देंगे। इससे पहले शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि जयंत चौधरी हमारे साथ हैं। वह कहीं नहीं जा रहे हैं। भाजपा के लोग अफवाह उड़ा रहे हैं।

❖रालोद और भाजपा की नजदीकियों को लेकर सियासत गर्म है। वहीं अखिलेश के किसानों को लेकर दिए गए बयान पर जयंत चौधरी ने अपने एक्स अकाउंट से जवाब पोस्ट करते हुए लिखा है कि किसान भोले हैं लेकिन मूर्ख नहीं हैं।

वहीं सपा मुखिया के बयान के जवाब में रालोद पार्टी के एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा की गई, जिसमें लिखा है कि हमारे किसान भोले जरूर हैं पर मूर्ख नहीं हैं। वे बहुत समझदार हैं और सशक्त हैं। भाजपा पश्चिमी यूपी में मुस्लिम बाहुल्य सीटों के लिए रालोद को साधना चाहती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव रालोद से गठबंधन की घोषणा कर चुके हैं। सीटें चिह्नित करने और सपा की ओर से तीन सीटों पर रालोद के चुनाव निशान पर अपने उम्मीदवार खड़ा करने की शर्त पर पेंच फंस गया। सपा चाहती है कि कैराना, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में प्रत्याशी सपा का हो, जो रालोद के चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरे। सपा के समक्ष मुजफ्फरनगर सीट पर रालोद ने दावा ठोका था, जहां बीते चुनाव में दिवंगत अजीत सिंह महज छह हजार मतों से हार गए थे। रालोद नेताओं ने कैराना और बिजनौर सीट सपा के बताए प्रत्याशियों को देने पर सहमति भी दे दी थी। लेकिन मुजफ्फरनगर और हाथरस सीट को लेकर दोनों दलों के बीच दूरियां बन गई। इसी दौरान चर्चा शुरू हो गई कि रालोद अध्यक्ष की भाजपा से गठबंधन की बात हुई है। बातचीत की पुष्टि नहीं हुई, लेकिन सियासी गलियों में सबने अपने-अपने समीकरण लगाने शुरू कर दिए। रालोद नेतृत्व ने अभी तक न तो इन्कार किया और न ही इकरार, जिस कारण चर्चाओं ने दिनभर तेजी पकड़ी।

कांग्रेस ने युवराज के लिए स्टार्टअप बनाया पर वे नॉन-स्टार्टर: पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री (पीएम) नरेंद्र मोदी ने बुधवार को संसद में वायनाड सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने युवराज को एक स्टार्ट-अप बनाकर दिया, लेकिन वह एक नॉन-स्टार्टर निकले। पीएम मोदी राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, युवराज के लिए एक स्टार्ट-अप बनाकर दिया गया। लेकिन वह एक नॉन-स्टार्टर निकले। वह (स्टार्ट-अप) ना तो लिफ्ट हुआ और ना ही लॉन्च हुआ।

इससे पहले सोमवार को पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि एक ही प्रोडक्ट को बार-बार लॉन्च करने के चक्कर में कांग्रेस की दुकान पर ताला लगाने की नौबत आ गई है। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के पास पर एक अच्छा विपक्ष के रूप में उभरने का मौका था। लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही। उन्होंने आरोप लगाया

कि युवा नेताओं को पार्टी में इसलिए आगे नहीं बढ़ने दिया गया कि कहीं वे राहुल गांधी पर भारी न पड़ जाएं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कई प्रतिभाशाली लोग हैं। लेकिन पार्टी ने उन्हें खड़े नहीं होने दिया। पीएम मोदी ने कहा, ÷मैं हमेशा कहता हूं कि देश को एक अच्छे विपक्ष की जरूरत है। हम अधीर बाबू (अधीर रंजन चौधरी) की स्थिति देख सकते हैं। स्थिति यह है कि मल्लिकार्जुन खरगे इस सदन से उस सदन (राज्यसभा) में चले गए हैं। गुलाम नबी आजाद पार्टी से बाहर चले गए हैं। वे सभी परिवारवाद का शिकार बने हैं। उन्होंने कहा, एक प्रोडक्ट (उत्पाद) को बार-बार लॉन्च करने के चक्कर में कांग्रेस की दुकान में ताला लगाने की नौबत आ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक परिवार में उलझ गई है और उसे परिवारवाद से बाहर आने की जरूरत है। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस को देश के करोड़ों परिवारों की आकांक्षाएं और उपलब्धियां दिखाई नहीं दे रही हैं। वह उन्हें देखने को तैयार नहीं है। सदन में मौजूद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी अपनी पार्टियां नहीं हैं। बजट सत्र 31 जनवरी को शुरू हुआ था। यह नौ फरवरी को समाप्त होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा कि तीसरे कार्यकाल (मोदी सराकर-3.0) में उनकी सरकार विकसित भारत की नींव को मजबूत करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने बीते दस वर्षों में समाज के सभी तबकों के विकास के लिए काम किया है। प्रधानममंत्री ने कहा कि भारत दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। नब्बे मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि सबका साथ केवल नारा नहीं है, बल्कि यह मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा कि सरकार लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, जब देश आजादी के सौ साल पूरे करेगा। उन्होंने आगे कहा, विकसित भारत सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि यह हमारी प्रतिबद्धता है।

पीएम नहीं करते है मुद्दों बात: खरगे

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने पार्टी पर देश को बांटने के गंभीर आरोप लगाए। इसी बीच, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर कांग्रेस और यूपीए के खिलाफ गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में उनका पूरा भाषण केवल कांग्रेस की आलोचना पर केंद्रित था और उन्होंने देश के कई मुद्दों पर बात करना भी जरूरी नहीं समझा। देश में बेरोजगारी, मूल्य वृद्धि और आर्थिक असमानता अपने चरम पर है। उन्होंने पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग संविधान पर भरोसा नहीं करते हैं। वे कांग्रेस की देशभक्ति पर सवाल उठा रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि दोनों सदनों में अपने भाषण में पीएम ने सिर्फ कांग्रेस को ही टारगेट किया। पिछले 10 साल से वे केंद्र में है, लेकिन उस पर बातची के बजाए उन्होंने कांग्रेस पार्टी की आलोचना बेहतर समझा। सदन में न तो उन्होंने जनमानस से जुड़े मुद्दों पर बात की और न ही महंगाई और बेरोजगारी पर। दरअसल आपको बता दूं एनडीए का मतलब ही ये है कि %कोई डेटा नहीं%। उनके पास न तो रोजगार डेटा, न उनके पास स्वास्थ्य सर्वेक्षण से जुड़ा डेटा है। उसका कारण है कि सरकार सभी आंकड़ों को छिपाती है और झूठ फैलाने का काम करती है। मोदी की गारंटी सिर्फ झूठ फैलाने के लिए है। उन्होंने दोनों सदनों में यूपीए सरकार के बारे में मनगढ़ंत झूठ फैलाएं। केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि यूपीए शासन के दौरान बेरोजगारी दर 2.2 प्रतिशत थी। लेकिन उनके कार्यकराल में 45 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यूपीए शासन के 10 साल के दौरान औसत जीडीपी विकास दर 8.13 प्रतिशत थी और लेकिन वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान यह केवल 5.6 प्रतिशत ही क्यों है। उन्होंने पीएम मोदी पर हमला करते हुए कहा कि विश्व बैंक के मुताबिक, भारत 2011 में ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था। यूपीए कार्यकाल में 14 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया। लेकिन पीएम मोदी ये नहीं बताएंगे, क्योंकि वह भाषण के जरिए केवल झूठ फैलाने का काम करते हैं।

पांच शीर्ष माओवादी नेताओं के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के पांच शीर्ष नेताओं के खिलाफ बुधवार को आरोप पत्र दाखिल किया। एजेंसी ने बताया कि आरोपत्र माओवादियों की आतंकी योजनाओं और हिंसक एजेंडे को आगे बढ़ाने के एक मामले में दायर किया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि झारखंड के रांची में एनआई की विशेष अदालत में आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया। अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन की ओर से झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों में अपनी हिंसक विचार का विस्तार करने और उसका प्रसार करने की आपराधिक साजिश से जुड़े मामले में दायर यह पहला आरोप पत्र है। उन्होंने बताया कि जिन पांच आरोपियों के खिलाफ आरोपत्र दाखिल किया गया है। वे भाकपा (माओवादी) संगठन के अन्य शीर्ष नेताओं से संपर्क में थे और संगठन में लोगों की भर्ती, आतंकवादी कृत्यों के लिए धन जुटाने, हथियार और गोला-बारूद खरीदने और हथियारों को चलाने, आईईडी के निर्माण के लिए प्रशिक्षण ने देने में सक्रिय रूप से जुटे हुए थे।

कलेक्ट्रेट स्थित शस्त्र अनुभाग का जिलाधिकारी ने किया आकस्मिक निरीक्षण

कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालयों के लगातार निरीक्षण के बाद भी शस्त्र अनुभाग में सुधार नही, मिली बड़ी खामिया

निरीक्षण

नवीनी करण न कराने वाले गन हाउस को सीज करने के निर्देशः जिलाधिकारी

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर जिलाधिकारी द्वारा लगातार कलेक्ट्रेट स्थित विभागों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी श्री उमेश प्रताप सिंह ने बुधबार को कलेक्ट्रेट स्थित शस्त्र अनुभाग का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। निरीक्षण के दौरान तमाम कमिया सामने आयी। उन्होने शस्त्र संबिधत लेजर, गार्ड फाईल, शस्त्र व्यवसायिक पंजिका, गन हाउस संबधित पंजिका सहित अन्य महत्वपूर्ण रजिस्टरों को देखा। कार्यालय में अभिलेखों का रख-रखाव तथा साफ-सफाई व्यवस्था भी दुरूस्त नहीं पायी गयी। इस दौरान उन्होंने शस्त्र लाइसेंस सम्बन्धी विभिन्न कार्यो से आए लोगों से वार्ता कर उनके कार्यो की प्रगति की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि जिलाधिकारी द्वारा फाईले सेंक्शन होने के उपरान्त भी 2-2 माह विलम्ब से फाईले दर्ज की गयी है। जिस पर जिलाधिकारी ने आपत्ति व्यक्त करते हुये शस्त्र लिपिक दीपेश द्विवेदी, आर्मस लिपिक नितिन प्रकाश को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। शस्त्र संबधित लेजर पर लेजर न0 दर्ज नही पाये गये तथा पृष्ठ भी प्रमाणित नही थें जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। गार्ड फाईल में अद्यतन जीओ उपलब्ध नही पाये गये तथा शस्त्र पंजिका आउट पर हस्ताक्षर न पाये जाने पर प्रभारी अधिकारी एडीएम प्रशासन एवं नोडल अधिकारी एसडीएम सदर का जवाब तलब करने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने मालखाने में जमा शस्त्र का सत्यापन करने हेतु भी निर्देश दिये। उन्होने बिना लाइसेंस नवीकरण कराये हुये संचालित गन हाउस को तत्काल सीज कराने हेतु सख्त निर्देश दिये। उन्होने कहा कि प्रत्येक दशा में लाइसेंस नवीनीकृत गन हाउस ही संचालित हो यह सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने संबधित अधिकारी को निर्देश दिये कि प्रभारी अधिकारी के समक्ष समय से फाईलें प्रस्तुत हो यह सुनिश्चित किया जाये। गन हाउस सम्बन्धित प्रकरणों की जांच कर वर्तमान स्थिति की रिपोर्ट लगाकर क्लोजर लगाये जाने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। जो फाईलें अद्यतन नही पायी गयी उन्हे एक सप्ताह में अद्यतन करने हेतु जिलाधिकारी ने निर्देशित किया। उन्होने संबधित लिपिक को स्पष्ट निर्देश दिए कि शस्त्र लाइसेंस संबंधित कार्यो के लिए आने वाले व्यक्तियों को प्रक्रिया की पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जाए तथा उनके कार्यो को निर्धारित समय अवधि में पूर्ण कराया जाए। यूआईएन के लिए पोर्टल अभी खुला ना होने पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि यूआईएन हेतु पंजीकरण कराने के लिये आने वाले लोगों का नाम, पता व मोबाइल नंबर आदि विवरण रजिस्टर में दर्ज कराया जाये तथा यूआईएन पंजीकरण पोर्टल खुलने पर उन्हें सूचित किया जाए। जिलाधिकारी ने प्राप्त आवेदनों का निस्तारण क्रमवार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने पटल के सभी रिकॉर्ड अद्यतन किए जाने तथा अलमारियों पर उनमें रखे रिकॉर्ड की सूची चस्पा किए जाने के निर्देश भी दिए।

परमिशन से ज्यादा पेड़ काटने पर वन विभाग की भूमिका संदिग्ध

वन विभाग परमिशन देने के बाद मौके पर नहीं पहुंचता है आए दिन होती रहती है बारदातें।

द अचीवर टाइम्स

खुटार (शाहजहांपुर)। एक ओर जहाँ सरकार हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जगह जगह वृक्षारोपण करा रही हैं।वहीं दूसरी ओर लकड़ी माफिया परमिट की आंड में हरियाली पर लगातार आरा चला रहे। खुटार के मोहल्ला बगिया नाथ में लकड़ी ठेकेदारों ने आम के 10 पेड़ों का परमिट बनवाकर परमिट से अधिक मात्रा में पेड़ों को काट डाला।इतना ही नहीं ठेकेदार दार ने प्रतिबंध नीम आदि के पेड़ भी काट डाले।मामले की वन विभाग को सूचना दी गयी सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर निरीक्षण व जांच की। वन विभाग के जिम्मेदारों ने कार्यवाही करने की बात कहीं है। और बताया की तीन पेड़ विदाउट परमिट बना कटे गए हैं जानकारी मिली थी की परमिशन से ज्यादा शेयर काटे गए हैं तो मौके पर संतोष जी को भेजा गया था ज्यादा पेड़ काटने पर दो लोगों के खिलाफ कैसे काट दिया गया है रेंजर मनोज कुमार श्रीवास्तव खुटार।

गाँव चलो अभियान के तहत बूथ समिति एवं पन्ना प्रमुखों के साथ भाजपा की बैठक आयोजित

द अचीवर टाइम्स/चेतन कुमार

हापुड़। जनपद हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर नगर मण्डल के वार्ड न0 16 गाँव नया बाँस बख्तापुर में गाँव चलो अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत शिव मंदिर पर बूथ समिति एवं पन्ना प्रमुखों के साथ बैठक की। इस बैठक में प्रवासी के रूप में भाजपा नगर मन्त्री, रोहित मल्होत्रा व संयोजक लोकेश राणा उपस्थित रहे। इस अवसर पर रोहित मल्होत्रा ने उपस्थित समस्त कार्यकर्ताओ के साथ गाँव में घर-घर संपर्क कर,नमो ऐप डाउनलोड,अयोध्या श्रीराम मन्दिर दर्शन एवं उपस्थित वरिष्ठ जनों से सरकार की उपलब्धियाँ साझा की एवं 2024 के आगामी चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन की अपील कर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

एक नज़र

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में दशमोत्तर छात्रवृति की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी ने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि छात्रों के प्राप्त आवेदनों तथा सस्पेक्ट डेटा एवं करेक्ट डेटा का शतप्रतिशत सत्यापन कराया जाये। उन्होने सख्त निर्देश दिये कि उक्त कार्य के प्रति गंभीरता बरते। किसी भी दशा में कोई चूक न हो यह सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारियों को लगाकर सत्यापन करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को भी उक्त कार्य का औचक परीक्षण करने हेतु निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि उक्त कार्य निर्धारित समय में सम्पन्न कर लिया जाये जिससे कि बच्चों को ससमय छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके।

एसपी अभिषेक वर्मा ने धर्मगुरुओं व संभ्रांत व्यक्तियों के साथ बैठक कर किया सिम्भावली के केन्द्रों/बूथों एवं अर्धसैनिक/पुलिस बल के ठहरने वाले स्थानों का निरीक्षण

द अचीवर टाइम्स/चेतन कुमार

हापुड़। जनपद हापुड़ में आगामी लोकसभा चुनाव एवं जनपद में कानून व शांति व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा थाना सिम्भावली पर धर्मगुरुओं व संभ्रांत व्यक्तियों के साथ पीस कमेटी की बैठक आयोजित कर सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक पोस्ट व टिप्पणी न करने एवं आपसी भाईचारे से रहने तथा शान्तिपूर्ण माहौल बनाये रखने की अपील की गयी साथ ही थाना सिम्भावली क्षेत्र के संवेदनशील व अतिसंवेदनशील केन्द्रों/बूथों एवं अर्धसैनिक/पुलिस बल के ठहरने वाले स्थानों का भ्रमण/निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

दो मोटरसाइकिल चोरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज,लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस टीम ने शातिर मोटरसाइकिल चोरों को पकड़ा। इनके पास से दो मोटरसाइकिल बरामद। जानकारी के मुताबिक मोहम्मद ताहिर उर्फ छोटे मियां पुत्र स्व मोहम्मद इदरीश निवासी नजदीक टेंपो स्टैंड नीलमथा दुर्गेश रावत पुत्र ओमप्रकाश निवासी कटहरीबाग वार्ड नं तीन नगराम रोड नीलमथा को मुखबिर के सूचना पर गिरफ्तार किया। पूछताछ में जानकारी प्राप्त हुई की दोनों अभियुक्त नशे के आदी हैं नशा करने के लिए चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम देते थे। इनके द्वारा दो माह पूर्व लखनऊ शहर से स्प्लेंडर प्रो गाड़ी चोरी की गई थी। वही अवध शिल्प ग्राम से डीलक्स एचएफ गाड़ी चोरी की गई थी। जिसकी रिपोर्ट सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज है। शातिर चोरों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा जा रहा है।

नगर पालिका परिषद महाराजगंज के लिपिक का विदाई समारोह

द अचीवर टाइम्स/मनोज कुमार पटेल

महाराजगंज जिला। नगर पालिका परिषद महाराजगंज में वीरेन्द्र मिश्रा लिपिक पद पर कार्यरत रहे। इनका विदाई समारोह में अध्यक्ष पुष्पलता मंगल, अधिशाषी अधिकारी अशोक कुमार, प्रधान शमीम खान, रामदास यादव, बैकुंठ यादव, श्रीशभ दुबे, सभासद मु0 रुहुल्लाह खान, वा0ड0 भीर अब्दुल हमीर नगर, गब्दुआ, गोरख गुप्ता का डा0 23 मंगलपुर, दीपक कुमार,संजय निषाद, अंबेडकर नगर के द्वारा विदाई समारोह संपन्न हुआ।

अपनी मां शकुंतला को मौत के घाट उतारने वाला आरोपी पुत्र विनोद गिरि गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स/चेतन कुमार

हापुड़। जनपद हापुड़ के थाना पिलखुवा पुलिस ने 30 जनवरी को मोहल्ला मोहन नगर कॉलोनी की गली नंबर 3 में स्थित एक मकान में वृद्ध शकुंतला नामक महिला के हत्या के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी फरार बेटे विनोद को देहपा रोड पर पेट्रोल पंप के पास से गिरफ्तार किया है।जिसके कब्जे से पुलिस ने घटना में इस्तेमाल हथोड़ा, तमंचा मय खोखा कारतूस बरामद किया है आपको बता दें पिलखुवा के मोहन नगर कॉलोनी की गली नंबर 3 में 30 जनवरी को ताला लगे एक मकान में आस पड़ोस के लोगों ने मकान के जंगलों से झांक कर वृद्ध महिला शकुंतला का लहुलुहान अवस्था में शव की सूचना पुलिस को देते हुए जोहरीपुर गोकुलपुरी निवासी उनकी पुत्री अनीता को दी थी सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने उस मकान का दरवाजा तोड़कर शकुंतला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था जहां पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शकुंतला की मौत का कारण सिर में गोली लग होना पाया गया था वह मृत्यक के दामाद ने बुजुर्ग महिला के इकलौते बेटे के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था तो वही थाना पिलखुवा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार त्रिपाठी ने पुलिस टीम के साथ मिलकर विनोद गिरि पुत्र ओमप्रकाश निवासी मोहल्ला मोहन नगर कॉलोनी थाना पिलखुवा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

रोज़गार मेला का हुआ आयोजन

अयोध्या। उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, राजकीय आई0टी0आई0 एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में विकास खण्ड स्तरीय ग्यारहवें रोजगार मेले का आयोजन विकासखण्ड पूरा बाजार में प्रशिक्षण प्रदाता वैल्योर फैब टैक्स प्रा0लि0 के प्रशिक्षण केन्द्र में किया गया। जिला समन्वयक उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, अयोध्या द्वारा रोजगार मेले में प्रतिभाग कर रही कम्पनियों का निरीक्षण किया गया तथा लाभार्थियों को उ0प्र0 कौशल विकास मिशन की विस्तृत जानकारी दी गयी। मेले में जनपद के 410 से अधिक युवाओं एवं युवतियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। रोजगार मेले में 06 नियोक्ता कम्पनियों के एच0आर0 द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से लगभग 190 युवाओं को चयनित किया गया। रोजगार मेले में राजकीय आई0टी0आई0, सेवायोजन, उ0प्र0 कौशल विकास मिशन के कर्मचारी तथा प्रशिक्षण केन्द्र के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

राजेंद्र सिंह बने अखिल भारतीय पत्रकार प्रेस क्लब के जिला अध्यक्ष

शुभकामनाएं देने वालों का लगा तांता

द अचीवर टाइम्स/ चेतन कुमार

हापुड़। जनपद हापुड़ में अखिल भारतीय पत्रकार प्लेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीत त्यागी ने हापुड़ के ग्राम अटूटा निवासी राजेंद्र सिंह पर भरोसा जताते हुए हापुड़ जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है। उन्हें यह जिम्मेदारी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी सहभागिता, ख्याति, उपलब्धियां, योग्यता एवं आपकी क्षमताओं को देखते हुए दी गई जो संगठन के प्रति लग्नशील, संघर्षशील और ईमानदारी से अपना दायित्व निभाएंगे। तो वहीं नव नियुक्त जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने कहा है कि मैं आपनी ईमानदारी से दायित्व को निभाते हुए पूर्ण निष्ठा एवं मेहनत से कार्य कर संगठन को ऊंचाई की ओर ले जाने का काम करूंगा। क्योंकि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होता है ऐसे में पत्रकारिता के क्षेत्र में चुनौतियों का सामना कर सत्य व संकल्प की इमारत को खड़ा करना है और पत्रकारों के विरोध होने वाली किसी भी गतिविधियों को संगठन द्वारा प्रभावी स्तर से उठाया जाएगा। तो वही राजेंद्र सिंह के जिला अध्यक्ष बनने पर पुष्पेंद्र गौतम, पुष्पेंद्र कुमार,विनित ठाकुर, पंकज सागर, मोहित कुमार, कपिल कुमार, सचिन कुमार तथा चेतन कुमार आदि पत्रकारों ने शुभकामनाएं दी।

छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित हुआ मेमोरी प्यूरिफिकेशन प्रोग्राम

द अचीवर टाइम्स दीपक कनौजिया

करौली। शंकर महादेव द्वारा कई प्रदेशों में आध्यात्मिक यात्रा की जाती रही है। यात्रा के दौरान जब उनकी बच्चों से बात होती थी तो बच्चे पढ़ाई से जुड़ी समस्याओं को लेकर काफी चर्चा करते थे। जिसमे प्रमुख रूप से बच्चों में पढ़ाई में मन न लगना, पढ़ के याद न होना, याद किया हुआ भूल जाना, पढ़ाई करते समय घबराहट होना, पढ़ते पढ़ते सो जाना, स्कूल और कॉलेज के कार्यक्रम में भाग ना लेना आदि समस्याओं पर चर्चा होती है। बच्चों के लिए गुरुजी ने एक विशेष प्रोग्राम बनाया है जिससे बच्चो में ज्ञान, अध्यात्मिक ज्ञान, सामाजिक ज्ञान, व्यवहारिक ज्ञान व संस्कृति का विकास हो सके। जिससे वो अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने के साथ साथ राष्ट्र निर्माण में भी आगे आए। इस कार्यक्रम को लव कुश फाउंडेशन के तत्वाधान में करौली शंकर महादेव जी के द्वारा लखनऊ उत्तर प्रदेश से किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश स्मृति का पवित्रीकरण करना है। इस लिए इसका नाम भी (मेमोरी प्यूरिफिकेशन प्रोग्राम) रक्खा है। जिसका प्रथम कार्यक्रम आज लखनऊ के सरोजनी नगर के न्यू पब्लिक कोलिजिएट इंटर कॉलेज में किया गया। यह विश्व का प्रथम ऐसा कार्यक्रम है जिसमें स्कूल कालेज के बच्चे, टीचर, मैनेजमेंट व स्कूल कालेज का कोई भी स्टाफ इसमें भाग ले सकता है। करौली शंकर महादेव जी ने आज 1000 प्लस बच्चे के साथ एक सामूहिक प्रयोग किया और0 प्रयोग के बाद उनमें बदलाव देखने को मिला। करौली शंकर महादेव गुरुजी का एक ही लक्ष्य है की भारत देश रोग मुक्त,शोक मुक्त, ऋण मुक्त व ज्ञान युक्त भारत का निर्माण हो सकें।

सीएम योगी आदित्यनाथ के कर कमलों द्वारा भारतीय स्टेट बैंक,उ0 प्र0 सचिवालय शाखा लखनऊ के नवीनीकृत परिसर का उदघाटन किया गया

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आज दिनांक 07.02.2024 को माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों द्वारा भारतीय स्टेट बैंक,उ0 प्र0 सचिवालय शाखा लखनऊ के नवीनीकृत परिसर का उदघाटन किया गया। जिससे ग्राहकों को शाखा में बेहतर एवं ज्यादा जगह मिल पाएगी जो उनको उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने में कारगर होगी। इस अवसर पर श्री सतीश महाना,अध्यक्ष, विधान सभा, श्री सुरेश कुमार खन्ना, वित्त मंत्री, श्री दुर्गा शंकर मिश्र, मुख्य सचिव, उ0 प्र0 एवं श्री शरद स. चांडक, मुख्य महाप्रबंधक एस बी आई, लखनऊ मण्डल की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस उदघाटन के अवसर पर लखनऊ नेटवर्क -1 के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार साहू, उप महाप्रबंधक श्री आर0 नटराजन, शाखा के सहायक महाप्रबन्धक श्री रणधीर कुमार झा सहित अन्य बैंक अधिकारी एवं सरकारी कर्मचारी गण मौजूद रहे। इस कार्यक्रम के दौरान, सचिवालय कर्मचारी श्री राजेश्वर प्रसाद जिनकी दुर्भाग्य पूर्ण मृत्यु हो गयी थी, के नॉमिनी श्रीमती ललितेश यादव को एसबीआई की तरफ से दुर्घटना मृत्यु बीमा का चेक प्रदान किया गया।

चतुर्थ दिवस राम कथा का रसपान करते भक्त जन

द अचीवर टाइम्स सुशील अवस्थी

महमूदाबाद, सीतापुर। श्री रामचरित मानस विश्व का एक अनुपम ग्रंथ है। इसके नायक भगवान राम जन-जन के आदर्श एवं मर्यादा पुरुषोत्तम है। भगवान राम का जीवन हम सबके लिए प्रेरणा दायक है। यदि मानव राम के चरित्र का अनुकरण कर कार्य करें तो जीवन में कहीं भी असफलता नहीं मिलेगी। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन कथा बड़ी अलौकिक है। यदि इस कथा को श्रद्धा और विश्वास से श्रवण किया जाए तो यह मानव के सम्पूर्ण जीवन को परिवर्तित करने की शक्ति रखती है। दांपत्य जीवन को यदि सुखमय व्यतीत करना है तो प्रतिदिन श्री रामचरित मानस का पाठ करें। श्री संकटा देवी धाम महमूदाबाद में आयोजित श्री शतचंडी महायज्ञ के अवसर पर आयोजित श्री राम कथा के चतुर्थ दिवस अंतरराष्ट्रीय कथा वाचिका रिचा मिश्रा ने श्रोताओं को कथा का रसपान कराते हुए प्रवचन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि श्री रामचरित मानस में संसार के सभी आदर्शों को समाहित किया गया है। इस अनुपम ग्रंथ में त्याग प्रेम भाईचारा परोपकार सहित सभी सामाजिक नैतिक आदर्शों को शामिल किया गया है। राम और भरत का भाई प्रेम और त्याग समाज के लिए सदैव प्रेरणा प्रद बना रहेगा। भारतीय संस्कृत की रक्षा भगवान राम द्वारा निर्धारित किए गए आदर्शों पर ही हो रही है और इसी के चलते यह संस्कृति कभी भी नष्ट नहीं हुई है। भगवत भजन से बड़ी कोई साधना नहीं जिससे जीव का कल्याण हो सके। करीब चार हजार से अधिक श्रोताओं से भरे खचाखच कथा पांडाल में जानकी बल्लभ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की स्तुति के साथ चतुर्थ दिन की शुरू हुई श्रीराम कथा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय कथा व्यास ने नारद मोह, विश्वमोहिनी का स्वयंवर, श्री रामलला के जन्मोत्सव की कथा का रसपान भी श्रोताओं को कराया। पुत्रेष्टि यज्ञ के परिणाम स्वरूप चार पुत्रों राम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न का जन्म हुआ। पूरा परिसर भगवान के जन्म की खुशियां मनाने लगा। श्रीराम जन्मोत्सव के दौरान श्रद्धालुभक्तों ने एक-दूसरे को बधाई दी। समिति की ओर से उपहार बांटे गए। कथा समापन के पश्चात प्रसाद वितरण प्रेम प्रकाश सिंह व नारायण दास अग्रवाल द्वारा संयुक्तरूप से कराया गया। कथा में विधानसभा कुर्सी के विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष बाराबंकी राजरानी रावत, मां संकटा देवी धाम समिति के अध्यक्ष आरके वाजपेयी, रामकुमार गिरि, ज्ञानेंद्र प्रताप वर्मा, डॉ एमणि मिश्रा, राजाराम यादव, उमाशंकर जैन, केके सिंह, प्राची दीक्षित, वागीश दिनकर, हरीश मिश्र, विजय जायसवाल, आनंद पोरवाल, मिथिलेश वाजपेयी, दिनेश वाजपेयी, आशा दुबे, अमित पाण्डे,अशोक शुक्ला, ऋषभ अवस्थी, उर्मिला रस्तोगी, अजय जायसवाल, विद्युत जैन, सरोज शुक्ल, मनोज शुक्ल, हरिओम गुप्त, शिवम विक्रांत, राजेंद्र राजपूत, सोनी जायसवाल, रवींद्र यादव, अतुल चित्रांश, राजकुमार वर्मा सहित हजारों की संख्या में कथा प्रेमी मौजूद रहे। संचालन डॉ. रजनीश मिश्र ने किया।

मूर्तियों को विधि-विधान से कराया गया अन्नाधिवास

मां संकटा देवी धाम में चल रहे श्री शतचंडी महायज्ञ के चतुर्थ दिन यज्ञाचार्य पंडित अखिलेश चंद्र शास्त्री, अशोक शास्त्री, कन्हैयालाल मिश्र, आचार्य गंगा सहाय, शेषमणि मिश्र, शशिकांत सहित अन्य आचार्यों के साथ पूर्व आवाहित देवताओं का पूजन एवं मंडप में नवग्रह मंडल, 64 योगिनी, वास्तु देवता, क्षेत्र देवता, द्वादश ज्योतिर्लिंग मंडल, सर्वतरे भद्र मंडल सहित अन्य देवी देवताओं के आवाहन के साथ पूजन किया। इसके बाद श्री विष्णु भगवान का अभिषेक तुलसीपत्र द्वारा कराया गया। श्री दुर्गा सप्तसती के मंत्रों द्वारा हवन एवं ग्रहों की पूजा की गई। इसके बाद कलश स्थापना पूजन हुआ। । नवनिर्मित मंदिरों में स्थापित होने वाली देव प्रतिमाओं को बुधवार को विधिवत पूजन-अर्चन के बाद अन्नाधिवास कराया गया। गुरुवार को देवी-देवताओं के पूजन-अर्चन के साथ प्रतिमाओं को शर्कराधिवास कराया जायेगा। श्री शतचंडी महायज्ञ में मां संकटा देवी धाम समिति के अध्यक्ष आरके वाजपेयी, किरन वाजपेयी, आंजनेय आशीष वाजपेयी, ऋजुजा वाजपेयी आरजे वर्मा, सुशीला वर्मा, शशांक वर्मा, शिवानी वर्मा, चंद्रकांत रस्तोगी, रिचा रस्तोगी, शशिकांत रस्तोगी, सोनम रस्तोगी, पीयूष वर्मा, ज्योति वर्मा ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया।

अखिलेश का भ्रष्टाचार को लेकर बड़ा आरोप

अयोध्या में सरकार के संरक्षण में जमीनों का गोरखधंधा हुआ

संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने यूपी विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलते हुए सरकार के विकास के दावों पर सवाल उठाए और भ्रष्टाचार व कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को घेरा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में अब जितना भ्रष्टाचार है उतना कभी नहीं रहा। अयोध्या में जमीनों की खरीद में जमकर भ्रष्टाचार हुआ। ये भ्रष्टाचार सरकार के संरक्षण में हुआ। यूपी में इस समय जितना भ्रष्टाचार है उतना कभी नहीं रहा। थाने और तहसीलों में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति जीरो हो गई है। अखिलेश यादव विधानसभा में राज्यपाल के

अभिभाषण पर बोल रहे थे। अखिलेश यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण पर कहा कि राज्यपाल का सदन में दिया गया अभिभाषण एक सरकारी दस्तावेज है। जो सरकार चाहती है अभिभाषण में वही बातें होती हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यूपी सबसे ज्यादा कार्यवाहक डीजीपी बनाने में नंबर एक है। झूठे प्रचार पर खर्च करने में यूपी नंबर एक है। बेरोजगारों पर लाठी चलवाने में नंबर वन है। महिलाओं के खिलाफ अपराधियों को बचाने में यूपी नंबर वन है। यूपी दलितों-पिछड़ों के उत्पीड़न में नंबर वन है। केंद्र व राज्य की टकराहट में नंबर वन है। यूपी आज पीडीए (पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यकों) को प्रताड़ित करने में नंबर वन है। यही सच्चाई है। उन्होंने कहा कि सरकार विकास के दावे कर रही है पर प्रदेश में महंगाई और बेरोजगारी को कम करने के लिए क्या किया जा रहा है ये नहीं बता रही है। अगर प्रदेश में इतना निवेश आ रहा है तो नौकरियां क्यों नहीं मिल रही हैं? महंगाई बढ़ रही है। खाने-पीने के दामों में बढ़त हुई है। लोगों के पास रोजगार नहीं हैं। नौकरियां मिल नहीं रही हैं और सरकार वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का सपना दिखा रही है।

अखिलेश यादव ने पूछा सवाल, मेक इन इंडिया को यूपी क्यों सहयोग नहीं कर पा रहा है

अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में 40 लाख करोड़ के एमओयू साइन करने की बात कही जाती है और कहा जाता है कि इससे एक करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। जो उद्योगपति यहां आते हैं वही दूसरे प्रदेशों में जाकर कहते हैं कि सबसे पहले दूसरे प्रदेशों में निवेश करेंगे। उन्होंने पूछा कि सरकार उद्योगपतियों को इंसेंटिव क्यों नहीं दे पा रही है। कहा गया है कि तमिलनाडु मेक इन इंडिया में सबसे आगे है। यूपी मेक इन इंडिया में सबसे आगे क्यों नहीं है?

सरकार को किसानों पर खजाना खर्च करने में क्या दिक्कत है?

अखिलेश यादव ने कहा कि एयरपोर्ट बनाने के लिए किसानों से जमीन ली जा रही है पर उसका सही मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। सरकार चित्रकूट में डिफेंस एक्सपो बनाने जा रही है लेकिन किसानों को पुराने रेट पर मुआवजा दे रहे हैं। सपा सरकार में चार गुना मुआवजा दिया गया था। उन्होंने सवाल किया कि आखिर किसानों पर खजाना खर्च करने में सरकार को क्या दिक्कत है? अयोध्या में एयरपोर्ट बनाने के लिए ली गई जमीन का मुआवजा नहीं दिया गया। लोगों ने सरयू में खड़े होकर जनेऊ की कसम खाई थी कि भाजपा को वोट नहीं देंगे।

अग्निवीर योजना लागू होने से सबसे ज्यादा पीडीए को नुकसान हुआ

अखिलेश यादव ने कहा कि अग्निवीर योजना लागू होने से सर्वाधिक नुकसान यूपी के नौजवानों का हुआ है। पहले फौज में 70 हजार युवाओं की भर्ती होती थी पर अब नहीं होती है। सेना में भर्ती नौजवानों को वेतन, पेंशन और मेडिकल सुविधाएं मिलती थीं पर अग्निवीर योजना में चार साल की नौकरी के बाद उन्हें निकाल दिया जाएगा। सेना की नौकरी में जाने से पीडीए समाज के लोगों में समृद्धि आती थी पर अब अग्निवीर योजना से वो सारी सुविधाएं खत्म हो जाएंगी।

मानकों के अनुसार मेडिकल कॉलेज नहीं चल पा रहे हैं

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है। सब कुछ प्राइवेट किया जा रहा है। प्रदेश के मेडिकल कॉलेज मानक के अनुसार नहीं चल रहे हैं। वहां पर नियुक्तियां पूरी नहीं हुई हैं।

लोग पुलिस को कॉल करने से डरते हैं कि उनसे वसूली हो जाएगी

प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर कटाक्ष करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अब लोग 112 पर कॉल करने से डरते हैं कि उनसे वसूली की जाएगी। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के सबसे तेज रिस्पांस सिस्टम को बर्बाद कर दिया गया। महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। प्रदेश में लॉ अलग है ऑर्डर अलग है।

एक नज़र

सीएम योगी ने किया एसबीआई की विधान भवन शाखा का उद्घाटन, अधिकारियों ने ओडीओपी की दी जानकारी

लखनऊ। सीएम ने ललितेश यादव को 15 लाख का चेक प्रदान किया। बैंक के अधिकारियों ने सीएम योगी को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान भवन के गेट नंबर-9 पर स्थित भारतीय स्टेट बैंक की नई शाखा का बुधवार को उद्घाटन किया। सीएम ने शाखा का अवलोकन भी किया। इसके बाद यहां तैनात कर्मचारियों से मुलाकात की और यहां से जुड़ी जानकारी भी ली। बैंक द्वारा प्रदेश भर में ओडीओपी के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। सीएम ने ललितेश यादव को 15 लाख का चेक प्रदान किया। बैंक के अधिकारियों ने सीएम योगी को अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा समेत अनेक प्रशासनिक अधिकारी व बैंक के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

इमरी स्कूलों में फिलहाल नहीं होंगी शिक्षक भर्ती, लेकिन बढ़ सकता है शिक्षामित्रों का मानदेय

लखनऊ। यूपी के प्राइमरी स्कूलों में फिलहाल किसी प्रकार की कोई शिक्षक भर्ती नहीं होगी। शिक्षामंत्री संदीप सिंह ने सदन में स्पष्ट रूप से यह जानकारी दी। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह ने विधानसभा में एक

सवाल के जवाब में कहा कि परिषदीय स्कूलों में शिक्षक छात्र अनुपात के अनुसार शिक्षकों की संख्या पर्याप्त है। लिहाजा भर्ती का कोई प्रस्ताव या प्रक्रिया विचाराधीन नहीं हैं। सपा विधायक अनिल प्रधान और अभय सिंह के सवाल के जवाब में राज्यमंत्री ने माना कि अनुदेशक और शिक्षा मित्र भी विद्यालयों में शिक्षण कार्य करते हैं। अनुदेशक, शिक्षा मित्र और सहायक अध्यापकों की कुल संख्या 6,28,915 है। प्राथमिक विद्यालय में 30 छात्र पर एक शिक्षक और उच्च प्राथमिक विद्यालय में 35 छात्र पर एक शिक्षक का प्रावधान है। इसके अनुसार परिषदीय विद्यालयों पर्याप्त शिक्षक हैं। बीते सात साल में सरकार ने 1,26,371 सहायक अध्यापकों की भर्ती की है। 69,000 सहायक अध्यापक भर्ती मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। सपा विधायक स्वामी ओमवेश और अजय कुमार के सवाल के जवाब में संदीप सिंह ने कहा कि शिक्षा मित्रों के मानदेय और सुविधाएं बढ़ाने के लिए उच्च न्यायालय के आदेश पर बेसिक शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई है। उसकी रिपोर्ट आने पर विचार किया जाएगा। संदीप सिंह ने विधानसभा में बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से शिक्षा मित्रों की सहायक अध्यापक पद पर हुए समायोजन को रद्द किया गया था। उस समय उनका मानदेय 3500 रुपये था। 2017 में सरकार ने शिक्षा मित्रों का मानदेय करीब तीन गुना बढ़ाकर 10000 रुपये महीना किया। उन्होंने कहा कि मानदेय बढ़ाने को लेकर शिक्षा मित्रों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मामले में कमेटी गठित कर कार्यवाही करने का आदेश दिया है। उच्च न्यायालय के आदेश पर बेसिक शिक्षा निदेशक की अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी गठित की है।

हेमंत सोरेन और सहयोगी की व्हाट्सएप चैट में कई खुलासे, ट्रांसफर-पोस्टिंग में भी पैसों का खेल, ईडी का दावा

लखनऊ। विशेष अदालत में ईडी ने हेमंत सोरेन और उनके करीबी सहयोगी के बीच व्हाट्एप चैट का जिक्र किया। ईडी ने अदालत में कहा कि यह मामला सिर्फ भूमि घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग तक सीमित नहीं है बल्कि व्हाट्सएप चैट से पता चलता है कि झारखंड में ट्रांसफर और पोस्टिंग को लेकर पैसों का बड़ा खेल हुआ है। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। भूमि घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था। जिसके बाद अब ईडी ने हेमंत सोरेने और एक करीबी सहयोगी की व्हाट्सएप चैट रिकॉर्ड पीएमएलए अदालत में पेश की। जिसके ईडी ने दावा किया गया कि व्हाट्सएप चैट में साफ दिखाई दे रहा है कि भारी रकम के साथ राज्य सरकार के अधिकारियों के स्थानांतरण और पोस्टिंग से संबंधित जानकारी पर चर्चा की गई थी। प्रवर्तन निदेशालय ने हेमंत सोरेन को उनकी पांच दिन की रिमांड खत्म होने पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत में पेश किया गया था, इस दौरान ईडी ने यह दलीलें दी। विशेष अदालत में न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत को सूचित करते हुए ईडी ने कहा कि हेमंत सोरेन के खिलाफ जांच सिर्फ जमीन धोखाधड़ी अधिग्रहण तक सीमित नहीं थी बल्कि सोरेन से जुड़ी कई अन्य संपत्तियां भी हैं। जिसके बाद अदालत ने उनकी हिरासत पांच दिन के लिए बढ़ा दी है। गौरतलब है कि हेमंत सोरेन को ईडी ने 31 जनवरी को यहां कांके रोड स्थित उनके आधिकारिक आवास पर लगभग सात घंटे की पूछताछ के बाद राजभवन से गिरफ्तार किया था। एजेंसी द्वारा हिरासत में लेने से पहले उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। ईडी ने अदालत से कहा कि हेमंत सोरेन हिरासत के दौरान कई अन्य संपत्तियों का विवरण भी सामने आया है। जिसके बारे में हेमंत सोरेन अभी तक सही जानकारियां नहीं दी हैं और न ही सहयोग दिया है।

जयंत चौधरी के एनडीए में शामिल होने की संभावना पर अखिलेश ने दिया बयान, बोले- वो बहुत सुलझे हैं...

संवाददाता

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि जयंत चौधरी किसानों की लड़ाई को कमजोर नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि जयंत बहुत सुलझे हुए इंसान हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी बहुत सुलझे हुए इंसान हैं। वो बहुत पढ़े लिखे हैं। वे राजनीति को समझते हैं। मुझे उम्मीद है कि किसानों की लड़ाई के लिए जो संघर्ष चल रहा है, वे उसे कमज़ोर नहीं होने देंगे। इसके पहले शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि जयंत चौधरी हमारे साथ हैं। वो कहीं नहीं जा रहे हैं। भाजपा के लोग अफवाह उड़ा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक रालोद ने भाजपा से कैराना, अमरोहा, बागपत, मथुरा व मुजफ्फरनगर सीट मांगी थी। भाजपा इनमें से कैराना, अमरोहा और बागपत सीट देने के लिए तैयार है। मथुरा व मुजफ्फरनगर की सीट पर पेच फंसा है। भाजपा पश्चिमी यूपी में मुस्लिम बहुल सीटों के लिए रालोद को साधना चाहती है।

महाभारत के सहारे सीएम योगी ने विपक्ष पर साधा निशाना

बोले- वोट बैंक की राजनीति के कारण अभिशप्त रही अयोध्या

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या को वोटबैंक की कुत्सित राजनीति के कारण अभिशप्त रखा गया। वहां के लोगों की उपेक्षा की गई। अब अयोध्या विश्व की सांस्कृतिक राजधानी बनने की तरफ अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा करते हुए कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में हुई प्राण प्रतिष्ठा से देश के गौरव की पुर्नस्थापना हुई है। देश-विदेश के करोड़ों रामभक्तों में उत्साह है। अब अयोध्या विश्व की सांस्कृतिक राजधानी बनने की दिशा में अग्रसर हो रही है। उन्होंने महाभारत के सहारे विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि पांडवों ने दुर्योधन से सिर्फ पांच गांव मांगे थे यहां पर बहुसंख्यक समाज के लोगों ने अयोध्या, मथुरा

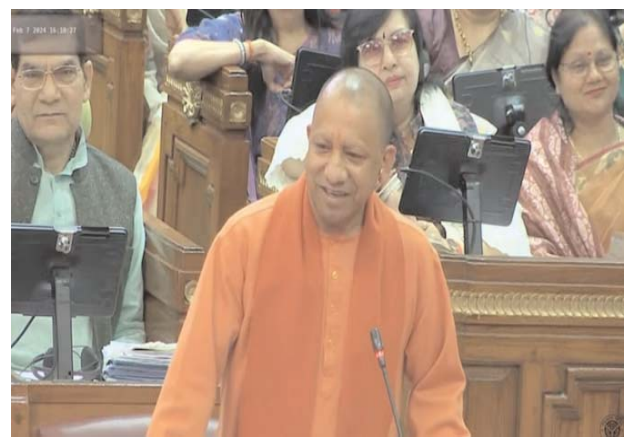

और काशी मांगी थी। इसके लिए उन्हें सदियों तक संघर्ष करना पड़ा। आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन गया है। काशी और मथुरा हमारे लिए सिर्फ एक नगर ही नहीं हैं बल्कि विशिष्ट स्थान हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने वचन निभाया और मंदिर वहीं बनाया...। हम जो कहते हैं वो कर के दिखाते हैं। हमें खुशी है कि अयोध्या का पुराना गौरव वापस लौट आया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि होना तो ये चाहिए था कि आजादी के बाद से ही हिंदुओं के इन पवित्र स्थानों को भव्य बनाया जाता पर वोट बैंक की राजनीति के कारण अयोध्या की उपेक्षा हुई और अयोध्या वोटबैंक की राजनीति के कारण अभिशप्त रही। अयोध्या के साथ अन्याय हुआ। वहां के लोगों के साथ अन्याय हुआ है। मंदिर का मामला तो न्यायालय में था तो क्या वहां सड़क और बिजली नहीं दी जा सकती थी। क्या सरयू के घाटों की सफाई नहीं की जा सकती थी लेकिन अयोध्या को कुत्सित मंशा के कारण अभिशप्त रखा गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले यूपी के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। उन्हें हेय दृष्टि से देखा जाता था। वो कहीं जाते थे तो रहने के लिए उन्हें कमरा नहीं मिलता था पर अब ये पहचान का संकट खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने प्रदेश की छवि में बदलाव किया है। प्रदेश तरक्की कर रहा है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। देश ही नहीं दुनिया के नक्शे पर यूपी को पहचान मिल रही है। अयोध्या में विदेशों से पर्यटक आ रहे हैं।

पाला बदल सकती है रालोद: सीटों के साथ चल रही चरण सिंह को भारत रत्न देने की मांग भी, चुप्पी पर उठे सवाल

संवाददाता

लखनऊ। इंडिया गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय लोकदल क्या पाला बदलकर एनडीए की तरफ जा सकता है। राजनीतिक गलियारों में इस बात की कयासबाजी तेजी से चल रही है। रालोद के एनडीए गठबंधन को लेकर सियासी गलियों में चर्चा यह भी है कि रालोद मथुरा, बागपत, बिजनौर समेत चार सीटों पर सहमति देने के लिए तैयार है। भाजपा के साथ अंदरखाने इस बारे में ठोस बातचीत चल रही है। इस बातचीत में सिर्फ सीटों का ही सौदा नहीं है। सीटों के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने की मांग भी रखी जा रही है। रालोद सिर्फ लोकसभा चुनाव तक ही सीमित नहीं है। पार्टी इसके साथ ही प्रदेश सरकार में

हिस्सेदारी भी चाहती है। हालांकि रालोद की तरफ से इन बातों का खंडन ही किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय का कहना है कि एनडीए में जाने की बात कोरी अफवाह है। रालोद पूरी दृढ़ता से साथ इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने गणतंत्र दिवस के बाद एक्स पर भी कोई पोस्ट नहीं की है। इसी दौरान छपरौली में 12 फरवरी के कार्यक्रम को भी पीछे हटा दिया गया। रालोद नेताओं ने अपने हिस्से में आई सभी सीटों पर जो सर्वे कराया, उसमें अपने ही प्रत्याशी लड़ाने की बात भी सामने आई थी। जिसके बाद असमंजस की स्थिति है।

महिला को प्रेमजाल में फंसाकर की दूसरी शादी फिर किया शोषण मुकदमा दर्ज

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत महिला ने प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि लल्ला सिंह यादव पंचम खेड़ा पीजीआई वर्तमान पता श्री साई लाइफ हॉस्पिटल जगत खेड़ा मजरा कल्ली पश्चिमी द्वारा झूठ बोलकर अपनी पत्नी को मृत बताकर प्रेम जाल में फंसा कर शादी कर ली। शादी के कुछ दिन बाद पति द्वारा महिला के साथ मारपीट हाथ पैर बांधकर अप्राकृतिक शोषण गर्भवती होने के पश्चात महिला का गर्भपात आपने अस्पताल ले जाकर जबरन करवाया आरोपी पति ने लगभग 10 लाख की जेवर छीन कर मुझे घर से भगा दिया। जब मेरे पिताजी द्वारा फोन करके पूछा गया तो आरोपी पति ने बताया कि मुझे हॉस्पिटल का निर्माण करवाना है मुझे 20 लाख रुपए दो

आप ने मुझे दहेज नहीं दिया था। इस दौरान मेरे आरोपी पति तीसरी महिला मित्र के साथ रहने लगे। जब मेरे द्वारा गुजारा भत्ते का न्यायालय में मुकदमा डाला गया तो आरोपी पति ने नशे की हालत में कार से मेरी स्कूटी में टक्कर मार कर हत्या का प्रयास किया गया। किसी तरह मौके से जान बचाकर भाग निकली आरोपी पति द्वारा अपने साथियों के संग पीछा कर मुकदमा वापस लेने की धमकी व जान मारने की धमकी दी जाती है। आरोपी पति द्वारा रात्रि में नशे की हालत में दरवाजे आकार गाली गलौज के साथ जान से मारने की धमकी देता है। जिससे परिवार काफी डरा हुआ है आरोपी पति काफी आय्यास टाइप का व्यक्ति है जो भोली भाली लड़कियों को फंसाकर शारीरिक शोषण कर छोड़ देता है इसी संबंध में पीड़ित महिला ने मोहनलालगंज कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर शिकायत दर्ज कराई है डीसीपी साउथ में बताया है कि महिला के द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र को दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

वेब पोर्टल के जरिए प्रभावी ढंग से नागरिक केंद्रित सेवाएं प्रदान करने पर यूपी सरकार का फोकस

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के वेब पोर्टल को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसके लिए वेब पोर्टल के डिजाइन, विकास और कार्यान्वयन की कार्रवाई शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश के समेकित विकास का खाका खींच रही यूपी सरकार प्रदेश के सभी नागरिकों को उच्च नागरिक केंद्रित सेवाएं प्रभावी ढंग से प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्रम में, योगी सरकार द्वारा वेब पोर्टल का विकास कर उन्हें इन सहूलियतों के साथ ही आधुनिक तकनीक से लैस करने की प्रक्रिया निरंतर जारी है। ऐसे में, मुख्यमंत्री की मंशा अनुरूप, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के वेब पोर्टल के डिजाइन, विकास और कार्यान्वयन की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यूपीएसआरटीसी के पोर्टल की विकास प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड को जिम्मा सौंपा गया है। यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीसीएल) द्वारा इस प्रक्रिया को पहले से इंपैनल्ड सॉफ्टवेयर कंपनियों को कार्यभार सौंपकर विकास प्रक्रिया पूर्ण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यूपीएलसी राज्य के सभी सरकारी विभागों को आईटी/आईटीईएस समाधान प्रदान करने के लिए नियुक्त नोडल एजेंसी है। राज्य सरकार के आईटी सॉल्यूशंस का एक मुख्य उद्देश्य सरकारी प्रणालियों का त्वरित, पारदर्शी, जवाबदेह और कुशल संचालन और सेवाओं का वितरण प्रदान करना है तथा इस क्रम में यूपीएलसी लगातार अपनी कुशल सेवाएं प्रदान कर रहा है। यूपीएसआरटीसी में प्रशासनिक व सेवा वितरण चैनल के लिए एकीकृत प्रौद्योगिकी सक्षम ढांचे के भीतर एक स्थायी डेटा आधारित इकोसिस्टम विकसित किए जाने पर फोकस किया जा रहा है। यात्रियों को सभी मार्गों पर चलने वाली बसों की समयसारिणी आसानी और सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाइन प्रणाली विकसित किया जाएगा। इससे किसी विशेष समय या स्थान पर वाहनों की भीड़ न हो और सभी मार्गों पर यात्रियों को नियमित अंतराल पर निगम की बस की उपलब्धता को सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। यात्री उपलब्धता के आधार पर मार्ग पर वाहनों का परिचालन का ऑनलाइन प्रणाली से मॉनिटरिंग संभव होगा। निगम की लाभप्रदता बढ़ाने के लिए यात्रियों की आवश्यकता के अनुसार वाहन श्रेणी की आवश्यकता का अध्ययन करने के लिए ऑनलाइन सर्वेक्षण भी वेब पोर्टल द्वारा हो सकेगा। संचालित बसों के रखरखाव की स्थिति के अनुसार ऑनलाइन %बस हेल्थ सिस्टम% और नागरिकों को बेहतर गुणवत्ता सेवा प्रदान करने के लिए स्वचालित प्रणाली के माध्यम से %स्मार्ट बस रेटिंग सिस्टम% प्रदान करने जैसी सुविधा भी वेब पोर्टल के विकास के दौरान जोड़ी जाएगी। यूपीएसआरटीसी के पोर्टल को जिन आधुनिक सुविधाओं से लैस किए जाने के लिए यूपीएलसी द्वारा इंपैनल्ड सॉफ्टवेयर एजेंसी को कार्यभार सौंपा जाएगा उसमें आपातकालीन व्यवस्था के लिए ऑनलाइन प्रणाली और आपातकालीन/ब्रेक डाउन की स्थिति में यात्रियों के लिए आपातकालीन अधिसूचना प्रणाली का विकास भी प्रमुख है। यात्रियों को पुरस्कार कार्यक्रम का लाभ प्रदान करने तथा मौजूदा ऑनलाइन टिकटिंग मॉड्यूल में पुनः डिज़ाइन/नवीनीकरण कार्य को पूर्ण करने के लिए ऑनलाइन प्रणाली विकसित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, एएफसीएस (वार्षिक किराया गणना प्रणाली) के साथ एकीकरण, एवीएलएस (वार्षिक वाहन गणना प्रणाली) के साथ एकीकरण तथा अन्य विक्रेताओं के प्लेटफार्म के साथ एकीकरण बल्क एसएमएस भुगतान गेटवे जैसी सुविधाओं से पोर्टल को लैस किया जाएगा। इसके अतिरिक्त एक वर्ष तक पोर्टल का संचालन, रखरखाव, सुरक्षा ऑडिट, क्लाउड सर्वर सेटअप, एप्लिकेशन की होस्टिंग, हेल्पडेस्क सहायता व प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण जैसी प्रक्रियाओं को पूर्ण किया जाएगा।

सम्पादकीय

आरएलडी ने पलटी मारने के संकेत देकर उत्तर प्रदेश में इंडी गठबंधन की रीढ़ तोड़ दी है

आरएलडी के एक बड़े नेता ने जानकारी दी कि आरएलडी और बीजेपी का गठबंधन लगभग तय हो गया है। चार से पांच सीटें हर हाल में बीजेपी आरएलडी को दे रही है। हालांकि हमारी सात सीटों की मांग है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी की मीटिंग भाजपा नेताओं के साथ जारी है। उत्तर प्रदेश में सियासत का पलड़ा भारतीय जनता पार्टी की तरफ झुकता नजर आ रहा है। यूपी का हाल यह है कि यहां बीजेपी को छोड़कर कोई भी दल लोकसभा चुनाव को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहा है। विपक्षी दलों के नेता बीजेपी की बिछाई बिसात में फंसते जा रहे हैं। हालत यह है कि चुनाव सिर पर हैं, लेकिन कांग्रेस और बसपा चुनावी मैदान से नदारद हैं। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव जमीनी हकीकत से दूर तंज कसने की राजनीति तक सिमट कर रह गये हैं। इंडी गठबंधन में दरार ही दरार नजर आ रही है। इसीलिए तो राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के नेता जयंत चौधरी भी इंडी से किनारा करते नजर आ रहे हैं। रालोद के विश्वास का हाल यह है कि उन्हें समझौते के तहत सपा से मिली सात सीटों की जगह बीजेपी से मिलने वाली चार सीटें ज्यादा लुभा रही हैं। हालाकि जयंत चौधरी और बीजेपी की तरफ से इसको लेकर कोई बयान नहीं आया है, परंतु दोनों दलों ने इन खबरों का खंडन भी नहीं किया है। हां, समाजवादी पार्टी जरूर सफाई दे रही है कि उसके और रालोद का गठबंधन अटूट है। भारतीय जनता पार्टी ने 4 लोकसभा सीटें राष्ट्रीय लोकदल को ऑफर की हैं। इनमें कैराना, मथुरा, बागपत और अमरोहा के नाम शामिल हैं। राष्ट्रीय लोक दल इंडी गठबंधन के उन 28 दलों में शामिल था जो लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हराने के लिए तैयार था, लेकिन चुनाव की घोषणा भी नहीं हो पाई कि उससे पहले ही आरएलडी मुखिया जयंत चौधरी ने पलटी मार दी। उत्तर प्रदेश में साल 2022 का विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर लड़ने वाला राष्ट्रीय लोक दल उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी से भी नाता तोड़ सकता है। आरएलडी के एक बड़े नेता ने जानकारी दी कि आरएलडी और बीजेपी का गठबंधन लगभग तय हो गया है। चार से पांच सीटें हर हाल में बीजेपी आरएलडी को दे रही है। हालांकि हमारी सात सीटों की मांग है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी की मीटिंग भाजपा नेताओं के साथ जारी है। इस संबंध में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि जयंत चौधरी बहुत पढ़े-लिखे नेता हैं। वह प्रदेश की खुशहाली और किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए बीजेपी के साथ नहीं जायेंगे। वहीं समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने इन खबरों को पूरी तरह से अफवाह बताया और कहा कि सपा-रालोद का संबंध अटूट है। कुल मिलाकर एक ओर प्रदेश में बीजेपी यानी एनडीए गठबंधन लगातार मजबूत हो रहा है, वहीं इंडी गठबंधन करीब-करीब पूरी तरह से बिखर गया है। कहने को तो फिलहाल सपा और कांग्रेस साथ खड़े नजर आ रहे हैं, लेकिन यह साथ तभी तक बरकरार नजर आ रहा है, जब तक कांग्रेस सीटों के लिए मुंह नहीं खोल रही है। सपा ने कांग्रेस को 11 सीटों का आफर दिया है। यदि रालोद इंडी से अलग हो जाता है तो पश्चिमी यूपी में कांग्रेस को एक-दो सीटें और मिल सकती हैं। मगर इतनी सीटों पर भी जीत हासिल करना कांग्रेस के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि कांग्रेस ने यूपी में अभी तक चुनाव की तैयारी ही नहीं शुरू की है। यूपी में इंडी गठबंधन क्यों बिखर रहा है, इसकी तह में जाया जाये तो सबसे बड़ा कसूरवार चेहरा राहुल गांधी ही नजर आते हैं। वैसे सपा प्रमुख अखिलेश यादव की भूमिका भी सार्थक नजर नहीं आ रही है। अखिलेश जिस तरह से बसपा को इंडी गठबंधन से दूर रखने के लिए अड़ गये, वह भी किसी तरह से सही नहीं था। सबसे पहले बात राहुल गांधी की। यूपी में कभी कांग्रेस की तूती बोला करती थी, यूपी के सहारे ही कांग्रेस केन्द्र की सत्ता पर काबिज होती थी। यूपी गांधी परिवार का चुनावी गढ़ हुआ करता था। अमेठी, रायबरेली, सुल्तानपुर जैसे जिलों में तो कांग्रेस को कोई टक्कर भी नहीं दे पाता था, लेकिन अब सब बदल चुका है। कांग्रेस के रणनीतिकार और गांधी परिवार के सदस्य राहुल गांधी यूपी छोड़कर जा चुके हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से मिली करारी हार के बाद से राहुल ने मुड़कर यूपी की तरफ नहीं देखा। प्रियंका गांधी ने साल 2018 में उत्तर प्रदेश की राजनीति में क़दम रखा था। इससे पहले उन्होंने सिर्फ़ अमेठी और रायबरेली तक ही खुद को सीमित रखा हुआ था। जनवरी 2019 में उन्हें पूर्वी यूपी का प्रभारी बनाया गया। लेकिन पश्चिमी यूपी के प्रभारी ज्योतिरादित्य सिंधिया के जाने के बाद प्रियंका गांधी को सितंबर 2020 में पूरे राज्य का प्रभारी बना दिया गया था। पूरी तौर पर ज़िम्मेदारी संभालने के बाद प्रियंका गांधी पार्टी का आक्रामक चेहरा बनकर उभरीं। वह लखीमुर खीरी में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी की गाड़ी से टकराकर जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों से मिलीं। उन्होंने राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर भी निशाने साधे। उस समय कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रहे अजय कुमार लल्लू को प्रियंका गांधी की पसंद के तौर पर देखा जाने लगा। लेकिन प्रियंका गांधी का साल 2022 में लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ, अभियान विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को पार्टी की ओर खींचने में असफल रहा। कांग्रेस 403 सीटों वाली विधानसभा में केवल दो सीटों तक सिमट कर रह गई, जो पार्टी का राज्य में अब तक का सबसे बुरा प्रदर्शन था। अब प्रियंका यूपी छोड़ चुकी हैं। प्रियंका गांधी की जगह अविनाश पांडे को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया। पूर्व राज्यसभा सांसद अविनाश पांडे अभी तक झारखंड के प्रभारी थे। कांग्रेस की दुर्दशा पर पार्टी के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि यूपी में पार्टी ने अपना जनाधार खो दिया है क्योंकि हम पिछले कुछ सालों में अपने बड़े-बड़े चेहरों को खोते गए। जो यहां रुके उन्होंने भी रोज़मर्रा के मसलों से दूरी बनाए रखी, लेकिन यह सब बदलाव तभी सफल हो पायेंगे जब कांग्रेस यूपी में संगठन को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ जनता से जुड़ी समस्याओं के लिये मुखरता से आवाज उठाये। मगर ऐसा अभी तक नहीं हो पाया है। समाजवादी पार्टी को भी माफ नहीं किया जा सकता है। जो पार्टी जनांदोलन से खड़ी हुई थी, अब वह सड़क पर लड़ते हुए नहीं दिखाई देती है। अखिलेश यादव अपने बयानों से सुर्खियां तो बटोरते रहते हैं, परंतु मतदाताओं से उनकी दूरी सपा के आगे बढ़ने के मार्ग में एक बड़ा अवरोध है। सपा की मुस्लिम तुष्टिकरण की सियासत भी सपा पर भारी पड़ती नजर आ रही है। खासकर जिस तरह से अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से जिस तरह सपा ने दूरी बनाये रखी, वह सपा के पिछड़े और दलित वोटरों को भी रास नहीं आ रहा है क्योंकि राम सभी हिन्दुओं की आस्था से जुड़े हैं। पहले सपा ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से दूरी बनाई। फिर यूपी विधान सभा में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए बधाई संदेश पास किया गया तो यहां भी सपा विरोध में खड़ी नजर आई। अब जबकी योगी सरकार ने 11 फरवरी को सभी दलों के विधायकों को रामलला के दर्शन का कार्यक्रम बनाया तो उससे भी सपा ने किनारा कर लिया। ऐसा लग रहा है कि सपा को बीजेपी के साथ-साथ रामलला से भी परहेज है। आज तक अखिलेश अयोध्या में रामलला के दर्शन करने नहीं गये हैं। सपा के विरोध का स्तर यह है कि उसकी पार्टी के विधायक रामलला के साथ अयोध्या के धनीपुर में जहां मस्जिद बननी है, वहां का भी भ्रमण कराये जाने की बेतुकी मांग करने लगे हैं, जबकि अभी वहां काम तक शुरू नहीं हुआ है। मुस्लिम तुष्टिकरण की सियासत के लिये सपा प्रमुख ने स्वामी प्रसाद मौर्या की तरफ मुंह मोड़ लिया है, जो लगातार हिन्दू देवी-देवताओं के लिए अपमानजनक भाषा बोल रहे हैं। लब्बोलुआब यह है कि यूपी में बसपा विहीन इंडी गठबंधन इस समय वेंटिलेटर पर नजर आ रहा है। जो हालात नजर आ रहे हैं, उससे तय है कि बीजेपी के लिए यूपी में कोई बड़ी चुनौती नजर नहीं आ रही है। रालोद ने यदि इंडी गठबंधन से दूरी बना ली तो पश्चिमी यूपी में सपा के लिये बड़ा संकट खड़ा हो जायेगा। वैसे भी वेस्ट यूपी में सपा लगभग नेतृत्व विहीन हो गई है।

छोटे चौधरी का बड़ा खेला, इंडी गठबंधन की डूबती नाव से कूदने के लिए लगा है रेला

विपक्षी गठबंधन की हालत से देश के सामने एक बात और स्पष्ट हो गयी है कि बेमेल विचारधारा वाला यह गठबंधन सिर्फ सत्ता स्वार्थ के लिए बना था। जहां तक राष्ट्रीय लोक दल की बात है तो उसके बारे में बताया जा रहा है कि उसका भाजपा के साथ आना तय हो चुका है। विपक्ष के इंडी गठबंधन की नाव डूबती देख इस पर सवार राजनीतिक दलों में कूद कर अपनी जान बचाने की होड़ देखने को मिल रही है। इंडी गठबंधन की नाव को जिन नीतीश कुमार ने तैयार किया था वही सबसे पहले यहां से दूसरी तरफ कूद गये जिससे नाव का संतुलन गड़बड़ा गया। मौका देख ममता बनर्जी ने भी इस नाव से दूरी बना ली और अब राष्ट्रीय लोक दल भी इससे कूदने के लिए पूरी तरह तैयार है। आम आदमी पार्टी भी इंडी गठबंधन की नाव से कूदने के लिए अपना सामान समेट रही है। इस गठबंधन में अब जो दल बचे हैं वह या तो आपस में ही लड़ रहे हैं या उन दलों के भीतर ही भितरघात देखने को मिल रही है जिसके चलते किसी का चुनाव चिह्न खतरे में पड़ गया है तो किसी की पार्टी का मालिकाना हक किसी और के पास चला गया है। विपक्ष की यह स्थिति देख अब प्रधानमंत्री मोदी के संसद में दिये गये संबोधन की वह बात किसी को अतिश्योक्ति नहीं लग रही कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनावों में अकेले दम पर 370 सीटें जीतेगी और एनडीए 400 के पार जायेगा। विपक्षी गठबंधन की हालत से देश के सामने एक बात और स्पष्ट हो गयी है कि बेमेल विचारधारा वाला यह गठबंधन सिर्फ सत्ता स्वार्थ के लिए बना था। जहां तक राष्ट्रीय लोक दल की बात है तो उसके बारे में बताया जा रहा है कि उसका भाजपा के साथ आना तय हो चुका है। एकाध दिनों में इसकी घोषणा हो सकती है। सूत्रों का तो यहां तक कहना है कि राष्ट्रीय लोक दल का भाजपा में विलय भी संभव है लेकिन अगर विलय नहीं हुआ तो गठबंधन होना पक्का है। हम आपको याद दिला दें कि भाजपा ने राष्ट्रीय लोक दल के साथ गठबंधन का प्रयास उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भी किया था लेकिन तब जयंत चौधरी ने साथ आने से मना कर दिया था। राष्ट्रीय लोक दल 2014 से सभी चुनाव विपक्षी दलों के साथ मिलकर लड़ा है लेकिन इसका उसे कोई ज्यादा लाभ नहीं हुआ। हालांकि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में जरूर समाजवादी पार्टी से गठबंधन का रालोद को फायदा हुआ था साथ ही सपा कोटे से जयंत चौधरी को राज्यसभा की सदस्यता भी मिल गयी थी। लेकिन अब छोटे चौधरी के नाम से मशहूर जयंत चौधरी के पाला बदलने की अटकलों से विपक्षी खेमा बेचैन दिख रहा है। क्योंकि बात यह नहीं है कि छोटा दल गठबंधन से बाहर जा रहा है या बड़ा दल, बात यह है कि लंबे समय से गठबंधन में साथ रहा दल अब दूसरे के साथ जा रहा है। हम आपको याद दिला दें कि हाल ही में अखिलेश यादव ने जयंत चौधरी के साथ एक फोटो ट्वीट करते हुए ऐलान किया था कि रालोद के लिए गठबंधन में सात लोकसभा

सीटें दी गयी हैं। लेकिन यह सात सीटें कौन-सी होंगी इसका ऐलान नहीं किया गया था। इस बात से जयंत चौधरी नाराज बताये जा रहे थे। जयंत चौधरी ने राजस्थान विधानसभा चुनावों के दौरान भी कांग्रेस से कुछ सीटें अपने लिये मांगी थीं लेकिन कांग्रेस की ओर से स्पष्ट इंकार कर दिये जाने के चलते उन्हें निराशा हाथ लगी थी। इसलिए जब भाजपा की ओर से इस बार गठबंधन का प्रस्ताव आया तो उसे जयंत चौधरी मना नहीं कर सके। बताया जा रहा है कि भाजपा के साथ जाने पर जयंत चौधरी को मथुरा, कैराना, अमरोहा और बागपत सीटें मिल सकती हैं। अभी इनमें से अमरोहा को छोड़कर बाकी तीनों सीटें भाजपा के पास हैं। बताया जा रहा है कि जयंत चौधरी भाजपा के प्रस्ताव को स्वीकार करने का मन बना चुके हैं क्योंकि उन्हें अपनी पार्टी के क्षेत्रीय दल के दर्जे को बचाना है। यदि उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार इन लोकसभा चुनावों में मत हासिल नहीं किये तो संभव है कि उनका चुनाव चिह्न नल भी छिन जाये। जयंत चौधरी यह बात समझ रहे हैं कि भले समाजवादी पार्टी उन्हें लड़ने के लिए ज्यादा सीटें दे दे लेकिन सीटें जीतने की ज्यादा संभावना भाजपा के साथ मिलकर लड़ने में ही है। दूसरी ओर भाजपा भी यह समझ रही है कि किसान आंदोलन के दौरान से नाराज पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जाट मतदाताओं को पूरी तरह तभी साधा जा सकता है जब राष्ट्रीय लोकदल साथ आ जाये। हम आपको याद दिला दें कि 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा चुनावी नुकसान पश्चिमी क्षेत्र में ही हुआ था। 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान भी भाजपा का प्रदर्शन इस क्षेत्र में अपेक्षा के अनुरूप नहीं था इसलिए भाजपा 2024 में कोई कसर बाकी नहीं रखना चाहती। भाजपा का प्रयास है कि इस बार उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत हासिल की जाये और इसके लिए तमाम प्रयास किये भी जा रहे हैं। ऐसी भी चर्चा सामने आई कि जयंत चौधरी ने पांच से सात लोकसभा सीटों की मांग रखी थी लेकिन भाजपा की ओर से चार सीटों का ही वादा किया गया है। भाजपा को पता है कि यदि जयंत को ज्यादा सीटें दी गयीं तो उत्तर प्रदेश की अन्य सहयोगी पार्टियां अपना दल, सुभासपा और निषाद पार्टी भी ज्यादा सीटें मांगेंगी। बताया जा रहा है कि गठबंधन के बाद राष्ट्रीय लोकदल को उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल में जगह दी जा सकती है और लोकसभा चुनावों के बाद केंद्र में भी एक पद मिल सकता है। इस तरह की भी चर्चा है कि जयंत चौधरी की पार्टी 12 फरवरी से पहले भाजपा के साथ आ सकती है और जब 12 फरवरी को भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा मुजफ्फरनगर पहुँचेंगे तो जयंत चौधरी भी साथ होंगे। हम आपको बता दें कि नड्डा लोकसभा चुनाव से पहले मुजफ्फरनगर से पार्टी के एक महीने के ग्रामीण संपर्क कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। ग्रामीण संपर्क कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता मोदी सरकार के जन-कल्याणकारी कदमों को रेखांकित करने के अलावा चुनाव घोषणापत्र के लिए किसानों और मजदूरों सहित ग्रामीण आबादी से सुझाव मांगेंगे। पार्टी के सदस्य लोगों से संवाद के दौरान गांवों में गायों और कृषि उपकरणों की पूजा भी करेंगे। देखा जाये तो नड्डा ने इस कार्यक्रम की शुरुआत के लिए मुजफ्फरनगर का चयन कर बड़ा राजनीतिक संदेश भी दिया है क्योंकि यह क्षेत्र मोदी सरकार के कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध का केंद्र था। हालांकि बाद में केंद्र ने उन कानूनों को वापस ले लिया था लेकिन आंदोलन में भाग लेने वाले किसानों की नाराजगी अब तक दूर नहीं हुई है। बहरहाल, जहां तक इंडी गठबंधन की बात है तो बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में इसके कुछ और घटक या उन घटकों के बड़े नेता सत्तारुढ़ एनडीए का दामन थाम सकते हैं क्योंकि देश के राजनीतिक मिजाज से सभी वाकिफ हैं। सभी इस बात को समझ रहे हैं कि देश की ताजा राजनीतिक स्थिति यही है कि दस साल के शासन के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता कम होने की बजाय देश-विदेश में और बढ़ी ही है।

यूसीसी पर उत्तराखंड ने जो सार्थक पहल की है उससे दूसरे राज्यों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए

आज जबकि भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, जी-20 देशों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कर चुका है, भारत की अहिंसा एवं योग को दुनिया ने स्वीकारा है, विश्व योग दिवस एवं विश्व अहिंसा दिवस जैसे आयोजनों की संरचना हुई है। उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने समान आचार संहिता (यूसीसी) के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी और इसे विधानसभा में पेश भी कर दिया। अब चार दिनों के विशेष सत्र में इसे आसानी से पारित भी कर दिया जायेगा। इस तरह देश को आजादी मिलने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन जाएगा। इससे पहले गोवा में यह लागू है। आजादी के अमृतकाल में समानता की स्थापना के लिये इससे अपूर्व वातावरण निर्मित होगा। यह उत्तराखण्ड ही नहीं, समूचे भारत की बड़ी जरूरत है। समानता एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक लोकतांत्रिक मूल्य है। इस मूल्य की प्रतिष्ठापना के लिये समान कानून की अपेक्षा है। यूसीसी देश की राजनीति के सबसे विवादित मुद्दों में रहा है। हालांकि संविधान में भी नीति निर्देशक तत्वों के रूप में इसका उल्लेख है। इस लिहाज से राजनीति की सभी धाराएं इस बात पर एकमत रही हैं कि देश में सभी पंथों, आस्थाओं से जुड़े लोगों पर एक ही तरह के कानून लागू होने चाहिए। राष्ट्र का कोई भी व्यक्ति, वर्ग, सम्प्रदाय, जाति जब-तक कानूनी प्रावधानों के भेदभाव को झेलेगा, तब तक राष्ट्रीय एकता, एक राष्ट्र की चेतना जागरण का स्वप्न पूरा नहीं हो सकता। उत्तराखण्ड एवं गोवा के बाद असम और गुजरात जैसे राज्य भी समान आचार संहिता को लागू करने की तैयारी में हैं। भारतीय जनता पार्टी एवं नरेन्द्र मोदी सरकार यूसीसी लागू करने की मांग जोरदार तरीके से करती आ रही है और इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया है। भारतीय न्यायपालिका की तरफ से भी बार-बार इसे लागू करने की जरूरत बताई जा रही है। ऐसे में यह माना जा सकता है कि देश में इसे लेकर जागरूकता हाल के दिनों में बढ़ी है और इसका श्रेय भाजपा को दिया जाना चाहिए। समान नागरिक संहिता दरअसल एक देश एक कानून की अवधारणा पर आधारित है। यूनिफॉर्म सिविल कोड के अंतर्गत देश के सभी धर्मों, पंथों और समुदायों के लोगों के लिए एक ही कानून की व्यवस्था का प्रस्ताव है। भारत के विधि आयोग ने राजनीतिक रूप से अतिसंवेदनशील इस मुद्दे पर देश के तमाम धार्मिक संगठनों से सुझाव आमंत्रित किए थे। यूसीसी में संपत्ति के अधिग्रहण और संचालन, विवाह, उत्तराधिकार, तलाक और गोद लेना आदि को लेकर सभी के लिए एकसमान कानून बनाया जाना है। पिछले कुछ समय से इस पर अच्छी खासी बहस चली है। लिहाजा एक-एक करके अलग-अलग राज्यों में इसे लागू करने और वहां के अनुभव के आधार पर आगे बढ़ने का ख्याल गलत नहीं कहा जा सकता। उम्मीद की जानी चाहिए कि उत्तराखण्ड विधानसभा में इसे पेश किए जाने और वहां बहस शुरू होने के बाद इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर रोशनी पड़ेगी और सभी दुविधाएं, शंकाएं एवं संदेह दूर हो जाएंगे। जो अन्य राज्यों के लिये लागू करने का आधार बनेगी। भारतीय संविधान के मुताबिक भारत एक धर्म-निरपेक्ष देश

है, जिसमें सभी धर्मों व संप्रदायों (जैसे- हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, आदि) को मानने वालों को अपने-अपने धर्म से सम्बन्धित कानून बनाने का अधिकार है। भारत में दो प्रकार के पर्सनल लॉ हैं। पहला है हिंदू मैरिज एक्ट 1956 जो कि हिंदू, सिख, जैन व अन्य संप्रदायों पर लागू होता है। दूसरा, मुस्लिम धर्म को मानने वालों के लिए लागू होने वाला मुस्लिम पर्सनल लॉ। ऐसे में जबकि मुस्लिमों को छोड़कर अन्य सभी धर्मों व संप्रदायों के लिए भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत बनाया गया हिंदू मैरिज एक्ट 1956 लागू है तो मुस्लिम धर्म के लिए भी समान कानून लागू होने की बात की जा रही है, जो प्रासंगिक होने के साथ नये बन रहे भारत की अपेक्षा है। अभी मीडिया में छन-छन कर जो सूचनाएं आ रही हैं, उनके मुताबिक शादी, तलाक, अडॉप्शन से जुड़े कानूनों में एकरूपता के जो प्रावधान हैं, वे यूसीसी की मूल अवधारणा के अनुरूप ही हैं। बहरहाल, उत्तराखण्ड राज्य सरकार की यह एक बड़ी पहल है और इस पर अमल की प्रक्रिया ही नहीं, इसके नतीजों पर भी पूरे देश की नजरें रहेंगी। आज जबकि भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, जी-20 देशों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कर चुका है, भारत की अहिंसा एवं योग को दुनिया ने स्वीकारा है, विश्व योग दिवस एवं विश्व अहिंसा दिवस जैसे आयोजनों की संरचना हुई है। इन सब सकारात्मक स्थितियों को देखते हुए भारत की कानून विषयक विसंगतियों को दूर करना अपेक्षित है। क्योंकि विश्व के कई देशों में समान नागरिक संहिता का पालन होता है। इन देशों में पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, तुर्किये, इंडोनेशिया, सूडान, मिस्र, अमेरिका, आयरलैंड, आदि शामिल हैं। इन सभी देशों में सभी धर्मों के लिए एकसमान कानून है और किसी धर्म या समुदाय विशेष के लिए अलग कानून नहीं हैं। लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए तुष्टिकरण का ऐसा खेल खेला गया, जो विविधता में एकता एवं वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन को तार-तार कर रहा है। निजी कानूनों के कारण कहीं-कहीं विसंगति के हालात भी पैदा हो रहे हैं। सामुदायिक घटनाओं को भी राजनीतिक दृष्टि से देखा जाता है, घटना को देखने का यह नजरिया वास्तव में वर्ग भेद को बढ़ावा देने वाला है। देश का मुस्लिम भी समाज का एक हिस्सा है, जिसे इसी रूप में प्रस्तुत करने की परिपाटी चलन में आ जाए तो भेद करने वाले विचारों पर लगाम लगाई जा सकती है। लेकिन हमारे देश के कुछ राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को ऐसे भ्रम में रखने के लिए प्रेरित किया कि वह भी ऐसा ही चिंतन करने लगा, जबकि सच्चाई यह है कि आज के मुसलमान बाहर से नहीं आए, वे भारत के ही हैं। परिस्थितियों के चलते उनके पूर्वज मुसलमान बन गए। वे सभी स्वभाव से आज भी भारतीय हैं और विचार से सनातनी हैं, लेकिन देश के राजनैतिक दल अपने राजनीतिक लाभ एवं वोट बैंक के चलते मुसलमानों के इस सनातनी भाव को प्रकट करने का अवसर नहीं दे रहे। मुस्लिम पर्सनल लॉ में अनेक विसंगतियां हैं, जैसे शादीशुदा मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी को महज तीन बार तलाक कहकर तलाक दे सकता था। इसके दुरुपयोग के चलते सरकार ने इसके खिलाफ कानून बनाकर जुलाई 2019 में इसे खत्म कर दिया है। तीन तलाक बिल पास होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सदियों से तीन तलाक की कुप्रथा से पीड़ित मुस्लिम महिलाओं को न्याय मिला है। वर्तमान में हम देख रहे हैं कि कुछ लोग समान नागरिक कानून का विरोध कर रहे हैं, जबकि मुस्लिम समाज की महिलाएं इस कानून के समर्थन करने के लिए आगे आ रही हैं। 1985 में शाहबानो केस के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड का मामला सुर्खियों में आया था। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के बाद शाहबानो के पूर्व पति को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी कहा था कि पर्सनल लॉ में यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होना चाहिए। तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटने के लिए संसद में बिल पास कराया था। इस कानून के समर्थकों का मानना है कि अलग-अलग धर्मों के अलग कानून से न्यायपालिका पर बोझ पड़ता है। समान नागरिक संहिता लागू होने से इस परेशानी से निजात मिलेगी और अदालतों में वर्षों से लंबित पड़े मामलों के फैसले जल्द होंगे। शादी, तलाक, गोद लेना और जायदाद के बंटवारे में सबके लिए एक जैसा कानून होगा फिर चाहे वो किसी भी धर्म का क्यों न हो। देश में हर भारतीय पर एक समान कानून लागू होने से देश की राजनीति पर भी असर पड़ेगा और राजनीतिक दल वोट बैंक वाली राजनीति नहीं कर सकेंगे और वोटों का ध्रुवीकरण नहीं होगा। समान नागरिक संहिता लागू होने से भारत की महिलाओं की स्थिति में भी सुधार आएगा। कुछ धर्मों के पर्सनल लॉ में महिलाओं के अधिकार सीमित हैं। इतना ही नहीं, महिलाओं का अपने पिता की संपत्ति पर अधिकार और गोद लेने जैसे मामलों में भी एक समान नियम लागू होंगे। अगर हम यह चिंतन भारतीय भाव से करेंगे तो स्वाभाविक रूप से यही दिखाई देगा कि समान नागरिक कानून देश और समाज के विकास का महत्वपूर्ण आधार बनेगा।

ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम समाज को गलती सुधारने की पहल करनी चाहिए

सत्ता लोभ और चुनाव में पराजय के भय से पीड़ित इन लोगों का राष्ट्रीय अस्मिता की अवमानना करने और उसे नकारने में लाज ही नहीं आती। लोभ, भय ओर मौन हो जाने का परिणाम भारत का राष्ट्रीय समाज 75 वर्ष पूर्व भुगत चुका है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा वाराणसी के प्रसिद्ध विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी मस्जिद में हुए सर्वेक्षण से उस दावे की पुष्टि हो गई है कि वह हिन्दू मंदिर पर ही बनाई गई थी। इस सर्वेक्षण को रोकने के लिए मुस्लिम पक्ष द्वारा न्यायालय में चरम सीमा तक जाकर तर्क दिए गए। वही बीती 31 जनवरी को वाराणसी की एक न्यायालय ने हिंदू पक्ष को ज्ञानवापी मस्जिद के व्यास जी तलगृह में पूजा का अधिकार दे दिया है। पूर्ण विधि विधान पूजा अर्चना शुरू हो गई है। हिंदू पक्ष कुछ समय से ज्ञानवापी परिसर में स्थित एक तलगृह में पूजा का अधिकार मांग रहा था। यह तलगृह मस्जिद परिसर में है। वर्ष 1992 तक व्यास जी तलगृह में पूजा नियमित तौर पर होती थी। 6 दिसंबर 1992 को हुए बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद 1993 से व्यासजी के तलगृह बंद कर दिया गया और बैरिकेडिंग कर दी गई। उस समय समाजवादी पार्टी की सरकार थी और मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। अयोध्या राम जन्मभूमि मामले को लेकर मुलायम सिंह यादव ने बैरिकेडिंग लगा दी कि यहां सांप्रदायिक माहौल ना बिगड़े और लड़ाई-झगड़े ना हों। पहले बांस-बल्ली लगाकर टेंपरेरी तौर पर बैरिकेडिंग की गई और बाद में पक्की तरह से बंद कर दिया गया। इसके बाद यहां पर वार्षिक तौर पर माता श्रृंगार गौरी की पूजा हो रही थी। ज्ञानवापी में किए गए सर्वेक्षण की जो रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत हुई, उसके आधार पर कोई भी कह सकता है कि वह मंदिर ही है। मुस्लिम पक्ष को इसका ज्ञान काफी पहले से था। इसीलिए उन वस्तुओं को छिपा दिया गया था और ढक दिया गया था जो हिन्दू धर्म के प्रतीक और चिन्ह हैं। सबसे बड़ी बात शिवलिंग का मिलना है। पौराणिक ग्रंथों से पता चलता है कि ज्ञानवापी कुएं का निर्माण स्वयं भगवान शिव ने अपने त्रिशूल से किया था। पौराणिक काल से ही काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का इलाका अविमुक्त क्षेत्र के नाम से प्रसिद्ध रहा है। महाभारत में भी काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के पूरे क्षेत्र को अविमुक्त क्षेत्र के नाम से पुकारा गया है। वर्तमान में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद भी अविमुक्त क्षेत्र का ही भाग रहा है। इस क्षेत्र में स्थित ज्ञानवापी मस्जिद को मुक्त कराने के लिए सैकड़ों वर्षों से विश्व भर के हिंदू संघर्ष कर रहे हैं। होना तो यह चाहिए था कि स्वतंत्रता के बाद केंद्र सरकार मुगल काल में हिन्दू धर्मस्थलों को तोड़कर या उन्हीं ढांचों पर खड़ी की गई मस्जिदों को हिंदुओं को सौंपने की नीति बनाती। लेकिन कांग्रेस सहित अन्य पार्टियां मुसलमानों की नाराजगी से बचने के लिए हिंदुओं के वैध दावों को ठुकराती रहीं। मथुरा और वाराणसी में हिंदुओं के सर्वोच्च आराध्यों के पवित्र मंदिर के बगल में बनी मस्जिद के हिन्दू मंदिर होने की बात पंडित नेहरू से लेकर तमाम नेताओं को ज्ञात थी। लेकिन उन्होंने इस दिशा में सोचने का कष्ट इसलिए नहीं उठाया क्योंकि वे हिंदुओं की सहनशक्ति को जानते थे। वरना क्या कारण था कि हिंदुओं की विवाह व्यवस्था संबंधी रीति-रिवाजों को तो उलट-पलट दिया गया किंतु मुस्लिम पर्सनल लॉ को छेड़ने की हिम्मत नहीं हुई।

रोज़गार सहायक संघ के जिला - अध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी ने जिला पंचायत सीईओ को सौंपा ज्ञापन

द अचीवर टाइम्स/इंद्र कुमार पटेल

ढीमरखेड़ा। रोज़गार सहायक संघ के जिला - अध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी ने जिला पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौंपकर रोज़गार सहायको की समस्याओं से अवगत कराया। लिहाज़ा जैसे ही रोज़गार सहायको के उत्पीड़न की बात जिला - अध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी के कानों तक पहुंची तो हुंकार भरते हुए जिला पंचायत सीईओ तक पहुंच गए और रोज़गार सहायको को कह दिया कि चिंता ना करे पूरे जिले के रोज़गार सहायको की कमान मेरे ऊपर हैं तो में किसी के साथ अन्याय नहीं होने दूंगा। मेरे ऊपर विश्वास करते हुएं यह कमान मेरे को संभालने का मौका मिला हैं तो मेरी भी जिम्मेदारी हैं कि रोजगार सहायको को मेरा संरक्षण प्राप्त हो। विदित हैं कि रोजगार सहायक संघ के जिला - अध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी ने जिला पंचायत सीईओ को रोजगार सहायको की समस्याओं को अवगत कराते हुए बताया कि स्थानीय स्तर पर रोजगार सहायको के साथ अगर मार - पीट होती हैं तो सरकारी कर्मचारियों के बराबर का दर्जा और अपराधियों को सक्त सजा ताकि कर्मचारियों से कोई अभद्रता पूर्वक बात ना कर सके। आयुष्मान कार्ड सूची के आधार पर बन चुके हैं जिसमें रोजगार सहायको को आयुष्मान के लिए प्रताड़ित ना किया जाए जहां सचिव नही हैं वहा रोजगार सहायको को वित्तीय प्रभार दिया जाए। स्वेच्छा - अनुसार जो रोजगार सहायक एक पंचायत से दूसरी पंचायत में स्थानांतरण चाहते हैं उनका स्थानांतरण की नीति को लागू किया जाए। जिला - अध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी ने अन्य मुद्दों पर जिला पंचायत सीईओ पर प्रकाश डाला जिसमें जिला पंचायत सीईओ के द्वारा आश्वासन मिला कि जल्द से जल्द रोजगार सहायको की समस्या का निराकरण किया जायेगा। इसी बीच जिला - अध्यक्ष मुकेश त्रिपाठी, हेमराज उपाध्याय, सुनील दाहिया, सत्यनारायण दुबे, अजय त्रिपाठी, अजय पाल यादव, मयंक चौरसिया, रजा खान, रविंद्र तिवारी, दीपक दुबे, संतोष पटैल, मनोज तिवारी, अमित खरे, देवराज, केशव यादव, सद्दाम खान, मनोज शुक्ला, अभिषेक त्रिपाठी, संजीव बाजपेयी, कंधी पटैल, अनिल कुशवाहा, विजय हल्दकार, हरिशंकर, दीप गौतम, मनोज राय, मनोज पाल, मनोज पटैल एवं समस्त रोजगार सहायको की रही उपस्थिती।

ढीमरखेड़ा एसडीएम ने की ताबड़तोड़ कार्यवाही कई जगह जप्त हुआ अवैध सामान

❖ घर में मिला पटाखा बनाने का सामान, किराना दुकान से बिक रहे थे पटाखे, हरदा की घटना के बाद ढीमरखेड़ा एसडीएम ने की ताबड़तोड़ कार्यवाही, कई जगह जप्त हुआ अवैध सामान

द अचीवर टाइम्स/इंद्र कुमार पटेल

ढीमरखेड़ा । प्रदेश के हरदा में गत दिवस एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में आग लगने के कारण कई लोग असमय मौत का ग्रास बन गए तो कई गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल जा पहुंचे। हरदा में हुई भीषण घटना के बाद से कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देश पर जिला प्रशासन के आला अधिकारियों एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों के द्वारा जिले के सभी पटाखा दुकानों एवं संदिग्ध ठिकानों पर दबिश देकर जांच कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में जांच कार्यवाही करते हुए ढीमरखेड़ा एसडीएम विंकी सिंहमारे उईके के नेतृत्व में ढीमरखेड़ा के ग्राम दशरमन सहित अन्य कई जगह पर छापामार कार्यवाही की गई।कार्यवाही के दौरान ग्राम दशरमन में एक निजी आवास में पटाखा बनाने का समान भारी मात्रा में बरामद किया गया तो वहीं दशरमन में ही एक किराने दुकान से भारी मात्रा में अवैध पटाखे जप्त किए गए। कार्यवाही के संबंध में जानकारी देते हुए ढीमरखेड़ा एस डी एम विंकी सिंहमारे उइके ने बताया कि कलेक्टर श्री प्रसाद के मार्गदर्शन में हरदा की घटना को लेकर सहयोगी स्टाफ के साथ लम्पो बाई पति गनपद निवासी दशरमन के निजी आवास से फटाका बनाने का सामान जप्त किया गया। इसी तरह दुर्गेश पिता रमेश निवासी दशर्मन की किराना दुकान से फटाखे जप्त किये गए। साथ ही कुछ अन्य जगहों से भी पटाखे बनाने का सामान जप्त करने की कार्रवाई की गई है। जप्त किए गए पटाखे बनाने के समान एवं पटाखे को कार्यवाही के लिए ढीमरखेड़ा पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आगे भी जांच कार्यवाही का सिलसिला यूं ही जारी रहेगा।

कटनी जिले के थाना विजयराघवगढ़ एवं थाना कैमोर को मिला आई.एस.ओ. एवार्ड

द, अचीवर टाइम्स/पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन द्वारा जिले के दो पुलिस थानों को थाना की साफ सफाई, रिकार्ड का बेहतर संधारित करने हेतु निर्देशित किया गया था जिसके परिपालन में थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ ने बखूबी पालन करते हुये थाना परिषर की बेहतर साफ-सफाई, रंग रोगन एवं थाना के रिकार्ड की रख-रखाव व्यवस्थित किया जाकर थाना क्षेत्र के फरियादियों की मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखते हुये शुद्ध पेय जल, आगंतुकों के बैठने की समुचित व्यवस्था प्रत्येक कक्षों को सुव्यवस्थित किया गया, जिससे किसी भी फरियादी को थाना में आकर अपनी फरियाद सुनाने असुविधा का सामना न करना पड़े। इसी क्रम में थाना कैमोर के द्वारा भी उपरोक्तानुसार व्यवस्थाएं की गई हैं। जिसके फलस्वरूप पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन एवं ढुस्ढ सलाहकर योगेन्द्र दिवेदी के द्वारा थाना

विजयराघवगढ़ एवं थाना कैमोर का भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। दोनों ही थाने आईएसओ के मानको में उत्कृष्ठ पाये गये। पुलिस अधीक्षक के द्वारा अनूप सिंह थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ एवं सुदेश समन निरीक्षक कार्यवाहक थाना प्रभारी कैमोर एवं उनकी टीम को आई.एस.ओ. एवार्ड व प्रशस्ति पत्रों से पुरूस्कृत किया गया है। इस गरिमामयी कार्यक्रम के दौरान प्रतिभाशाली विद्यार्थियों, पुलिस अधिकारी/कर्मचारी, ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदाय किये गये। पुलिस अधीक्षक कटनी ने अपने संबोधन में पुलिस थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ एवं कैमोर को प्रोत्साहित करते हुये बताया कि थाना की साफ-सफाई एवं बेहतर रख रखाव से पुलिस कर्मी के व्यक्तित्व एवं कार्यप्रणाली में सकारात्मक परिवर्तन होने से थाना में आने वाले आगंतुक पीड़ित पक्ष को एक बेहतर वातावरण से तत्परता से उनकी शिकायतों, समस्याओं का निराकरण करने में सहायता मिलेगी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन, महेश मण्डलोई एस.डी.एम, विजयराघवगढ़, के.पी. सिंह एस.डी.ओ. पी, विजयराघवगढ़, व्ही.के. मिश्रा तहसीलदार विजयराघवगढ़, योगेन्द्र द्विवेदी आई.एस.ओ. सलाहकार एवं जनप्रतिनिधिगण, पत्रकारगण, विद्यालय में अध्यनरत, छात्राएं, शिक्षकगण उपस्थित रहे।

एक नज़र

सबसे बड़ा सुधारक वही जो अपने आचरण को सुधारेः देवेंद्र मोहन

श्रद्धालुओं ने मनाया हुजूर कृपाल सिंह महाराज? का जन्मदिन, लंगर भी चखा

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में विक्रम नगर स्थित स्वामी दिव्यानंद आश्रम में उनके आध्यात्मिक उत्तराधिकारी देवेंद्र मोहन भैया ने संगत को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत सुंदर समय है। यह उत्सव का मौका है जब हम महाराज जी का जन्मदिवस मना रहे हैं। प्रत्येक वर्ष फरवरी के महीने में हुजूर कृपाल सिंह जी महाराज की शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए सभी सत्संगी जीवन में आगे बढ़ते हैं। सवाल ये है कि हम संत का जन्मदिवस कैसे मनाएं। संत हमें क्या देना चाहता है और हम उससे क्या चाहते हैं। परमात्मा अगर संत रुप में मानव चोला धारण कर धराधाम पर अवतरित हुए हैं तो हम उनके सानिध्य के उत्सव को कैसे मनाएं। संतो के साथ जुड़ने का सौभाग्य हमें कहां तक ले जाएगा इस विशेषता को समझना जरुरी है। स्वामी जी को याद करते हुए भैया जी ने कहा कि जब कोई संत धरधाम पर आता है उसके सानिध्य में आने से जीवन की सार्थकता बनती है। जब हम संत के धरती पर आने के उद्देश्यों को, उनके वचनों को, उनकी शिक्षाओं को सही प्रकार से समझते हैं तभी हम उसके सानिध्य का वास्तविक उत्सव मना सकते हैं। भैयाजी ने कहा कि आज के दौर में जिंदगी बहुत भागदौड़ वाली हो गई है। हम पूजा-पाठ, ध्यान योग आदि के लिए थोड़ा सा समय अगल कर देते हैं और सोचते हैं कि हम धार्मिक हो गए। परंतु, ये समझना आवश्यक है कि धर्म ना पुस्तकों में है, धर्म ना स्थानों में है बल्कि वास्तविक धर्म हमारे आचरण में है। अगर सही मायने में हमें धार्मिक होना है तो गुरु के बताए रास्ते चलना होगा, उनकी शिक्षाओं को अपने आचरण में लाना होगा। संगत को संतो के साथ जुड़ने का सौभाग्य समझाते हुए भैया जी ने अपने गुरु का एक प्रेरक प्रसंग साझा किया। उन्होंने कहा कि एक सत्संग में महाराज जी ने संगत से पूछा कि कौन कौन मेरी सेवा करेगा। गुरु की सेवा का मौका देख कर बड़ी संख्या में वहां मौजूद सत्संगियों ने अपने हाथ उठा दिए। तब महाराज जी ने कहा कि मैं चाहता हूं कि आप सभी जो मेरी सेवा करना चाहते हैं वो मेरे सुधारक बन जाएं। सत्संगी आश्चर्य में पड़ गए क्योंकि दूसरों की गलतियां निकालना कोई कठिन काम नहीं है। दूसरों को टोकना, उनकी गलतियां निकालना तो सभी को अच्छा लगता है। तब महाराज जी ने कहा कि जो सत्संगी मेरी सेवा के रुप में मेरे सुधारक बनना चाहते हैं उन्हें शुरुआत खुद से करनी होगी। अगर हम धन, दौलत, जमीन आदि की चिंताओं में डूबे रहेंगे तो हम बार-बार इन्हीं बंधनों में फंसे रहेगें। हमें अपने जीवन में अपने आप से अपने लिए सुंदर शुरुआत करनी पड़ेगी। राजधानी लखनऊ में विक्रम नगर स्थित स्वामी दिव्यानंद आश्रम में उनके आध्यात्मिक उत्तराधिकारी देवेंद्र मोहन भैया जी के सत्संग को सुनने के लिए लखनऊ के अलावा, कानपुर, उन्नाव, बरेली, बाराबंकी, हरदोई, सीतापुर समेत कई जिलों से सत्संगी पहुंचे। सत्संग में आए सत्संगियों ने सेवादार के रुप में सत्संग की व्यवस्थाओं को भी संभाला। देवेंद्र मोहन भैया जी के सत्संग के बाद संगत ने प्रसाद के रुप में लंगर चखा।

राज्यपाल ने श्री अयोध्या कोल्ड स्टोरेज का किया उद्घाटन

द अचीवर टाइम्स

बाराबंकी। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने बुधवार को तासीपुर गांव स्थित भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विवेकानंद पांडेय द्वारा बनवाए गए श्री अयोध्या कोल्ड स्टोरेज का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान भारी संख्या में भाजपा नेता एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध व गण मान्य नागरिक मौजूद रहे। महामहिम राज्यपाल पूर्वान्ह 11 बजे सपत्नीक तासीपुर गांव पहुंचे तथा नवनिर्मित श्री अयोध्या कोल्ड स्टोरेज का लोकार्पण किया। इससे पूर्व विवेकानंद पांडेय,पूर्व प्रमुख देवानंद पांडेय एवं दरियाबाद ब्लॉक के मौजूदा प्रमुख आकाश पांडेय द्वारा महामहिम राज्यपाल का स्वागत किया गया,आकाश पांडेय ने इस मौके पर शंख प्रदान किया। इस मौके पर राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर का सम्मान भी दिया गया, इस दौरान उप जिलाधिकारी सिरौली गौसपुर सीओ रामनगर सहित बदोसराय, दरियाबाद एवं टिकैतनगर की पुलिस सुरक्षा के मद्देनजर मौजूद रही। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत पूर्व सांसद व मंत्री बैजनाथ रावत अयोध्या स्थित श्री हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत बलराम दास,कोटवाधाम के महंत निलेंद्र बक्स दास,नगर पंचायत टिकैत नगर के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्ता ब्लॉक प्रमुख चंद्रशेखर वर्मा पूर्व प्रमुख दृगपाल सिंह दिनेश सिंह इंद्र प्रताप सिंह राकेश सिंह मुन्ना अयोध्या सांसद लल्लू सिंह के पुत्र विकास सिंह रामकृष्ण चतुर्वेदी प्रधान संघ के पूर्व अध्यक्ष अमर बहादुर सिंह,प्रेम दास,कलमेश दास,दुर्गेश दीक्षित, गुड्डू दीक्षित,अमित पाण्डेय,उज्ज्वल पाण्डेय सहित तमाम क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद ने उद्योग आयुक्त को भेजा प्रस्ताव वस्त्र निर्माण क्लस्टर से कटनी में बढेंगे रोजगार के अवसर

रेडीमेड वस्त्र क्लस्टर निर्माण हेतु टिकरिया में भूमि हुई चिन्हित

द अचीवर टाइम्स/पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। कटनी जिले के ग्राम टिकरिया पहरूआ में उपलब्ध खसरा नंबर 65 की शासकीय राजस्व भूमि को रेडीमेड वस्त्र क्लस्टर निर्माण हेतु चिन्हित किया गया है। कलेक्टर अवि प्रसाद के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटनी ने खसरा नंबर 65 की शासकीय भूमि मे से 2.98 हेक्टेयर भूमि सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योग विभाग को वस्त्र निर्माण के क्लस्टर हेतु हस्तांतरित किये जाने का प्रस्ताव प्रेषित किया है। कटनी में वस्त्र निर्माण क्लस्टर शुरू होने पर रोजगार के अवसर बढेंगे और कटनी के औद्योगिक परिदृश्य में भी विकासात्मक बदलाव परिलक्षित होगें। कलेक्टर श्री प्रसाद ने प्रेषित प्रस्ताव मे आयुक्त सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग से कहा है कि रेडीमेड वस्त्र क्लस्टर निर्माण हेतु संबंधितों को मध्यप्रदेश नजूल निर्वतन निर्देश 2020 के तहत आवेदन प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित करने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि आयुक्त एम.एस.एम.ई. ने कलेक्टर को भूमि आवंटित करने के लिए पत्र लिखकर कटनी रेडीमेड वस्त्र निर्माता संघ द्वारा रेडीमेड वस्त्र क्लस्टर निर्माण हेतु रेल्वे स्टेशन से 5 किलोमीटर के दायरे में 5 से 10 एकड़ भूमि की मांग किये जाने का उल्लेख करते हुए पत्र लिखा था। जिसमें उल्लेखित किया गया था कि रोजगार के अवसरों एवं निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एम.एस.एम.ई विभाग द्वारा एम.एस.एम.ई को भूमि आवंटन तथा भवन आवंटन प्रबंधन नियम लागू किया गया है। इस नियम के तहत प्रदेश के संतुलित औद्योगिक विकास एवं दूरस्थ क्षेत्रों में औद्योगिक संरचना के विकास के अंतर्गत निजी विकासकर्ताओं के माध्यम से बेहतर औद्योगिक संरचना का विकास और रख-रखाव के उद्देश्य से क्लस्टर विकास हेतु विभाग के अधिपत्य की अविकसित भूमि आवंटित किये जानें का प्रावधान है। आयुक्त ने कलेक्टर को लिखे पत्र में यह भी उल्लेखित किया है कि कटनी रेडीमेड वस्त्र निमार्ता संघ द्वारा यह भी अवगत कराया गया है कि कटनी जिले में रेडीमेड वस्त्र निर्माण करनें वाले लगभग 100 उद्योगपति है जिनकी ईकाईयों के माध्यम से लगभग 4 हजार लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। जिनमें से 50 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है।

गारमेंट उद्योग को लगेंगे पंख

क्लस्टर बनने से जिले मे रेडीमेड वस्त्र निर्माण में संलग्न इकाइयों के माध्यम से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। यहां मौजूद छोटे- बडे स्तर पर रेडीमेड वस्त्र निर्माण जैसे सलवार सूट, कुर्ती, शर्ट, बरमूडा, बैग, स्कूल ड्रेस, छाता, अंडरवियर, पेटीकोट, रूमाल, कमीज, टाई, स्कार्फ उद्योग को पंख लगेंगे और यहां से निर्मित होने वाले रेडीमेड वस्त्रों के निर्यात में बढोत्तरी होगी। जिससे अनुमानित तौर पर करीब 3 करोड रूपये का जी.एस.टी शासन को प्राप्त होना संभावित है।

यातायात पुलिस खीरी ने जारी किया हेल्पलाइन सेवा का नंबर

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी गणेश प्रसाद साहा के दिशा निर्देशों के अनुपालन में लखीमपुर शहर में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और बेहतर बनाने के प्रयास में जनपद खीरी यातायात पुलिस द्वारा यातायात हेल्पलाइन नंबर 9454844045 जारी किया गया है।यातायात पुलिस ने नगर के सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि नगर में कहीं भी जाम की स्थिति उत्पन्न होती है तो वे तत्काल यातायात हेल्पलाइन नंबर- 9454844045 पर सूचना देने का कष्ट करें ताकि यथाशीघ्र यातायात मोबाइल दस्ते को भेजकर यातायात सुचारू रूप से बहाल किया जा सके। उक्त कार्य में सभी सम्मानित नागरिकों का सहयोग अपेक्षित है।

हिन्दू महासभा ने पांच जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश इकाई ने आज प्रदेश के पांच जिलों में अध्यक्षों को नियुक्त किया है, जबकि एक जिले में प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी के कार्यालय के मुताबिक प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने इन नियुक्तियों की घोषणा करते हुये बताया कि अर्जुन सिंह को उरई, राकेश कुमार को प्रयागराज, दिलीप कुमार त्रिपाठी को प्रतापगढ़, रमेश कुमार शुक्ला को सीतापुर व विभू बंसल को अमरोहा का जिलाध्यक्ष बनाया गया है जबकि यशवीर सिंह को प्रयागराज का प्रभारी बनाया गया है। नवनियुक्त जिलाध्यक्षों व प्रभारी को शुभकामनायें देते हुये प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने भरोसा जताया कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अपने-अपने जिलों में पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाने के साथ संगठन को मजबूत करने की दिशा में सक्रियता के साथ कार्य करेंगें। वहीं दूसरी ओर संगठन में मिली इस नई जिम्मेदारी पर ऋषि त्रिवेदी के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुये कहा कि संगठन की मजबूती कार्य करेंगे।

थाना ढीमरखेडा पुलिस व्दारा टैक्टर ट्राली के चोरो को किया गिरफ्तार

द अचीवर टाइम्स/पप्पू उपाध्याय

मध्य प्रदेश,कटनी। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना प्रभारी ढीमरखेडा के नेतृत्व में दिनांक 07.02.24 को टैक्टर ट्राली चोरी के प्रकरण में आरोपी रघुवीर उर्फ खेतई पिता गलगजन उर्फ दजलगंज उम्र 26 साल निवासी ग्राम सलैया थाना ढीमरखेडा एंव रोहित ठाकुर उर्फ राजेश उर्फ बंटू पिता शिवदयाल सिंह उम्र 29 साल निवासी ग्राम झिन्नापिपरिया को गिरफतार गिरफ्तार किया गया है । घटना का सक्षिप्त विवरण दिनांक 01.2.24 को प्रार्थी वीरेन्द्र कुमार पिता जमुनाप्रसाद पटेल उम्र 56 साल निवासी ग्राम झिन्नापिपरिया जिला कटनी का थाना उपस्थित

आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 22.01.24 के शाम 04 बजे से दिनांक 30.01.24 के सुबह 08 बजे के बीच मेरी टैक्टर ट्राली किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ले गया है जो आवेदक की रिपोर्ट पर थाना ढीमरखेडा में अपराध कंमाक 41/24 धारा 379 ता.हि. का प्रकरण दर्ज कर अज्ञात आरोपी एंव मशरूका की तलाश पतासाजी की गई जो दिनांक 07.02.24 को आरोपी रघुवीर उर्फ खेतई पिता गलगजन उर्फ दजलगंज उम्र 26 साल निवासी ग्राम सलैया थाना ढीमरखेडा एंव रोहित ठाकुर उर्फ राजेश उर्फ बंटू पिता शिवदयाल सिंह उम्र 29 साल निवासी ग्राम झिन्नापिपरिया से कडाई से पूछताछ की गई जिनके द्वारा जुर्म करना स्वीकार किया गया एंव चोरी किया हुआ टैक्टर ट्राली किमती 150000 एंव टैक्टर ट्राली चोरी करने प्रयुक्त मैसी कंपनी का लाल टैक्टर किमती 500000 को आरोपी के कब्जे से जप्त किया गया है आरोपी द्वारा साक्ष्य छुपाने की मंशा से ट्राली में पीला रंग लगा दिया गया था जो प्रकरण में धारा 201 ता.हि. इजाफा किया गया आरोपियों को गिरफतार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है । पुलिस कार्यवाही मे विशेष भूमिका उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी मोहम्मद शाहिद, सउनि जयचंद उईके आर, . पंकज सिंह आर ,. अजय धुर्वे का विशेष योगदान रहा।

रेलवे फोर्ज्ड वैगन व्हील के बड़े कारोबार पर ध्यान केंद्रित करेगी हिल्टन मेटल फोर्जिंग

कंपनी ने सालाना 48,000 व्हील्स बनाने की क्षमता स्थापित की

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। स्टील फोर्जिंग उद्योग में कार्यरत प्रमुख निर्माता और वितरक हिल्टन मेटल फोर्जिंग लिमिटेड रेलवे फोर्ज्ड वैगन व्हील, फ्लैंज, फिटिंग और ऑयलफील्ड और मरीन प्रोडक्ट्स जैसे उत्पादों में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी ने रेलवे फोर्ज्ड वैगन व्हील के बड़े कारोबार पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बनाई है। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने सालाना 48,000 व्हील्स बनाने की क्षमता स्थापित की है और इसका लक्ष्य प्रतिस्थापन बाजार में बढ़ती मांग को पूरा करना है। कंपनी निकट भविष्य में टेंडर के माध्यम से बड़े रेलवे फोर्ज्ड वैगन व्हील ऑर्डर हासिल होने उम्मीद भी कर रही है। 2022 की शुरुआत में कंपनी ने तकनीकी रूप से विशिष्ट उत्पाद - रेलवे फोर्ज्ड वैगन व्हील व्यवसाय का विकास शुरू किया था। पिछले 18 महीनों में कंपनी ने 2000 से अधिक रेलवे फोर्ज्ड वैगन व्हील्स और रेल गियर ब्लैंक की आपूर्ति की है। कंपनी देश में विभिन्न भारतीय रेलवे वर्कशॉप्स में प्रतिस्थापन बाजार के लिए रेलवे फोर्ज्ड वैगन व्हील की आपूर्ति करती है। वर्ष 2005 में स्थापित %हिल्टन मेटल फोर्जिंग लिमिटेड% स्टील फोर्जिंग उद्योग में एक प्रमुख निर्माता और वितरक के रूप में स्थापित हुई है और यह फ्लैंज, फिटिंग और ऑयलफील्ड और मरीन प्रोडक्ट्स जैसे उत्पादों में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी ने टरबाइन ब्लेड के निर्माण और फोर्ज्ड वैगन व्हील्स के उत्पादन के साथ रेलवे उद्योग में प्रवेश करके अपने पोर्टफोलियो का सफलतापूर्वक विस्तार किया है। कंपनी के पास महाराष्ट्र के वाडा में 5 एकड़ में फैली निर्माण इकाई में एक ही छत के नीचे फोर्जिंग, मशीनिंग, हीट ट्रीटमेंट और लैब परीक्षण की पूरी इन-हाउस सुविधा है। कंपनी के रेलवे फोर्ज्ड वैगन व्हील को प्रदर्शित गुणवत्ता और डिलीवरी के साथ थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसी- %राइट्स लिमिटेड% द्वारा मंजूर किया गया है। सफल ट्रैक रिकॉर्ड के साथ %हिल्टन मेटल फोर्जिंग्स लिमिटेड% भारतीय रेलवे द्वारा जारी ग्लोबल व्हील टेंडर के लिए एक मजबूत बोलीदाता है। कंपनी निकट भविष्य में टेंडर के माध्यम से बड़े रेलवे फोर्ज्ड वैगन व्हील ऑर्डर की उम्मीद भी कर रही है। निदेशक मंडल ने गर्व से घोषणा की कि कंपनी ने भारतीय रेलवे के लिए रेलवे व्हील्स का सफलतापूर्वक विकास व आपूर्ति की है और स्वदेशी रेलवे फोर्ज्ड वैगन व्हील का उत्पादन करने वाली पहली भारतीय एमएसएमई कंपनी होने का गौरव हासिल किया है। कंपनी अब वैश्विक टेंडर्स में भाग लेने के लिए पात्र है। उल्लेखनीय है कि ज्यूपिटर वैगन्स ने ट्रायल ऑर्डर के रूप में हिल्टन मेटल फोर्जिंग लिमिटेड को 250 फोर्ज्ड वैगन व्हील सेट का ऑर्डर दिया है। शुरुआती 250 सेटों की सफल आपूर्ति के बाद ज्यूपिटर वैगन्स ने सालाना 6000 फोर्ज्ड वैगन व्हील सेट की खरीद के लिए एक आशय पत्र (एलओआई) जारी किया है, जो बाजार में कंपनी की बढ़ती पहचान और क्षमता को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, हिल्टन मेटल फोर्जिंग लिमिटेड फोर्ज्ड वैगन व्हील सेट के लिए संभावित ग्राहकों के रूप में अन्य वैगन विनिर्माण ओईएम की पहचान भी करता है, जिससे कंपनी की बढ़ती बाजार पहुंच और रेलवे उद्योग में आशाजनक भविष्य का संकेत मिलता है। कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में परिचालन स्तर पर असाधारण वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2022 में दर्ज शुद्ध लाभ 1.76 करोड़ रुपए के मुकाबले करीब तीन गुना की वृद्धि के साथ 5.85 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इसी प्रकार वित्त वर्ष 2023 में कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 2022 में दर्ज 84.2 करोड़ रुपए के मुकाबले करीब 25 फ़ीसदी बढ़कर 105.4 करोड़ रुपये दर्ज किया गया।

केन्द्र को अंतरिम बजट में संशोधन कर आगरा के सांसद की बात माननी चाहिये

❖ नये सिविल एन्क्लेव या एयरपोर्ट के निर्माण के लिए विधायकों और पार्षदों की मॉनिटरिंग कमेटी गठित हो।

संवाददाता

आगरा। केन्द्र सरकार को आगरा के सांसद एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रो. एस पी सिंह बघेल सिविल एन्क्लेव ने केंद्रीय अंतरिम बजट में आगरा एयरपोर्ट की शिफ्टिंग के लिये आवश्यक धन आवंटन की मांग कर अंतरिम बजट में आवश्यक संशोधन करना चाहिये। श्री बघेल आगरा के सांसद हैं और उन्होंने नागरिकों की जरूरत और लम्बे समय से चली आ रही मांग के अनुरूप ही मुद्दा उठाया है। सिविल सोसायटी ऑफ आगरा ने कहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत तो यह और भी जरूरी हो जाता है,अगर सिविल एन्क्लेव शिफ्टिंग का काम मार्च 2024 से पहले शुरू नहीं हो सका तो आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मौजूदा सिविल एन्क्लेव को लेकर नागरिक एवं पर्यटन उद्यमियों की नाराजगी का सामना करना पड सकता है।सिविल सोसायटी ऑफ आगरा के जर्नरल सेक्रेटरी अनिल शर्मा ने कहा कि आगरा में सिविल एन्क्लेव को वायुसेना परिसर से बाहर लेजाकर आम नागरिक की सहज पहुंच वाला बनाया जाना आगरा के नागरिकों की एक बहुप्रचारित मांग है ,नागरिकों के द्वारा इसे पूरा करने की अपेक्षा स्वाभाविक ही है,केन्द्र सरकार को अपने अंतरिम बजट में संशोधन कर आगरा के सांसद की बात तो मान ही लेनी चाहिये। आगरा में सिविल एयरपोर्ट वायु सेना परिसर में होने से जहां वायुयान का उपयोग करने वालों को अप्रत्याशित असुविधाओं का सामना रोज करना पडता है,वहीं रक्षा प्रतिष्ठान परिसर की सुरक्षा को दृष्टिगत भी उपयुक्त नहीं है।सिविल सोसायटी ऑफ आगरा ने कहा है कि अब जब कि वायुसेना परिसर के बाहर 141.13 एकड़ जमीन उपलब्ध हो चुकी है और उसके 49.8 एकड़ भाग पर टर्मिनल निर्माण की सभी औपचारिकताएं भी क्लियर हो चुकी हैं तो अविलम्ब टर्मिनल निर्माण का कार्य शुरू कर दिया जाना चाहिये। सिविल सोसाइटी ऑफ आगरा ने कहा है कि एयरपोर्ट अथॉरिटी अब विलम्ब होने के कारण को दूर करना चाहिए और बताना चाहिये कि कि नये सिविल एन्क्लेव का निर्माण कब से शुरू होने जा रहा है।

विधायकों और पार्षदों की मॉनिटरिंग कमेटी गठित हो

सिविल सोसायटी ऑफ आगरा ने आगरा सिविल एयरपोर्ट निर्माण में होते रहे विलंब और अस्पष्ट स्थितियों को दृष्टिगत विधायकों, पार्षदों और जिला पंचायत सदन के प्रतिनिधियों की एक मॉनिटरिंग कमेटी गठित किये जाने का अनुरोध किया है।वर्तमान में नागरिक प्रतिनिधित्व करने के तौर पर गठित एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी का अधिकार क्षेत्र एयरपोर्ट पर नागरिक सुविधाओं और एयर कनेक्टिविटी बढवाये जाने को सुझाव देने तक ही सीमित है। जो जानकारी सामने आयी है कि सिविल एन्क्लेव /सिविल एयरपोर्ट के निर्माण के लिए जो टेंडर निकाला गया है उसमें प्रोजेक्ट कास्ट 441.79 करोड़ दर्शायी गयी है,एनवायरमेंट क्लीयरेंस जिस प्रोजेक्ट पर मिली है उसमें कीमत 300 करोड़ रुपये है ,जबकि एयरपोर्ट अथॉरिटी ने खुद अपनी ओर से आधिकारिक नवीनतम जानकारी में प्रोजेक्ट कास्ट 579 करोड़ बतायी गयी है। हर जानकारी में सौ करोड़ (एक अरब) रुपये से ज्यादा का अंतर है। एयरपोर्ट अथॉरिटी एक जिम्मेदार शीर्ष कार्यदायी प्रतिष्ठान है इस लिये उससे सटीकता पूर्ण जानकारियां ही अपेक्षित हैं। जबकि जो जानकारियां अब तक आयी है, उनमें प्रोजेक्ट की कीमत को लेकर बहुत बडा अंतर है, सिविल सोसायटी का मानना है कि पूरी पारदर्शिता के साथ नागरिकों के समक्ष वस्तुस्थिति लायी जानी चाहिये।

एनवायरमेंट क्लीयरेंस सिर्फ 49.8 एकड़ के प्रोजेक्ट को ही

एनवायरमेंट क्लीयरेंस मिलना एक एक गंभीर मुद्दा है, जिस क्लीयरेंस को मिलने की जानकारी आधिकारिक रूप से सार्वजनिक की गई है,वह 700 पैसेंजरों की क्षमता के टर्मिनल की है,जो कि 49.8 एकड़ जमीन में बनना है।यह प्रोजेक्ट तो 2018 का है,इसे ही सुप्रीम कोर्ट से भी क्लीयरेंस मिली है।जनवरी 2023 में सुप्रीम कोर्ट से मिली क्लीयरेंस के बाद जहां निर्माण शुरू हो जाना चाहिए था,वहीं इसके स्थान फिर यू पी सरकार से क्यों 92.5 एकड़ जगह मांगी गयी। जो कि उप्र सरकार को आगरा तहसील के राजस्व गांव बल्हेरा, अभयपुरा और धनौली के 278 किसानों से 123.50 करोड़ की राशि से खरीद कर एयरपोर्ट अथॉरिटी को उपलब्ध करवानी पडी है।

गति शक्ति मिशन पर अपलोड प्रोजेक्ट प्रोफाइल को लेकर संशय

प्रधानमंत्री गति शक्ति मिशन योजना के पोर्टल पर अपलोड आगरा सिविल एयरपोर्ट की स्थिति क्या है ,इसमें निवेशकों को 700 पैसेंजरों की क्षमता वाले एयरपोर्ट प्रोजेक्ट में ही निवेश करने को अवसर प्रदान किया गया है 92.5 एकड़ जमीन सहित 141.13 एकड के पूरे प्रोजेक्ट पर। गतिशक्त मिशन भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण मिशन व उसका पोर्टल है,इसके माध्यम से निवेशकों से संवाद का प्रयास होता है किंतु सिविल एयरपोर्ट ही नही किसी भी प्रोजेक्ट में अगर जमीन , डी पी आर और अनुमानित लागत स्पष्ट नहीं होती है तो निवेशक को तैयार करना आसान नहीं होता । जैसा कि प्रचारित है कि सरकार को अपने ही धन से बनाना है तो फिर प्रोजेक्ट को गति शक्ति मिशन पोर्टल पर डालने का औचित्य नहीं था।

एडीए ने फिर कहा सुप्रीम कोर्ट जाने को

आगरा विकास प्राधिकरण ने एयरपोर्ट अथॉरिटी को एक पत्र दिनांक 28-2-23 वीसी एडीए के द्वारा ताज ट्रिपेजियम जोन अथॉरिटी के सेक्रेटरी के रूप में लिखा था । इस पत्र में पेड़ों को काट से पूर्व सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेने को कहा गया है। यह पत्र चूंकि जनवरी 2023 में सुप्रीम कोर्ट से प्रोजेक्ट की क्लीयरेंसो के बाद लिखा गया है, इस लिये एयरपोर्ट अथॉरिटी को स्पष्ट करना चाहिये कि पेड़ों को काटने की अनुमति के लिये क्या फिर से सुप्रीम कोर्ट जाना पडेगा।जिस डीपीआर को सुप्रीम कोर्ट और मौसम पर्यावरण ,वन और जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण मंत्रालय से अनुमति ली गयी है, उसमें क्या उन पेड़ों का उल्लेख नहीं था जिनका एयरपोर्ट बनवाय जाने को पातन किया जाना है।सर्वविदित है कि इस प्रकार की अनुमतियां लेने में अत्यधिक समय लगता है।

विलंब आगरा के हितों प्रतिकूल

एयरपोर्ट आगरा के आर्थिक विकास और नागरिक अवस्थापना सुविधाओं से सीधे तौर पर जुड़ा मुद्दा है, इस लिये एयरपोर्ट अथॉरिटी को जो भी औपचारिकताएं हैं,एकाधिकारी कार्यदायी निकाय (प्राधिकरण) होने के नाते शीघ्र पूरी करवानी चाहिये। चूंकि आगरा के सिविल एयरपोर्ट का मामला एक न एक कारणों से 2012 से ही लटका चल रहा है इस लिये इसे लेकर अब अधिक विलंब नहीं किया जाना चाहिये।विलंव से जहां आगरा के हितो पर प्रतिकूल असर पड रहा है,वहीं दो सौ किमी एरियल डिस्टेंस के दायरे में स्थित एयपोर्टो को अतिरिक्त पैसेंजर फुटफॉल मिल रहा है।

92.5 एकड़ के लिये क्या अलग से प्रोजेक्ट बनेगा

एयरपोर्ट अथॉरिटी को स्पष्ट करना चाहिये कि 92.5 एकड़ जमीन के लिये क्या अलग से प्रोजेक्ट बनेगा और क्लीयरेंस ली जाएगी अथवा 49.8एकड जमीन में एयरपोर्ट बनाये जाने के लिए ली गई अनुमति ही पर्याप्त होगी। नागरिक जानना चाहते हैं कि 141.13एकड (92.5+49.8 एकड़) जमीन के लिये नयी डीपीआर (प्लान) बनेगा या फिर 49.8 एकड़ पर निर्माण के लिये ली गयी क्लीयरेंसों से ही काम चल जायेगा।92.5 एकड़ के लिये अगर अलग से अनुमति ली जानी है तो फिर प्रोजेक्ट को प्रथम चरण और द्वितीय चरण के रूप में क्यों नहीं लिया जाता। जिससे कि पहले चरण के रूप में 49.8 एकड़ जमीन पर उन कार्यो को करवाया जाना कार्य करवाये जाना शुरू हो सके।

एक नज़र

रजत जयंती: रामचरितमानस की चौपाइयों पर आधारित अंताक्षरी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

आगरा। विगत दिनांक 5 फरवरी 2024 को गणेश राम नागर सरस्वती बालिका विद्या मंदिर के प्रांगण में, विद्यालय की रजत जयंती (25वर्ष) के उपलक्ष्य में, रामचरितमानस की चौपाइयों पर आधारित अंताक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर कार्यक्रम का आयोजन मुख्यअतिथि उमेश कंसल, श्रीमती निधि बंसल, प्रबंधिका श्रुति सिंघल, कोषाध्यक्षा दुर्गेश शर्मा, प्रधानाचार्या चारु पटेल, रश्मि अग्रवाल के कर कमलों द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्या भारती के 09 विद्यालयों के 40 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। सभी ने प्रस्तुतिकरण बड़ी ही सहजता से किया। यह प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई, शिशु वर्ग और बाल वर्ग। शिशु वर्ग व बाल वर्ग के छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति ने मन मोह लिया। शिशु वर्ग में प्रथम स्थान कमला नगर सरस्वती शिशु मंदिर की छात्रा पूर्वी धनगर, अनुज्ञा भारद्वाज, पावनी सिकरवार द्वितीय स्थान शाहगंज शिशु मंदिर की छात्रा केसर, अवंतिका, वंशिका तृतीय स्थान शास्त्रीपुरम शिशु मंदिर की छात्रा सरस्वती, ज्योति, दमयंती, सांत्वना पुरस्कार सुभाष पार्क शिशु मंदिर के छात्र -छात्रा अनुपम, रौनक, भूमिका धाकड़ ने प्राप्त किया। बाल वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली विजयनगर सरस्वती शिशु मंदिर की छात्रा मानवी शाक्य, अनुष्का सिंह, तान्या जादौन द्वितीय स्थान तहसील मार्ग सरस्वती शिशु मंदिर की छात्रा दीपांशी कुमारी, मानवी चौहान, दिव्यांशी कुशवाहा तृतीय स्थान शास्त्रीपुरम शिशु मंदिर की छात्रा वर्षा, वैष्णवी, मांडवी सांत्वना पुरस्कार महर्षि पुरम शिशु मंदिर की छात्रा सपना, मेघा, भूमि रावत ने प्राप्त किया। प्रबंधिका श्रुति सिंघल ने छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आज के दौर में नन्हे मुन्ने छात्र-छात्राओं ने आज के पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण के युग में रामायण की चौपाइयों पर गायन -वादन व अंताक्षरी प्रतियोगिता में भाग लेकर भारतीय संस्कृति व परंपराओं को अखंड बनाए रखने का सार्थक प्रयास किया है। इसी प्रकार से विद्या भारती के विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन करके भविष्य के भारत की नींव को मजबूत किया जाता है। तत्पश्चात प्रधानाचार्या चारु पटेल ने आए हुए, अतिथियों का, आचार्य -आचार्यो एवं विद्यालय परिवार का धन्यवाद किया।

अपनी दुर्दशा पर आसू बहाती हनुमान जी की प्रतिमा

सार्वजनिक शौचालय की गंदगी से उठती दुर्गंध से लोगो का जीना दुश्वार

धर्म स्थल पर अराजक तत्वों का रहता है बोलबाला शराब की लगती है महफिल

आगरा। जैसा कि सब जानते हैं कि आगरा एक ऐतिहासिक नगरी है जहा ताज महल के साथ साथ आगरा के चारो कोनो पर विराजमान भगवान भोले शंकर के मंदिर अपनी प्राचीनता के साथ साथ आस्था के केंद्र बिंदु है जहां रोजाना श्रद्धालु अपनी मनोकामना लेकर पहुंचते हे और पूजा अर्चना करते हैं। लेकिन इसी नगरी में एक धर्म स्थल ऐसा भी हे जहा वर्षो से स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। सनातन संस्कृति में हनुमान जी को कलयुग के संकट मोचन माना गया है। और सबसे बड़ी बात यह है कि हनुमान जी के नाम पर तमाम हिंदूवादी संगठन भी कार्य कर रहे हैं। लेकिन आज हनुमान जी की प्रतिमा को जिर्णोउद्धार की दरकार है। बता दे कि बिजली घर बस स्टेंड के नजदीक ही एक धार्मिक स्थल है जहां वर्षो पुराना प्राचीन बरगद के पेड़ के नीचे विराजमान हनुमान जी की प्रतिमा काफी प्राचीन है। जहा किसी भी भक्त,समाजसेवी, हिंदूवादी संगठन की नजर नहीं पहुंची। यहां के हालात इतने खराब हैं कि प्रतिमा के पास ही सार्वजनिक शौचालय होने के कारण गंदगी का अंबार लगा हुआ है। शौचालय से निकलने बाला मलमूत्र व गंदे पानी की दुर्गंध से आसपास के दुकानदार भी काफी परेशान है।वही पर सीवर का मेन हॉल खुला होने के कारण उफान होने से गंदा पानी हनुमान जी की प्रतिमा के आसपास भरा रहता है। धर्मस्थल पर तमाम लोगो ने अपनी ठेल खड़ी कर रखी है। चंद कदम की दूरी पर शराब की दुकान के कारण अराजक तत्वों द्वारा सुबह से शाम तक शराब की महफिलों का दौर चलता हे। शहर में तमाम हिंदूवादी संगठनों,नेताओ,समाज सेवियों द्वारा शहर के तमाम मंदिरों,यमुना पर महाआरती,जागरण,पूजा अर्चना भंडारे करते दिखाई देते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इस जगह पर किसी की नजर आज तक नहीं गई। जबकि शहर के सबसे व्यस्त चौराहे में गिने जाने वाले बिजली घर चौराहे पर जहा रोजाना लाखो की संख्या में लोग सुबह से शाम तक गुजरते हे। न तो किसी अधिकारी की नजर गई न किसी समाज सेवी की। अब देखने बाली बात है कि क्या हनुमान जी की प्रतिमा अपनी बदहाली पर ऐसे ही आसू बहाती रहेगी या फिर इस धर्म स्थल का जीर्णोद्धार होगा ये देखने बाली बात होगी।

वायुसेना में अग्निवीर की भर्ती हेतु दिया गया प्रशिक्षण

प्रमुख संवाददाता शहडोल विजय कुमार विश्वकर्मा कि रिपोर्ट

शहडोल। अग्निवीर योजना के अंतर्गत वायुसेना में भर्ती हेतु प्रशिक्षण देने के लिए 31 जनवरी एवं 01 फरवरी को शासकीय उच्चतर माध्य0 विद्या0 रघुराज कमॉक-1 में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में 15 एयरमैन सेलेक्सन सेंटर, मोपाल की अनुभवी टीम एवं जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि अग्निवीर किस तरह से युवाओं के लिए हितकारी योजना है तथा इसका देश हित में क्या महत्व है, साथ ही साथ यह महत्वपूर्ण है कि युवाओं के जीवन को किस तरह से अनुशासित बनाता है। अग्निवीर के माध्यम से देश की सेवा के लिए सबसे अच्छा मौका है। इससे युवाओं को रोजगार मिलने के साथ देश की सेवा का सुनहरा अवसर मिल रहा है। प्रशिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को आनलाइन भर्ती प्रकिया, शैक्षणिक योग्यता एवं आवश्यक अहर्ता एवं वेतनमान से लेकर सभी प्रकार जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के अधिकारी श्री ओंकार गवली एवं श्री विश्वास कुमार शुक्ला ने उपस्थित होकर प्रशिक्षण को पूर्ण कराने में सहयोग और सतत संचालन हेतु निर्देशित किया। अग्निवीर योजना के माध्यम से भर्ती हेतु बीडियों के द्वारा संपूर्ण प्रकिया की जानकारी प्रदान की गई एवं इस संबंध में पंपलेट भी बाटे गये। इस दौरान कैरियर काउंसलिंग के समस्त अधिकारी एवं सदस्यों की उपस्थित रही है। शासकीय उच्चतर माध्य0 विद्या0 रघुराज कमॉक की प्राचार्या श्रीमती आमा शुक्ला ने बताया कि इस तरह की जानकारी से छात्र काफी उत्साहित हैं तथा छात्रों के कैरियर के लिए काफी उपयोगी है। विदार्थियों को भर्ती के संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु जिला सैनिक कल्याण कार्यालय शहडोल में संपर्क कर सकते है। प्रशिक्षण के दौरान पं0 शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री आशीष तिवारी, कैरियर काउंसलर प्रोफेसर अमित निगम, प्रोफेसर बी0के0 शर्मा, प्रोफेसर डा0 आदर्श तिवारी, प्रोफेसर ज्योति सिंह, सहा0 प्राध्यापक ममता प्रजापती, डा0 रूचि सिंह, कन्या महाविद्यालय के प्रोफेसर राजीव श्रीवास्तव, आई.टी.आई. कालेज प्राचार्य श्री एस.के. वर्मा, कैरियर काउंसलर श्री संजय गुप्ता एवं रघुराज कमांक 1 की प्राचार्या श्रीमती आभा शुक्ला सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

शालेय राज्य स्तरीय लाठी एवं सिपक टकरा प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

जिला ब्यूरो चीफ शहडोल विवेक दुबे कि रिपोर्ट

शहडोल। शालेय राज्य स्तरीय लाठी उज्जैन में एवं सिपक टकरा प्रतियोगिता जबलपुर में आयोजित की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहडोल संभाग की टीम ने राज्य स्तर की प्रतियोगिता में भाग लिया और काफी संख्या में खिलाड़ियों ने पदक प्राप्त किया है जिन छात्र खिलाड़ियों को राज्य स्तर में स्थान मिला है ,उन्हें लोक शिक्षण संचनालय भोपाल से मेरिट प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं, जिन्हें आज सहदेव सिंह मेरावी संयुक्त संचालक, बी डी पाठक सहायक संचालक, रईस अहमद सहायक संचालक खेल, रवि शुक्ला, रमेश नापित,सी बी सोनिया कार्यालय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण शहडोल संभाग द्वारा खिलाड़ियों एवं कोच को प्रमाण पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया। खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है खेल का नाम लाठी 19 वर्ष दो लाठी बालक 35 किलोग्राम में प्रखर विश्वकर्मा प्रथम एवं 35 किलोग्राम एक लाठी में द्वितीय स्थान, 68 किलोग्राम में प्रेम तोड़नी तृतीय स्थान 68 किलोग्राम में भविष्य सेठी, तृतीय स्थान 42 किलोग्राम अमरदीप सिंह दो लाठी में द्वितीय स्थान एवं एक लाठी में द्वितीय स्थान, बालिका 19 वर्ष में 33 किलोग्राम राधिका सिंह द्वितीय स्थान 57 किलोग्राम में मधु सिंह तृतीय स्थान 65 किलोग्राम में निधि वर्मा तीर्थ स्थान 49 किलोग्राम प्रतिभा सिंह द्वितीय स्थान 44 किलोग्राम भूमि करी द्वितीय स्थान 64 किलोग्राम सलाल सारी द्वितीय स्थान प्राप्त किया 64 किलोग्राम निधि वर्मा तृतीय स्थान। इसी प्रकार सिपक टकरा(रेगू) में बालिका वर्ग में राशि कहार,भूमिका देवी, रिशिता सिंह, शिफत आदिल, रिशिका वर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालक 19 वर्ष में सचिन सिंह ,शुभम केवट, श्लोक मिश्रा, सुजल पटेल ,हरीश कुमार दुबे, ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने पटाखा फैक्ट्रियों का निरीक्षण कर शासन को प्रतिवेदन भेजने के दिए निर्देश

❖ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरदा के हादसे के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस से सभी जिला कलेक्टर्स को दिए निर्देश।

❖ हरदा हादसे में कोई दोषी बख्शा नहीं जाएगा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

❖ हरदा की घटना में घायल लोगों के समुचित उपचार का प्रबंध हो- मुख्यमंत्री।

स्टेट हेड मध्यप्रदेश कि रिपोर्ट

शहडोल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में हरदा के हादसे की विस्तार पूर्वक जानकारी ली। कलेक्टर हरदा और कमिश्नर भोपाल जो हरदा में ही है उनसे विस्तृत चर्चा कर घायलों के उपचार की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए हैं कि 24 घंटे में प्रतिवेदन भेजें उनके जिले में संचालित फटाका फैक्ट्री का संचालन नियम अनुसार हो रहा है कि नहीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस घटना में दोषी सिद्ध व्यक्तियों को कतई बख्शा नहीं जाएगा।

मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह और अधिकारी दल ने दी घटना की जानकारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह ने हरदा का दौरा करने के बाद मंत्रालय में हुई बैठक में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट की घटना की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि समस्त गंभीर घायलों को एम्स भोपाल और नर्मदा ट्रामा सेंटर भोपाल में उपचार के लिए लाया गया है। अब तक 10 नागरिकों की मृत्यु का समाचार है। कुल 172 नागरिकों के उपचार का कार्य प्रारंभ होने के बाद आज शाम तक 48 नागरिक उपचार के बाद डिस्चार्ज होकर घर पहुंच गए हैं। शेष मामूली घायल नागरिकों का इलाज चल रहा है, जिनमें से अधिकांश रात्रि घर कुशलता से पहुंच जाएंगे। बैठक में बताया गया कि फैक्ट्री परिसर के आस-पास हरदा के अन्य नागरिक न आएं इसकी व्यवस्था भी की गई है। स्लैब को निकालकर सावधानीपूर्वक हटाया जा रहा है जिससे किसी नागरिक के दबे होने की आशंका को समाप्त कर उसे निकालकर आवश्यक उपचार की व्यवस्था की जा सके।

एक-एक घायल को मिले पूरा उपचार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए किय हरदा के हादसे में घायल एक-एक व्यक्ति को समुचित उपचार दिलवाया जाएगा। इसके लिए शिविर लगाकर आवश्यक सहायता दी जाए, कमिश्नर भोपाल इस कार्य की निगरानी करें। जो नागरिक इस हादसे में बच नहीं सके, उनके अंतिम संस्कार के लिए आवश्यक सहायता की जाए। सेना से बुलाए गए हेलीकॉप्टर का आवश्यकता के अनुसार उपयोग किया जाए।

परिवारों तक पहुंचाए सहायता राशि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए हैं कि राज्य सरकार की ओर से प्रत्येक मृतक के परिवार को चार-चार लाख रूपए की राशि, गंभीर घायल व्यक्ति के लिए दो लाख रूपए की राशि और साधारण रूप से घायल व्यक्ति के लिए 50 हजार की राशि सहायता स्वरूप देने का निर्णय हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रत्येक मृत व्यक्ति के परिवार के लिए दो-दो लाख रूपए और घायल व्यक्ति के लिए 50 हजार रूपए की राशि स्वीकृत की है। हरदा में हादसे से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए 9 जिलों से विभिन्न संसाधनों की व्यवस्था की गई है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ रेस्क्यू से जुड़े कार्यो में संलग्न है। रेडक्रास

तीन दिवासिया शहंशाह शाहजहां रहमतुल्लाह अलैह का उर्स शुरू

संवाददाता

आगरा। खुदामे रोजा ताज महल उर्स कमेटी के अध्यक्ष हाजी ताहिरुद्दीन ताहिर ने कहा कि आज से तीन दिवासिया शहंशाह शाहजहां रहमतुल्लाह अलैह का उर्स शुरू हो गया बाद नमाज जौहर बादशाह शाहजहां वी मुमताज बेगम की असली कब्रों को खोला गया वही अज़ान पढ़ी गई जिसका बाद गुसल की रसमदा की गई वहां फातिहा पढ़ी गई तथा देश के लिए अमन चयन की दुआ अल्लाह से की गई हाजी ताहिरुद्दीन ताहिर ने बताया कि शहंशाह शाहजहां के उर्स में मुशायरे का आयोजन भी किया गया। वही मिलाद शरीफ तथा कव्वाली का आयोजन भी किया गया उर्स के दूसरे दिन बाद नमाज जोहर बादशाह शाहजहां रहमतुल्लाह आले की मजार पर संदल वी गुल पोशी का आयोजन किया जाएगा जिसकी पक्षत कव्वजायेगाका अयोजन भी किया जायेगा बादशाह शाहजहाँ के तीन दिवस उर्स मुबारक मैं तीन दिन निशुलक ताजमहल के अंदर एंट्री की जाती हूं वही उर्स के तीसरे दिन सुबह से निशुलक ताजमहल मौसी की जाएगी दोपहर 2:00 बजे हिंदुस्तान की सबसे लंबी चादर की चादर हिंदुस्तानी सतरंगी चादर बादशाह शाहजहां के मजार पर चढ़ेगी इस बार सतरंगी चादर 1560 मीटर लंबी है जो कि हनुमान मंदिर है दो बता 24 सिद्धि गेट ताहिरुद्दीन ताहिर के निवास से चलकर बादशाह शाहजहाँ के मजार पर पेश की जाएगी।

टोरेंट पावर की लापरवाही ब्यूटी पार्लर में लगी आग, लाखों का सामान स्वाह

संवाददाता

आगरा। आगरा के सदर बाजार पुरानी चक्की के सामने मलिक मार्केट सदर बाजार आगरा स्थित एवलोंन ब्यूटी पार्लर में व ब्यूटी जॉन कॉस्मेटिक शॉप में सोमवार को रात 9:30 बजे शॉट सर्किट से अचानक आग लग गई। आग में लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। दमकल विभाग की एक गाड़ी ने घंटेभर की मशक्कत के बाद आग को काबू में किया। सोमवार को सदर बाजार स्थित ब्यूटी पार्लर में अचानक आग लग गई। मौके पर दमकल विभाग के कर्मियों ने आकर आग बुझाई। प्रारंभिक जांच में ब्यूटी पार्लर संचालिका अफशाना खातून और ब्यूटी जॉन कॉस्मेटिक शॉप के मालिक चंद्र प्रकाश तिवारी ने आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया और टोरेंट पावर की लापरवाही बताई। अफशाना खातून ने बताया कि टोरेंट पावर के कुछ कर्मचारी 2 दिन पहले आए थे और मीटर का कनेक्शन बॉक्स जो की जिसका संख्या क्र1-975, क्र्रक्र/11/6, स्न1ष्ट1रूक्र हे जॉकी मी घर या मार्केट के अंदर नहीं लगा सकते तो कनेक्शन बॉक्स मार्केट के अंदर मना करने पर भी जबरन तरीके से मीटर कनेक्शन बॉक्स को अंदर लगाया। अफशाना ने बताया कि हम लोग रात को ब्यूटी पार्लर 8 बजे के हम अपने घर चले गए। तभी कुछ घंटों बाद हमे कॉल आया की हमारी दुकान में आग लग गई हम लोग तुरंत दुकान पहुंचे तभी हम ने देखा की दुकान में से भयंकर आज की लपटे आ रही हैं सारा सामान जलकर खाक हो गया। पता चला की आग का कारण शॉर्ट सर्किट की वजह से हुआ है जो बगल में टोरेंट पावर ने मीटर बॉक्स लगाया था उसमें शॉर्ट सर्किट हुआ और उसी की वजह से पूरी मार्केट में आग लगी और हमारी दुकान जलकर खाक हो गई। करीब आग लगने से एयर कंडीशनर, एलईडी, गीजर भी आग की चपेट में आ गए।

265 करोड़ के विकास कार्य भीम नगरी क्षेत्र मे समय से पुरे कराये :धर्मेश

❖ सौ शादी की अनुदान राशि, शोभायात्रा निकलने मार्गो की मरम्मत और अंबेदकर पार्को, वाटिकाओ की रंगाई पुताई कराये

संवाददाता

आगरा। भीमनगरी समारोह आयोजन के विधायक डा0 जीएस धर्मेश के साथ अपर जिलाधिकारी(नगर) अनूप कुमार के समक्ष प्रस्तावित विकास कार्यो व व्यवस्थाओं संबंधी कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। बैठक में डा0 अम्बेडकर जयंती एवं भीम नगरीय समारोह केन्द्रीय समिति के पदाधिकारीगण ने अपर जिलाधिकारी से भीमनगरी आयोजन के विकास कार्यो को कराये जाने हेतु एक मांग पत्र प्रस्तुत किया तथा निकाली जाने बाली शोभायात्रा रूट की मरम्मत, व वार्ड नं 02 में देवरी रोड तथा आसपास की बस्तियों में विकास कार्यो हेतु समयबद्ध पूर्ण कराए जाने का आग्रह किया। समिति ने भीम नगरी में विकास कार्य हेतु मधु नगर चौराहा से कोटली बगीची तक सड़क के दोनों तरफ इन्टर लॉकिंग,टाईल्स का निर्माण कार्य कराए जाने, तथा नगर निगम द्वारा प्रस्तावित कार्यो को कराए जाने हेतु लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पूर्व टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने का अनुरोध किया, अपर नगरायुक्त ने प्रस्तावित विकास कार्य हेतु, फंड की उपलब्धता के आधार पर सर्वे कर कार्यो का एस्टीमेट तैयार कर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने की बात कही। बैठक में बताया गया कि भीम नगरी आयोजन क्षेत्र में 18 भीम वाटिकाओं का सौंदर्यीकरण किया जाना है जिस हेतु एडीए द्वारा फंड स्वीकृत किया जाये तथा एडीए पथ कर से मलिन बस्तियों की गलियों का सी.सी.निर्माण कराया जाए। डूडा द्वारा मलिन बस्तियों के नाली-खरंजा निर्माण कार्य किए जाये जिसके लिए फंड स्वीकृत किया जाये। समाज कल्याण विभाग द्वारा दहेज रहित 100 शादियों के लिए अनुदान स्वीकृत किया जाये, टोरंट द्वारा लाईटिंग पोल एवं पोलों पर प्रकाश व्यवस्था की जाये।जलकल विभाग द्वारा मलिन बस्तियों में पेयजल की व्यवस्था का कार्य प्रारंभ कराया जाए।जल निगम द्वारा सीवर कार्य तथा गंगाजल की सप्लाई की जाये, जल निगम द्वारा बताया गया कि पेयजल पाइप लाइन डालने हेतु उक्त क्षेत्र में बुंदू कटरा गंगाजल प्रोजेक्ट के अंतर्गत 265 करोड़ का टेंडर हो गया है शासन से अनुमति मिलते ही अति शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जाएगा। बैठक में वन विभाग द्वारा सड़कों के किनारे वृक्षारोपण भीम नगरी क्षेत्र में किया जायेगा। समिति के सदस्यों ने खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा भीम नगरी क्षेत्र में राशन कार्ड बनवाने के लिए कैम्प लगाने।बस्तियों में चिकित्सा व स्वास्थ केन्द्र एवं आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए कैम्प लगाए जाने हेतु भी माग रखी अपर जिलाधिकारी ने संबंधित को इस हेतु निर्देशित किया।जल कल विभाग द्वारा भीम नगरी क्षेत्र में पानी सीवर के बिल व कनेक्शन किये जायें,शोभायात्रा मार्ग पर लाइट, सड़क मरम्मत, पेड़ों की छटायी ससमय करने तथा 14 अप्रैल आंबेडकर जयंती पर नाला काजी पाड़ा, चक्की पाट आदि में मेला आयोजन स्थल पर सफाई, सड़क, विद्युत, के कार्य कराए जाने की बात कही गई। बैठक में अपर नगरायुक्त ने प्रस्तावित विकास कार्यो को ससमय पूर्ण करने का आश्वासन दिया। विधायक जी एस धर्मेश ने अधिकारियों के साथ विकास कार्यो के प्रस्तावों पर शीघ्र कार्य प्रारंभ किए जाने को निर्देशित किया।

मेरे बेटे ने टिफिन पहुंचाया और हो गया ब्लास्ट, हरदा हादसे में 8 साल के मासूम को ढूंढ रहे पिता ने सुनाई आपबीती

संवाददाता

हरदा हादसा। आज हरदा में सुबह 11 बजे एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से इलाके में अफरा तफरी मच गई। घटना में कई लोगों की जानें गई और कई लोग घायल हैं। एक व्यक्ति ने घटना की आपबीती सुनाई है। वह अपने 8 साल के बेटे को अभी तक ढूंढ रहा है। हरदाः मध्यप्रदेश के हरदा जिले में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट और आग लगने के बाद अफरा तफरी मच गई। जिसमें एक पिता अपने आठ साल के बेटे के लापता होने से चिंतित दिख रहा है। उसने कहा है कि मैं अब तक (आठ साल के) बेटे को नहीं ढूंढ पाया हूं, जो खाना देने वहां आया था। अधिकारियों ने कहा कि प्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग 150 किलोमीटर दूर हरदा शहर के बाहरी क्षेत्र बैरागढ़ इलाके में स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुई घटना में नौ लोगों की मौत हो गई और करीब 200 अन्य लोग घायल हो गए। घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए, जिसमें घटनास्थल पर रुक-रुक कर हो रहे विस्फोटों के साथ आग दिखाई दे रही है और लोग खुद को बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं। कुछ वीडियो में लोगों को यह कहते हुए सुना गया कि पीड़ितों के शरीर के अंग घटनास्थल से काफी दूर तक बिखरे हुए हैं। राजू ने पत्रकारों को बताया कि जैसे ही उसके आठ साल के बेटे ने उन्हें खाना पहुंचाया, कारखाने में विस्फोट हो गया। उसने रुंधी आवाज में कहा कि विस्फोट तब हुआ जब मेरे बेटे गणेश ने मेरे लिए टिफिन पहुंचाया। वह मेरे आगे भागा, लेकिन मैं अब तक उसे ढूंढ नहीं पाया हूं। उन्होंने कहा कि फैक्ट्री में 150 से अधिक लोग काम करते हैं और घटना के बाद वह सुरक्षित स्थान पर भाग गए। कुछ चश्मदीदों ने दावा किया कि फैक्ट्री से उड़ी सामग्री इसके पास की सड़क से गुजर रहे कुछ वाहनों पर भी गिरी। उन्होंने दावा किया कि विस्फोटों की आवाज घटनास्थल से 20-25 किलोमीटर दूर तक भी सुनी गई। कुछ लोगों ने मौके से भागते समय और काफी दूरी पर स्थित मकानों की छतों से आग लगने का वीडियो बनाया। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि घटना में आसपास स्थित कुछ घर भी क्षतिग्रस्त हो गए।

गर्म चावल में महाप्रसाद पकाकर राज्य सरकार ने बहुत बड़ा पाप किया है: मनमोहन सामल

संवाददाता

भुवनेश्वर। पिछले 2 दिनों से पुरी मंदिर से चंचिल्यक की खबर सामने आ रही है, जिसने अनगिनत जगन्नाथ प्रेमियों की आस्था और विश्वास को ठेस पहुंचाई है और पवित्र जगन्नाथ संस्कृति और परंपरा को नष्ट कर दिया है. ओडिशा में इसकी तीखी प्रतिक्रिया हो रही है । परिक्रमा परियोजना के दौरान जिस तरह से बीजू जनता दल द्वारा चावल एकत्र किया गया था, उस पर भी सवाल उठे थे कि अगले दौर में बरमिशा (अरुआ/उसुना) चावल क्यों एकत्र किया जा रहा था। गजपति महाराज ने कहा कि मंदिर प्रबंधन समिति उस चावल संग्रह से सहमत नहीं है। सरकार अब उस बरमिशा (अरूआ/उसुना) चावल को मंदिर में महाप्रसाद के रूप में चढ़ा रही है । यह मंदिर प्रशासन के आदेश पर किया गया है, जिससे हजारों वर्षों की मंदिर नीति और परंपरा नष्ट हो गई है। सवाल यह है कि इतना बड़ा गलत निर्णय किसके इशारे पर, किसके हित में, किसके द्वारा और किसके माध्यम से लिया गया? प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने कहा कि राज्य सरकार को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए । प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में श्री सामल ने कहा, %%मंदिर की परंपरा के अपवाद के रूप में जिस तरह से महाप्रभु से चावल और धान का संग्रह किया गया था, उसके बाद मीडिया में कच्चे चावल संग्रह की खबरें प्रकाशित की गयीं.%% %अर्पण रथ% के माध्यम से अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए।÷ मंदिर के कई सेवकों ने कहा कि एकत्रित बरमीशा चावल का भोग भगवान को नहीं लग पाता है । सिद्धांत के अनुसार, मंदिर में केवल गोटी चौला (एक प्रकार का सूखा चावल) का उपयोग किया जाता है। लेकिन, इन सभी मुद्दों को नजरअंदाज करते हुए सत्ता पक्ष के राजनीतिक दबाव में मंदिर में गर्म धान रोपा गया । पूरे ओडिशा से एक भी भक्त ने यह मांग नहीं की कि भगवान को बरमीशा चावल अर्पित किया जाना चाहिए। मीडिया में सेवायतों की प्रतिक्रिया आ रही है जिसमें वे मंदिर में गर्म चावल के प्रवेश के सख्त खिलाफ हैं । सरकार की ओर से गठित जांच कमेटी के सदस्य पहले ही कह चुके हैं कि गर्म चावल में महाप्रसाद पकाया गया है । गर्म चावल में महाप्रसाद पकाने की मूर्खता किसमें है?

एक नज़र

मीरा रोड पर लिजर्ड के साथ खतरों के खिलाड़ी ने चलाई स्कूटी, लोग हैरान

मुंबई। ट्रैफिक पुलिस हमेशा ड्राइवरों से धीमी गति से गाड़ी चलाने की अपील करती रहती है, लेकिन मुंबई की सड़कों पर कई स्टंट देखने को मिलते हैं। इन स्टंट कलाकारों पर पुलिस जुर्माना भी लगाती है। लेकिन फिर भी कुछ लोग सुधरते नहीं हैं। इस बीच मुंबई के मीरा रोड का हैरान भरा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखकर हर कोई हैरान है। अब तक आपने तरह-तरह के स्टंट देखे होंगे। कोई बाइक को उड़ा कर दिखाता है तो कोई साइकिल को पलट कर दिखाता है। कोई कार को उड़ा देता है तो कोई सीधे प्लेन से छलांग लगा देता है। लेकिन मुंबई की मीरा रोड पर ऐसा स्टंट दिखा जो आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। इस स्टंट में किसी ने भी कोई छलांग नहीं लगाई है, फिर भी ये कहना गलत नहीं होगा कि इस स्टंट को करने के लिए जिगर की जरूरत होती है। दरअसल मीरा रोड पर एक युवक सिर पर बड़ा सा लिजर्ड रखकर स्कूटी चला रहा है। वो भीड़ भरे रास्ते में निडर होकर जा रहा है और सड़क पर लोग अचरज भरी नजरों से उसे देख रहे हैं। इस पूरी घटना के वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इसे इंस्टाग्राम पेज Normiemiraroad पर देखा जा सकता है। वीडियो में दी गई जानकारी के मुताबिक, यह घटना मुंबई के मीरा रोड इलाके की है। वीडियो में आप एक युवक को स्कूटी चलाते हुए देख सकते हैं। इस युवक के सिर पर एक बड़ा उभार है। पहली नजर में ऐसा लग रहा है कि उसने अपने बालों को स्टाइल किया है लेकिन जब वीडियो जूम इन होता है, तो यह साफ हो जाता है कि बड़ा सा लिजर्ड उसके सिर पर बैठा है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए इस वीडियो को देखकर लोग हैरान हैं। हालांकि इसको देखने के बाद सोशल मीडिया पर लोग मजेदार कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा कि मीरा रोड में इन जैसों के लिए जगह नहीं है। वहीं कुछ लोग कहते हैं कि यह नजारा मुंबई का एक आम दिन है।

सतलुज में लापता युवक का पता लगाने वाले को मिलेगा एक करोड़, पिता ने डीसी किन्नौर को भेजा संदेश

एजेंसी

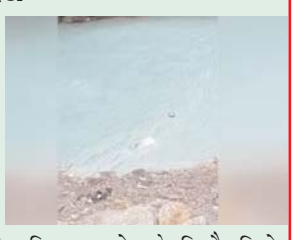

रामपुर बुशहर। किन्नौर जिले के पांगी नाला में सतलुज नदी में गिरी कार में लापता युवक की तलाश करने वाले को एक करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। लापता पर्यटक के पिता ने एक करोड़ का इनाम घोषित किया है। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के पांगी नाला में सतलुज नदी में गिरी कार में लापता युवक की तलाश करने वाले को एक करोड़ रुपये की राशि मिलेगी। लापता पर्यटक के पिता ने एक करोड़ का इनाम घोषित किया है। गौर हो कि किन्नौर जिले के राष्ट्रीय उच्च मार्ग-5 पर पांगी नाला के पास दो दिन पहले इनोवा कार सतलुज नदी जा गिरी। हस हादसे में लापता हुए दो लोगों में से चालक का शव सर्च ऑपरेशन के दौरान गाड़ी से बरामद कर लिया गया है। जबकि एक अन्य पर्यटक का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। लापता पर्यटक वेट्री के पिता सईदाई दुरईसामी ने उनके बेटे का पता लगाने वाले को एक करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की है। वेट्री के पिता सईदाई दुरईसामी चेन्नई के पूर्व मेयर हैं। दुरईसामी ने उनके बेटे का पता लगाने के लिए इनाम देने की घोषणा को लेकर उपायुक्त किन्नौर डॉ. अमित कुमार को भी मैसेज भेजा है। उधर, उपायुक्त किन्नौर डॉ. अमित कुमार शर्मा ने कहा कि ऐसा एक व्हाट्सएप संदेश उनके परिवार की तरफ से आया है।

कई लोगों की मौत की वजह बनी अवैध पटाखा फैक्ट्री, शुरू होने से लेकर अब तक की ऐसी है कहानी

हरदा। मध्यप्रदेश के हरदा में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ। इस हादसे में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 74 लोग झुलस गए हैं। इनमें 11 को रेफर किया गया है, बाकी 63 जिला अस्पताल में भर्ती हैं। कई लोग लापता भी बताए जा रहे हैं, फैक्ट्री मालिक समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मध्यप्रदेश के हरदा नगर में मंगलवार सुबह हुए एक अवैध फटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट और आगजनी के बाद उस फैक्ट्री से जुड़ी कई बातें सामने आई हैं। मिली जानकारी के अनुसार, यह फैक्ट्री संचालन के लिए फिट नहीं थी। वहीं, करीब महीने भर पहले हुई फैक्टी की जांच में सामने आया था कि यह अवैध रूप से संचालित हो रही थी। पूर्व में हुई कुछ शिकायतों के बाद इस फैक्ट्री को जांच के बाद सील भी किया गया था। बताया जा रहा है कि यह फैक्ट्री पट्टे की जमीन पर चल रही थी, जिसे राजेश अग्रवाल उर्फ राजू, सोमेश अग्रवाल उर्फ सोमू और प्रदीप अग्रवाल की पार्टनरशिप में चलाया जा रहा था। जो कि बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही दलों से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। वहीं, इन दलों को चुनाव में फैक्ट्री मालिकों के द्वारा फंडिंग करने की बात भी सामने आ रही है। फैक्ट्री के अवैध संचालन को लेकर फिलहाल स्थानीय सिविल लाइन थाना की पुलिस और जिला प्रशासन की भूमिका भी संदेहास्पद दिखाई दे रही है।

थाने में हाजिरी लगाएं, पासपोर्ट जमा करें, आनंद मोहन की रिहाई पर सुप्रीम कोर्ट ने और क्या कहा

संवाददाता

दिल्ली। गैंगस्टर से नेता बने आनंद मोहन पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती बरती है। सुप्रीम कोर्ट ने आनंद मोहन सिंह से कहा कि पासपोर्ट जमा करें और हर पखवाड़े पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करें। मारे गए आईएएस अधिकारी जी. कृष्णैया की पत्नी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की हैं। बिहार सरकार ने नियम में बदलाव कर आनंद मोहन के जेल से निकलने का रास्ता साफ किया था। बिहार के पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह की मुश्किलें बढ़ गई। उनकी समयपूर्व रिहाई को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। गैंगस्टर से नेता बने आनंद मोहन सिंह को तुरंत अपना पासपोर्ट जमा करने को कहा गया। साथ ही कहा गया कि स्थानीय पुलिस थाने में हर पखवाड़े (15 दिन पर) रिपोर्ट करें। मारे गए आईएएस अधिकारी जी. कृष्णैया की पत्नी ने याचिका दायर कीं हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आदेश दिया कि प्रतिवादी नंबर 4 (आनंद मोहन सिंह) को अपना पासपोर्ट स्थानीय पुलिस स्टेशन में जमा करने का निर्देश दिया जाता है और वो हर पखवाड़े उस पुलिस स्टेशन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। पीठ में न्यायमूर्ति केवी विश?वनाथन भी शामिल थे। पीठ ने ये कहते हुए कि वो आगे कोई अवसर नहीं देगी, केंद्र सरकार से कहा कि अगर जरूरी हो तो एक सप्ताह के भीतर अपना हलफनामा दाखिल करें। मारे गए नौकरशाह की पत्नी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने केंद्र के चार सप्ताह के अतिरिक्त समय के अनुरोध का विरोध किया और कहा कि मामले को किसी न किसी कारण से पीछे नहीं धकेला जा सकता है। लूथरा ने कहा कि केंद्र सरकार को पिछले साल मई में एक नोटिस जारी किया गया था और याचिका की एक प्रति भारत के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय को भी दी गई थी। मामले की अगली सुनवाई 27 फरवरी को तय की गई है। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 6 फरवरी 2024 को तय की थी। बिहार जेल नियमावली में संशोधन के बाद आनंद मोहन सिंह को सहरसा जेल से रिहा कर दिया गया था। मारे गए आईएएस अधिकारी की पत्नी की ओर से दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि बिहार सरकार ने 2012 के बिहार जेल मैनुअल में पूर्वव्यापी प्रभाव (Retroactive Effect) से संशोधन किया, ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि आनंद मोहन सिंह को छूट का लाभ मिल जाए। बिहार सरकार ने ये कहकर उनकी रिहाई का बचाव किया है कि संशोधित छूट नीति का लाभ अन्य मामलों में भी बढ़ाया गया है, ये कहते हुए कि संशोधन में पीड़ित की स्थिति के आधार पर भेदभाव दूर करने की मांग की गई है। साल 1994 में गोपालगंज के तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट कृष्णैया को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था, जब उनकी कार ने गैंगस्टर छोटन शुक्ला के अंतिम संस्कार के जुलूस से आगे निकलने की कोशिश की थी। कथित तौर पर भीड़ को आनंद मोहन सिंह ने उकसाया था।

तत्कालीन एसपी ने लिखा था फैक्ट्री बंद करने को पत्र

हरदा। पटाखे की अवैध फैक्ट्री के मालिक राजेश ने पुरानी सब्जी मंडी के आने घर से भी पटाखों का भंडारण कर वहीं से बेचना भी शुरू कर दिया, जिसके कुछ दिनों बाद शहर के हंडिया रोड पर एक और पटाखा फैक्ट्री शुरू कर दी। इस फैक्ट्री को लेकर आम लोगों की शिकायतें होम पर तत्कालीन एसपी ने इस फैक्ट्री को बंद करने के लिए एक पत्र भी लिखा। लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। अगर समय रहते प्रशासन कुछ एक्शन लेता तो शायद इतनी बड़ी यह दुर्घटना नहीं होती। हालांकि, स्थानीय प्रशासनिक अफसरों ने खतरे को भांपते हुए कई बार इस फैक्ट्री को बंद कराने की कोशिश तो की, लेकिन किसी न किसी वजह से उनकी यह कार्रवाई टल जाती।

पांचवें दिन नहीं चला सर्च अभियान, प्रशासन के आदेशों का इंतजार

एजेंसी

शिमला। एनडीआरएफ के मुख्य निरीक्षक नफीस खान ने बताया कि तीन फ्लोर में सर्च अभियान पूरा कर लिया गया है। अब चौथे फ्लोर में तब तक सर्च अभियान नहीं चलाया जा सकता, जब तक उन्हें आगामी आदेश नहीं मिलते। झाड़माजरी अग्निकांड के पांचवें सर्च अभियान पूरी तरह से बंद रहा। एनडीआरएफ की टीम मौके पर मौजूद तो रही, पर अंदर जाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। एनडीआरएफ ने केवल केंद्र से आई फोरेंसिक टीम के साथ सैंपल कलेक्ट करने में कुछ मदद की। सर्च अभियान नहीं चलाया। ऐसे में अब लापता लोगों के परिजनों की चिंता और बढ़ गई है। हालांकि सोमवार को भी टीम ने हल्की छानबीन ही की थी। वहीं हिमाचल के चंबा जिले की चंपो के भाई को ट्रॉली में बिठाकर भीतर दिखाया था। उधर, एनडीआरएफ के अधिकारियों का कहना है कि वह प्रशासन के आदेशों का इंतजार कर रहे हैं। इसमें जब तक उन्हें आदेश नहीं आएंगे, तब तक वह चौथी मंजिल में सर्च अभियान नहीं चला सकते। हालांकि तीन मंजिल तक टीम ने लगभग तलाश पूरी कर ली है। यहां पर शौचालय में चार महिलाओं के शव मिले थे, जिसमें तीन शवों की पहचान कर ली गई थी। एक शव अभी डीएनए सैंपल की जांच के लिए जुन्गा लैब में भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा कि वह किसका शव है। एनडीआरएफ के मुख्य निरीक्षक नफीस खान ने बताया कि तीन फ्लोर में सर्च अभियान पूरा कर लिया गया है। अब चौथे फ्लोर में तब तक सर्च अभियान नहीं चलाया जा सकता, जब तक उन्हें आगामी आदेश नहीं मिलते। हालांकि भवन असुरक्षित हैं। ऐसे में आगामी आदेशों के बाद ही सर्च अभियान चलाया जाएगा। आग में बुरी तरह जल चुकी झाड़माजरी की एरोमा कंपनी की फैक्टरी की दीवारों को अब तोड़ा जाएगा। दीवारें तोड़ने का काम फोरेंसिक टीम के सैंपल लेने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुरू होगा। इसमें तीसरी और चौथी मंजिल की दीवारों को तोड़ा जाएगा। यहीं पर लापता लोगों के होने की उम्मीद हैं। प्रशासन फिलहाल फोरेंसिक टीम के सैंपल लेने के इंतजार में था। फोरेंसिक टीम के कहने पर ही अभी तक भवन में कोई छेड़छाड़ नहीं की गई है। टीम शुरुआती तीन मंजिल से जरूरी सैंपल लेगा। दो से तीन दिनों में यह प्रोसेस पूरा होगा। इसके बाद ही भवन की दीवारें तोड़ी जाएंगी। चौथी मंजिल का एक हिस्सा बैठ गया है। इसका कुछ मलबा तीसरी मंजिल में भी गिरा है। आशंका है कि अब तीसरी मंजिल में जो मलबा गिरा है, वहां पर लापता लोग हो सकते हैं। यहां पर तभी सर्च अभियान चलेगा, जब दीवारों को तोड़ा जाएगा। उपमंडलाधिकारी नालागढ़ दिव्यांशु सिंघल ने कहा कि फिलहाल केंद्र की फोरेंसिक टीम सैंपल ले रही है। उसके बाद चौथी मंजिल पर पड़ा मलबा और तीसरी मंजिल की दीवारों को तोड़ा जाएगा। उसके बाद लापता लोगों को ढूंढने के लिए सर्च अभियान चलाया जाएगा।

एसडीएम को बनाया गया था प्रस्तुतकर्ता अधिकारी

हरदा। हरदा एसडीएम केसी परते ने बताया कि पटाखा फैक्ट्री फिट नहीं थी, तभी तो यह हादसा हुआ है। कुछ समय पहले हरदा प्रशासन ने पटाखा फैक्ट्री को अनफिट घोषित कर दिया था। बाद में संभागायुक्त नर्मदापुरम ने इसे बहाल कर दिया था। फैक्ट्री करीब डेढ़ एकड़ में फैली है। यहां 300 से ज्यादा लोग काम करते हैं। फैक्ट्री में काम करने वाले करीब 40 परिवार अस्थाई निर्माण कर यहीं पर रह रहे थे। वहीं, तहसीलदार हरदा लवीना घागरे का कहना है कि उनके पहले पदस्थ रहे अफसरों द्वारा फैक्ट्री सील किए जाने के बाद राजेश, सोमेश और प्रदीप हाईकोर्ट गए थे। इसके बाद एसडीएम को इस मामले में प्रस्तुतकर्ता अधिकारी बनाया गया था।

अपनों के पंच से टेंशन में नीतीश, दिल्ली में पीएम मोदी से मिलकर लेंगे रिलैक्स वाला टिप्स!

संवाददाता

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 7 फरवरी (बुधवार) को दिल्ली जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार दो दिन दिल्ली में रहेंगे। यहां पर वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। खबर है कि गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात करेंगे। बीजेपी के रणनीतिकारों ने नीतीश कुमार के लिए नो एंट्री का बोर्ड हटा तो लिया, पर गठबंधन की हर समस्या के समाधान की चाबी अपने पास रख लिया है। नतीजतन निरंतर जदयू के रणनीतिकारों की दिल्ली दौड़ जारी है। कुछ दिन पहले जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह गए थे। और अब दिल्ली दौड़ की कतार में राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी शामिल हो गए। जानकारी के मुताबिक, नीतीश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने 7 फरवरी को दिल्ली जाने वाले हैं। वहां इनकी मुलाकात पीएम नरेंद्र मोदी के साथ होगी। दो दिवसीय दौरे में नीतीश कुमार गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मिलेंगे। दरअसल, बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार तो बन गई, पर सब कुछ 2005 की तरह स्मूथ नहीं चल रहा है। कुछ ही दिन पहले जदयू के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह दिल्ली गए थे, कुछ समस्याओं का समाधान लेकर आए थे। उनके जाने के पहले जदयू और भाजपा के बीच गृह विभाग को लेकर टकराहट जारी थी। इस कारण शपथ लेने के बाद भी विभागों का बंटवारा नहीं हो पाया था। ऐसे में राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह को अपना दूत बना कर भेजा था। और तब उन समस्याओं का निदान निकला और गृह जदयू के पास रहा और अन्य विभागों का भी बंटवारा हो गया। लेकिन इस बार राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा के बारे में राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा है कि दिल्ली में होने वाली पीएम नरेंद्र मोदी और बिहार के सीएम नीतीश कुमार के बीच होने वाली बैठक महज औपचारिक नहीं है। यह भी एक मिशन है, जहां समस्याओं के पेंच सुलझाए जाने हैं। राजनीतिक गलियारों में जिन पेंच की चर्चा है, आइये जानते हैं उसके बारे में। लालू यादव और तेजस्वी यादव की नजर कुछ भाजपा विधायकों की तरफ भी है। नीतीश कुमार के अपने इंटेलिजेंस के पास कुछ ऐसी सूचना आई है। इस मुद्दे पर बात करेंगे।

पांच पुलिस कर्मियों के खिलाफ शिमला कोर्ट में चार्जशीट दायर

संवाददाता

शिमला। पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने पांच पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ शिमला कोर्ट में चार्जशीट दायर की है। आरोप है कि पुलिस कर्मचारियों ने क्रिप्टोकरेंसी में पैसे लगाने वालों को दोगुना मुनाफा मिलने का झूठा झांसा दिया। क्रिप्टोकरेंसी ठगी मामले में पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने पांच पुलिस कर्मचारियों के खिलाफ शिमला कोर्ट में चार्जशीट दायर की है। आरोप है कि पुलिस कर्मचारियों ने क्रिप्टोकरेंसी में पैसे लगाने वालों को दोगुना मुनाफा मिलने का झूठा झांसा दिया। ये पुलिस कर्मचारी कमीशन पाकर लखपति बन गए। 2,500 करोड़ रुपये के इस घोटाले में अब तक शिमला कोर्ट में आरोपियों के खिलाफ दो चार्जशीट दायर हो चुकी हैं। इस मामले में 20 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें से 19 के खिलाफ शिमला कोर्ट में चालान पेश हो चुका है। एक आरोपी के खिलाफ चार्जशीट तैयार की जा रही है। ठगी के इस मामले का मुख्य आरोपी सुभाष और मेरठ का इंजीनियर विदेश भाग गए हैं। उनको वापस लाने की प्रक्रिया जारी है। आरोपियों की 20 करोड़ से ज्यादा की संपत्तियां जब्त की जा चुकी हैं। एसआईटी का मानना है कि आरोपियों की अन्य संपत्तियों के दस्तावेज भी खंगाले जा रहे हैं। एसआईटी प्रमुख डीआईजी अभिषेक दुल्लर ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच चल रही है। लोगों को ठगने वाले बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी के साथ बतौर एजेंट का काम करने वालों पर शिकंजा कसा जा रहा है। मामले में अभी और गिरफ्तारियां होनी हैं। अब तक 19 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दायर हो चुकी है। इनमें पुलिस कर्मचारी भी शामिल हैं।

कौन हैं सचिन धस शुरुआती चार मैच में बनाए थे 82 रन

फिर चमत्कार दिखा टीम इंडिया को फाइनल में पहुंचाया

एजेंसी

नई दिल्ली। सचिन ने इस टूर्नामेंट में शुरुआती चार मैचों में सिर्फ 82 रन बनाए थे। हालांकि, पिछली दो पारियों में उन्होंने फॉर्म हासिल की और अब पूरी दुनिया में अपनी चमक बिखेर रहे हैं। अंडर-19 विश्व कप में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। टीम इंडिया टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गई है। मंगलवार को भारत ने सेमीफाइनल में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को दो विकेट से हरा दिया। इस जीत में कप्तान उदय सहारन और सचिन धस का काफी योदगान रहा। एक वक्त टीम इंडिया ने 32 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद सचिन और उदय ने पांचवें विकेट के लिए रिकॉर्ड 171 रन की साझेदारी की और पासा पलट दिया। सचिन शतक से चूक गए और 96 रन बनाकर आउट हुए। वहीं कप्तान उदय ने 81 रन बनाए। कप्तान उदय प्लेयर ऑफ द मैच बने और सचिन भले ही इससे चूक गए, लेकिन उन्होंने सही समय पर फॉर्म हासिल किया है और उन्हें आने वाले समय का बड़े मैच का प्लेयर माना जा रहा है। दरअसल, सचिन ने इस टूर्नामेंट में शुरुआती चार मैचों में सिर्फ 82 रन बनाए थे। हालांकि, पिछली दो पारियों में उन्होंने फॉर्म हासिल की और अब पूरी दुनिया में अपनी चमक बिखेर रहे हैं। सचिन ने टूर्नामेंट के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 20 गेंद में 26 रन की पारी खेली थी। इसके बाद फिर दूसरे मैच मं नौ गेंद में 21 रन की नाबाद विस्फोटक पारी खेली। तीसरे मैच में अमेरिका के खिलाफ वह 16 गेंद में 20 रन बनाकर आउट हुए थे। यहां तक उन्होंने छोटी मगर उपयोगी पारियां खेलीं। फिर नेपाल के खिलाफ आखिरी सुपर सिक्स मैच को उन्होंने फॉर्म में वापस आने के लिए इस्तेमाल किया। इस मैच में सचिन ने 101 गेंद में 11 चौके और तीन छक्के की मदद से 116 रन बनाए। अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुश्किल परिस्थिति में भी 100 के ऊपर के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने 95 गेंद में 11 चौके और एक छक्के की मदद से 96 रन की पारी खेली। शुरुआती चार पारियों में 82 रन बनाने के बाद पिछली दो पारियों में 212 रन बना डाले हैं। वह फिलहाल टूर्नामेंट में 294 रन बना चुके हैं और तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। सचिन महाराष्ट्र के बीड के रहने वाले हैं। उनका जन्म एथलीट्स के परिवार में हुआ था। सचिन के पिता संजय धस को क्रिकेट काफी पसंद है और उन्होंने बचपन में ही तय कर लिया था कि सचिन क्रिकेटर बनेंगे। 19 साल के सचिन ने दो फरवरी को पिता संजय को जन्मदिन पर शतक (नेपाल के खिलाफ) के रूप में खास तोहफा दिया था। संजय ने एक इंटरव्यू में बताया था कि सुनील गावस्कर के बाद सचिन तेंदुलकर उनके पसंदीदा क्रिकेटर रहे हैं। जब सचिन (धस) का जन्म हुआ तो मैंने उसका नाम तेंदुलकर के नाम पर रखने का फैसला लिया। सचिन की मां महाराष्ट्र पुलिस में असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर हैं। सचिन के पिता संजय राज्य स्तर पर कबड्डी खेल चुके हैं। साथ ही यूनिवर्सिटी लेवल पर क्रिकेट भी खेल चुके हैं। सचिन अब 11 फरवरी का इंतजार कर रहे हैं। उस दिन अंडर-19 विश्व कप का फाइनल खेला जाएगा। दूसरी टीम ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता टीम होगी। सचिन उस मैच में शानदार प्रदर्शन कर अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए दावा ठोकना चाहेंगे। सचिन इस साल आईपीएल में नहीं दिखेंगे। हालांकि, अगले साल से वह इस लीग में बड़ी कीमत पर बिक सकते हैं।

ऋषभ अपनी वापसी को लेकर आश्वस्त हैं: रिकी पोंटिंग

संवाददाता

नई दिल्ली। हाल ही में मेजर क्रिकेट लीग में वॉशिंगटन फ्रीडम टीम के मुख्य कोच बने पोंटिंग ने कहा कि पंत दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलने को लेकर आशान्वित हैं। हालांकि, पंत कप्तानी या विकेटकीपिंग कर पाएंगे या नहीं इस पर पोंटिंग अभी आश्वस्त नहीं हैं। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग को उम्मीद है कि ऋषभ पंत आईपीएल 2024 में सभी मैच खेलेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा है कि यह तय नहीं है कि वह बतौर कप्तान या विकेटकीपर उपलब्ध होंगे या नहीं। पंत 2022 में कार दुर्घटना में घायल हो गए थे और फिलहाल इसी से उबर रहे हैं। पंत की सर्जरी हुई थी और वह फिटनेस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में मेजर क्रिकेट लीग में वॉशिंगटन फ्रीडम टीम के मुख्य कोच बने पोंटिंग ने कहा कि पंत दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलने को लेकर आशान्वित हैं। पोंटिंग ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर कहा, %ऋषभ अपनी वापसी को लेकर आश्वस्त हैं, लेकिन हम सुनिश्चित नहीं हैं कि वह किस क्षमता में उपलब्ध होंगे। वह सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस के वीडियो पोस्ट कर रहे हैं, लेकिन हम आईपीएल 2024 के पहले मैच से केवल छह सप्ताह दूर हैं। वह विकेटकीपिंग कर पाएंगे या नहीं, इसको लेकर अभी हम कुछ नहीं कह सकते। उन्होंने कहा, %अगर मैं उनसे पूछूंगा तो वह विकेटकीपर के रूप में भी सभी मैच खेलने को तैयार होंगे। वह ऐसे ही हैं और हम भी उनकी वापसी को लेकर उम्मीदों से बंधे हुए हैं। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी और हमारे कप्तान हैं।

जसप्रीत बुमराह दुनिया के नंबर एक टेस्ट गेंदबाज बने, अश्विन को पीछे छोड़ा, विराट की रैंकिंग गिरी

एजेंसी

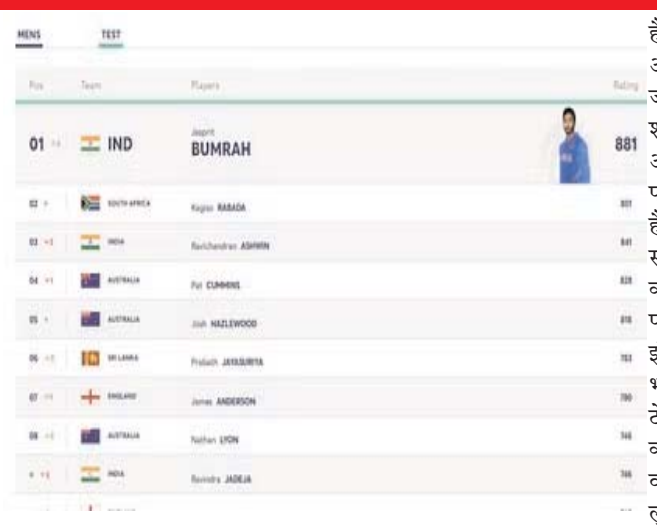

दुबई। बुमराह ने रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ नंबर एक स्थान हासिल किया। पहले अश्विन टेस्ट गेंदबाजों में शीर्ष पर थे। वहीं, अश्विन दो स्थान नीचे गिरकर तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। भारत के स्टार तेज गेंदबाज और विशाखापत्तनम टेस्ट में टीम इंडिया को जीत दिलाने वाले जसप्रीत बुमराह दुनिया के नंबर एक टेस्ट गेंदबाज बन गए हैं। बुधवार को जारी हुई आईसीसी की ताजा रैंकिंग में बुमराह ने रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ नंबर एक स्थान हासिल किया। पहले अश्विन टेस्ट गेंदबाजों में शीर्ष पर थे। वहीं, अश्विन दो स्थान नीचे गिरकर तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया है। दूसरे टेस्ट में तो वह टीम इंडिया की जीत के सूत्रधार रहे थे। विशाखापत्तनम में खेले गए इस मुकाबले में उन्होंने पहली पारी में छह विकेट और दूसरी पारी में तीन विकेट लिए थे। इसी का फल उन्हें मिला है। वह फिलहाल इस सीरीज में दो मैचों में 15 विकेट लेकर शीर्ष पर हैं। 45 रन देकर छह विकेट उनका इस सीरीज में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा है। बुमराह टेस्ट से पहले वनडे और टी20 में भी नंबर एक गेंदबाज रह चुके हैं। ऐसे में टेस्ट में नंबर वन होते ही

उन्होंने इतिहास भी रच दिया। बुमराह तीनों प्रारूप में नंबर एक पर पहुंचने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले कोई भी गेंदबाज ऐसा नहीं कर सका था। इतना ही नहीं बुमराह विराट कोहली के खास क्लब में भी शामिल हो गए हैं। वह विराट के अलावा एशिया के पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिसने तीनों प्रारूप में नंबर एक पायदान हासिल किया हो। बुमराह टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक बनने वाले भारत के पहले तेज गेंदबाज हैं। टेस्ट बल्लेबाजों में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है और पहले टेस्ट की दो पारियों में दो शतक जड़े हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ एक स्थान की छलांग के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के जो रूट को भारत के खिलाफ दोनों टेस्ट में खराब प्रदर्शन का नुकसान हुआ और वह तीसरे स्थान पर लुढ़क गए हैं। कीवी बल्लेबाज डेरिल मिचेल चौथे और पाकिस्तान के बाबर आजम पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। भारत के विराट कोहली को दूसरा टेस्ट नहीं खेलने का नुकसान हुआ और वह एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गए हैं। भारत के स्टार रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं, अश्विन दूसरे और बांग्लादेश के शाकिब अल हसन तीसरे स्थान पर मौजूद हैं। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, अक्षर पटेल को भी एक स्थान का फायदा हुआ और वह पांचवें स्थान पर पहुंच गए। जो रूट, जिन्हें हैदराबाद टेस्ट में विकेट लेने का फायदा मिला था, वह दो स्थान लुढ़क कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

बर्फ के बीच कर रहे हैं कार चलाने की तैयारी, तो रखना चाहिए किन बातों का ध्यान, जानें डिटेल

अगर फरवरी के महीने में भी पहाड़ों पर बर्फ के बीच कार चलाने की तैयारी कर रहे हैं। तो किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। आइए जानते हैं। जनवरी के बाद अब फरवरी महीने में भी पहाडों पर बर्फबारी हो रही है। ऐसे में अगर आप भी अपनी कार से बर्फ के बीच जा रहे हैं। तो किन बातों का ध्यान रखते हुए कार को सुरक्षित तरह चलाया जा सकता है। हम इसकी जानकारी आपको इस खबर में दे रहे हैं। पहाड़ी राज्यों में कई जगहों पर फरवरी महीने में भी बर्फबारी हो रही है। ऐसे में बर्फ के बीच कार चलाना काफी मुश्किल हो जाता है। बर्फ में कार चलाते हुए कई बातों का ध्यान भी रखना पड़ता है। थोड़ी भी लापरवाही होने पर हादसा होने का खतरा भी बढ़ जाता है। अगर बर्फ के बीच कार चलानी हो तो कभी भी कार की स्पीड तेज नहीं रखनी चाहिए। ऐसा करने से न सिर्फ आप अपनी सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। बल्कि आपके कारण अन्य वाहनों को भी खतरा होता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बर्फ पर कार चलाते हुए कई बार ब्रेक लगाने के बाद भी कार नहीं रूकती और फिसलती है। तेज स्पीड के अलावा भी पहाड़ों पर बर्फ के बीच कार चलाते हुए सुरक्षित दूरी बनाकर रखना भी काफी जरूरी होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सड़क पर बर्फ जम जाए तो टायर की ग्रिप कम हो जाती है। जिससे आसानी से ब्रेक नहीं लग पाते। लेकिन अगर सुरक्षित दूरी बनाकर चला जाता है तो फिर कार को रोकना थोड़ा आसान हो जाता है। कुछ कंपनियों की ओर से बर्फ के लिए खास तरह के टायर बनाए जाते हैं। हालांकि भारत में ऐसे टायर्स का उपयोग काफी कम किया जाता है। लेकिन अगर आप ज्यादातर समय ऐसी जगह पर रहते हैं। जहां पर बर्फ के बीच लंबे समय तक कार चलानी होती है। तो आप विंटर टायर्स का उपयोग कर सकते हैं। ऐसा संभव न हो तो फिर कार के टायर पर लोहे की चेन या रस्सी बांधकर भी कार को बर्फ पर चलाया जा सकता है।

गूगल ने प्ले-स्टोर से हटाए 2,200 फर्जी लोन एप, सरकार ने दी जानकारी

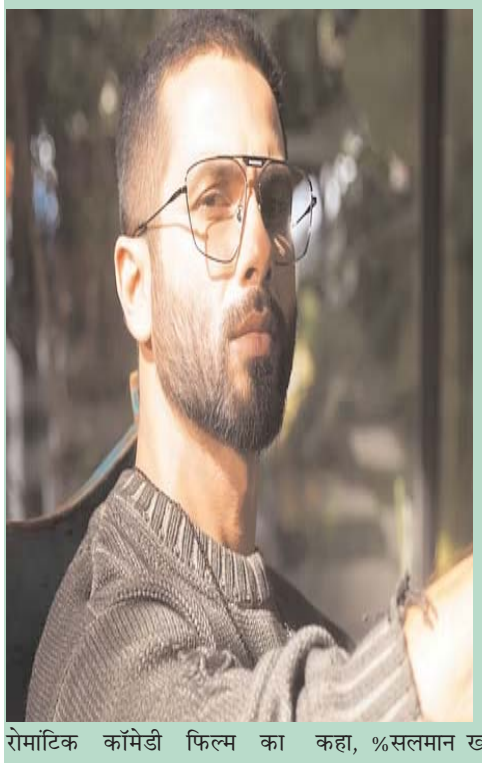

सरकार की ओर से कहा गया कि त्रश्नश्चद्यद्द ने सितंबर 2022 और अगस्त 2023 के बीच अपने प्ले स्टोर से 2,200 से अधिक ऐसे लोन एप्स को हटाया है और ब्लॉक किया है जो धोखाधड़ी वाले थे। इसकी जानकारी सरकार ने मंगलवार को संसद में दी है। गूगल ने एक साल में अपने प्ले-स्टोर से करीब 2,200 फर्जी लोन एप्स को हटाया है। इसकी जानकारी सरकार ने मंगलवार को संसद में दी है। सरकार की ओर से कहा गया कि त्रश्नश्चद्यद्द ने सितंबर 2022 और अगस्त 2023 के बीच अपने प्ले स्टोर से 2,200 से अधिक ऐसे लोन एप्स को हटाया है और ब्लॉक किया है जो धोखाधड़ी वाले थे। वित्त राज्य मंत्री भागवत के कराड ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि सरकार धोखाधड़ी वाले लोन एप्स को कंट्रोल करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और अन्य नियामकों के साथ लगातार काम कर रही है। मंत्री ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) से प्राप्त जानकारी के अनुसार अप्रैल 2021 से जुलाई 2022

के दौरान त्रश्नश्चद्यद्द ने लगभग 3,500 से 4,000 लोन एप्स की समीक्षा की थी और 2,500 से अधिक लोन एप्स को अपने प्ले स्टोर से निलंबित/हटा दिया था। इसी तरह सितंबर 2022-अगस्त 2023 के दौरान 2,200 से अधिक लोन एप्स को त्रश्नश्चद्यद्द क्च्ड्ड4 स्ह्लश्चद्द से हटा दिया गया। गूगल ने लोन एप्स से होने वाले फ्रॉड को लेकर अपनी पॉलिसी में भी बदलाव किए हैं। नई पॉलिसी के मुताबिक अब गूगल प्ले-स्टोर सिर्फ वही लोन एप पब्लिश होंगे जिन्हें विनियमित संस्थाओं (आरई) ने इजाजत दी है। रिजर्व बैंक ने डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लोन सर्विस देने वाले प्लेटफॉर्म के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसका उद्देश्य डिजिटल लोन देने के लिए नियामक ढांचे को मजबूत करना है और साथ ही ग्राहक सुरक्षा को बढ़ाना है। देश में ऑनलाइन लोन देने वाले एप्स पर भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (IyC) और गृह मंत्रालय (MHA) की भी नजर है। भागवत के

फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान को लेकर शाहिद कपूर का बयान, बोलें- उनका स्वैग हमेशा ऑन पॉइंट

शाहिद कपूर इन दिनों अपनी फिल्म %तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया% को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में शाहिद के साथ कृति सेनन मुख्य भूमिका में हैं। फिलहाल इस साइंस फिक्शन रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का प्रमोशन जोर-शोर से जारी है। इसी कड़ी में बुधवार को शाहिद कपूर ने एक्स हैंडल पर आस्क मी एनीथिंग सेशन आयोजित किया, जहां उन्होंने फैंस के कई सारे सवालों के जवाब दिए। इस दौरान शाहिद ने सलमान खान से बिग बॉस में अपनी मुलाकात को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। दरअसल, इस सेशन के दौरान एक फैंस ने शाहिद से बिग बॉस में सलमान खान से मुलाकात को लेकर सवाल किया। इसके जवाब देते हुए शाहिद ने कहा, %सलमान खान सुपरस्टार हैं उनका स्वैग हमेशा ऑन प्वाइंट रहता है। उनसे जब भी मुलाकात होती है, तो %अगल बगल% गाना हमेशा रिपीट होता है। गौरतलब है कि तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया% 9 फरवरी को रिलीज होगी, लेकिन रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड ने फिल्म के एक सीन पर कैंची चलाया है। फिल्म में शाहिद कपूर और कृति सेनन के बीच एक रोमांटिक सीन फिल्माया गया है, जिसके 25 प्रतिशत हिस्से को सेंसर बोर्ड ने काट दिया है। इस सीन से नौ सेकंड का दृश्य हटाया गया है। इसके अलावा मेकर्स को फिल्म में धूम्रपान न करने का मैसेज भी जोड़ने को कहा गया है, जिसे दर्शक आसानी से पढ़ सके। बुधवार को फिल्म का नया प्रोमो भी जारी किया गया है। वहीं, मेकर्स ने अब तक फिल्म के चार गानों को भी रिलीज कर दिया है। इनमें %लाल पीली अखियां%, %अखियां गुलाब%, %तुम से% और %तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया% का टाइटल ट्रैक शामिल है। इन गानों को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। वहीं, कुछ गाने टॉप चार्ट लिस्ट में भी शामिल हैं। फिल्म में शाहिद कपूर और कृति सेनन के अलावा, धर्मेंद्र, डिंपल कपाड़िया, राकेश बेदी और राजेश कुमार जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म को अमित जोशी और आराधना साह निर्देशित किया है। जियो स्टूडियो और मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बने इस फिल्म में एक इंसान और रोबोट के बीच प्यार की कहानी को दिखाया गया है।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्प्लवे स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एव ं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टाचार् समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।